हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची ● मंगलवार ● 06.01.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 162 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर पर हमला, एक हिरासत में

ओहियो : अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर पर हमले की खबर सामने आई है। उपराष्ट्रपति के घर की खिड़कियों में लगी कांच टूट गई है। इसकी तस्वीरें भी सामने आई है। जिसमें जेडी वेंस के घर की खिड़कियों में लगे कांच में कई छेद नजर आ रहे हैं। यह हमला किसने किया, क्यों किया, इसकी जांच चल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। पुलिस को टूटे हुए शीशे पर टॉर्च की रोशनी डालते हुए देखा गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जेडी वेंस पिछले एक हफ्ते से सिनसिनाटी में थे। लेकिन रविवार दोपहर को शहर से रवाना हो गए। वेंस के जिस घर पर हमला किया गया है वह उन्होंने लगभग 14 लाख डॉलर खर्च कर लिया है। यह घर लगभग 2 ।3 एकड़ में फैला हुआ है। मालूम हो कि वेनेजुएला पर अमेरिकी स्ट्राइक के बाद अमेरिका के साथ-साथ पूरी दुनिया में तनाव का माहौल है। अमेरिका में भी कई लोगों ने इस घटना की निंदा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया है। हालांकि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अमेरिकी कार्रवाई को उचित बताया था। अब उनके घर पर हुआ यह हमला किसने और क्यों किया? इस जानकारी का फिलहाल इंतजार है।

उमर खालिद-शरजील इमाम को जमानत नहीं, अदालत ने पांच अन्य को दी राहत

नयी दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को साल 2020 के दिल्ली दंगा मामले में आरोपी बनाए गए उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने फैसले में कहा कि लंबे समय तक जेल में रहना जमानत का आधार नहीं बन सकता। इन दोनों को जमानत देने से इनकार करने के अलावा कोर्ट ने मामले के अन्य आरोपियों– गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को जमानत दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान 'भागीदारी के क्रम' का हवाला देते हुए कहा कि इस मामले में सभी आरोपी एक समान स्थिति में नहीं हैं। इसी को आधार बनाकर अदालत ने शरजील इमाम और उमर खालिद की जमानत की याचिका खारिज कर दी।

वोटर लिस्ट में किसी भी योग्य मतदाता का नाम नहीं छूटना चाहिए : सीईसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : झारखंड के देवघर जिले में सोमवार को बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार शामिल हुए। इस कार्यक्रम में उन्होंने बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश देने के साथ-साथ उनका उत्साहवर्धन भी किया।

देवघर के तपोवन स्थित श्री श्री मोहनानंद प्लस-टू विद्यालय में आयोजित बीएलओ संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि जैसे लोकतंत्र की बुनियाद शुद्ध और सटीक मतदाता सूची होती है, वैसे ही शुद्ध मतदाता सूची की नींव बीएलओ होते हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का कार्य विभिन्न चरणों में चल रहा है। हालांकि, झारखंड में अभी इसकी औपचारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन यहां के बीएलओ की तैयारियों और प्रक्रिया की स्पष्ट समझ यह दर्शाती है कि गहन पुनरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बीएलओ से संवाद के दौरान उनकी भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि पहले कई बार बीएलओ को घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन के दौरान पहचान संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, क्योंकि उनके पास पहचान पत्र नहीं होते थे। इससे आम लोग उन्हें संदेह की दृष्टि से देखते थे। अब भारत निर्वाचन आयोग की ओर से बीएलओ के लिए पहचान पत्र जारी किए गए हैं, जिससे उन्हें डोर-टू-डोर वेरिफिकेशन के दौरान किसी तरह की असुविधा नहीं होती।

संवाद कार्यक्रम के दौरान देवघर जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों से आए बीएलओ ने मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण से संबंधित अपने अनुभव और जानकारियां साझा कीं। बीएलओ प्रमिला यादव ने गहन पुनरीक्षण की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। गुलशन परवीन ने वर्तमान मतदाता सूची को उम्र के आधार पर ए, बी, सी और डी श्रेणी में विभाजित कर पूर्व की मतदाता सूची से मैपिंग की प्रक्रिया के बारे में बताया। गीता कुमारी ने मतदाता सूची की मैपिंग, जबकि दीपम कुमारी ने मैपिंग के आठ चेक-पॉइंट्स के बारे में जानकारी दी।

इसके अलावा बीएलओ राखी देवी और संगीता देवी ने घरों को नोशनल नंबर देने की प्रक्रिया समझाई, वहीं कुमारी प्रिया ने फॉर्म 6, 7 और 8 भरने की जानकारी दी। बीएलओ रजिया खातून ने बताया कि गहन पुनरीक्षण के दौरान महिला मतदाताओं की मैपिंग उनके माता-पिता के साथ की जानी चाहिए, न कि पति के साथ। इन सभी प्रस्तुतियों से बीएलओ की तैयारी और विषय की गहन समझ स्पष्ट रूप से सामने आई।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार बीएलओ की स्पष्टता और तैयारी से काफी प्रभावित नजर आए। उन्होंने कहा कि जल्द ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नई दिल्ली स्थित भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में देवघर के बीएलओ को भी आमंत्रित किया जाएगा।

कार्यक्रम के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि देवघर और दुमका जिले के दो दिवसीय प्रवास के दौरान उन्हें बाबा बैद्यनाथ और बाबा बासुकीनाथ के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। साथ ही चुनाव आयोग के आधार स्तंभ माने जाने वाले बीएलओ से संवाद करने का अवसर भी मिला।

झारखंड की मेजबानी में आज से शुरू होगी 69वीं राष्ट्रीय स्कूली तीरंदाजी प्रतियोगिता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की मेजबानी में 69वीं राष्ट्रीय स्कूली तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन 06 जनवरी से किया जाएगा। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की मेजबानी में यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता मंगलवार से खेलगांव स्थित टिकैत उमराव स्टेडियम (रेंज-3) में शुरू होगी। प्रतियोगिता का आयोजन 06 जनवरी से 10 जनवरी तक किया जा रहा है।

इस प्रतियोगिता में देशभर के 33 राज्यों और इकाइयों से कुल 338 बालक एवं 301 बालिका खिलाड़ी भाग लेंगे। इनके साथ 134 कोच और मैनेजर भी रांची पहुंचे हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का आगमन 04 जनवरी से ही शुरू हो गया है। देश के विभिन्न हिस्सों से रांची पहुंच रहे तीरंदाजी खिलाड़ियों का रांची रेलवे स्टेशन, हटिया रेलवे स्टेशन और बिरसा मुंडा हवाई अड्डा पर पारंपरिक झारखंडी रीति-रिवाज के अनुसार पढ़िया पहनाकर भव्य स्वागत किया जा रहा है। सभी टीमों का पंजीयन खेलगांव स्थित बिरसा मुंडा स्टेडियम के वीआईपी प्रवेश द्वार हॉल में किया जा रहा है। यहां खिलाड़ियों के आवेदन पत्रों के साथ संलग्न सभी प्रमाण-पत्रों की गहन जांच की जा रही है। इसके साथ ही एसजीएफआई (स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) की टीम द्वारा खिलाड़ियों का बायोमेट्रिक सत्यापन भी किया जा रहा है।

प्रतियोगिता के आयोजन सचिव धीरसेन ए. सोरेंग ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। खिलाड़ियों के भोजन, आवासन, चिकित्सा सुविधा, परिवहन और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

शीतलहर की चपेट में पूरा झारखंड, 8 जनवरी तक राज्य के सभी स्कूल बंद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में नए साल के साथ शुरू हुआ अत्यधिक सर्दी का सितम बरकरार है। ठंड और शीतलहर ने जनजीवन बेहाल कर रखा है। ऐसे मौसम में स्कूल जाने वाले छात्रों को जिला प्रशासन की ओर से बड़ी राहत दी गई है।

ठंड और शीतलहर के बढ़ते असर को देखते हुए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने राज्य के सभी स्कूलों को बंद रखने का आदेश जारी किया है। विभाग ने 6 जनवरी 2026 से 8 जनवरी 2026 तक प्री-नर्सरी से लेकर कक्षा 12वीं तक की सभी कक्षाएं बंद रखने का निर्देश दिया है। यह आदेश राज्य में चल रहे सभी सरकारी, सहायता प्राप्त, गैर सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों पर लागू होगा। कोई स्कूल अगर इसका पालन नहीं करता है तो उसके खिलाफ नियम उल्लंघन के चलते कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षकों को जाना होगा स्कूल

सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी इन दिनों स्कूल आएंगे और अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए गैर-शैक्षणिक कार्य करेंगे। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि इस अवधि में किसी स्कूल में प्री-बोर्ड परीक्षा निर्धारित है, तो संबंधित सक्षम प्राधिकारी अपने स्तर से परीक्षा संचालन को लेकर फैसला ले सकते हैं।

ठंड ने आम जनजीवन को प्रभावित कर दिया है

मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी विशेष बुलेटिन के अनुसार झारखंड में भारी ठंड और शीतलहरी की चेतावनी दी गई है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने 5, 6 और 7 जनवरी तक न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री की गिरावट होने का पूर्वानुमान जारी किया है जिससे आगामी तीन-चार दिनों तक ठंड का असर बढ़ने की पूरी संभावना है। बीते रविवार को राजधानी में दिनभर धूप-छांव की आंख मिचौली देखने को मिली। खिली धूप नहीं रहने से ठंड का असर देखने को मिला। वहीं, जिले के बाहरी क्षेत्रों में अहले सुबह घने कोहरे का असर भी दिखा। ठंड ने आम जनजीवन को प्रभावित कर दिया है।

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में बालवाटिका व कक्षा 1 में नामांकन के लिए दिशा-निर्देश जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा संचालित सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बालवाटिका और कक्षा 1 में नामांकन को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। निर्देशों के अनुसार, राज्य के सभी उत्कृष्ट विद्यालयों में बालवाटिका (5+आयु) और कक्षा 1 (6+आयु) में प्रत्येक कक्षा में 40-40 विद्यार्थियों का नामांकन किया जाएगा।

नामांकन प्रक्रिया के तहत संबंधित जिले के जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) द्वारा विद्यालयवार आवेदन संकलित कर राज्य परियोजना कार्यालय को भेजे जाएंगे। इसके आधार पर राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा सभी जिलों के सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की विद्यालयवार सीट विवरणी जारी की जाएगी।

नामांकन से संबंधित विज्ञापन में विद्यालयों के नाम और उपलब्ध सीटों की संख्या प्रकाशित की जाएगी, जिसे विद्यालयों के सूचना पट, जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय तथा संबंधित विद्यालयों की वेबसाइट पर प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा।

दिशा-निर्देशों के अनुसार, सभी जिलों द्वारा 22 जनवरी 2026 तक नामांकन विज्ञापन का प्रकाशन किया जाएगा, जबकि आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 16 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। अभिभावक संबंधित विद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिशन लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय या संबंधित सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस से नामांकन प्रपत्र प्राप्त कर ऑफलाइन आवेदन भी जमा किया जा सकता है।

नामांकन के लिए केवल संबंधित जिले में निवास करने वाले अभिभावकों के बच्चे ही पात्र होंगे। साथ ही, विद्यालय में नामांकन लेने वाले बच्चों के अभिभावकों से प्रधानाध्यापक द्वारा यह शपथ पत्र लिया जाएगा कि वे अपने बच्चे के सुरक्षित विद्यालय आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। चयन में प्राथमिकता के आधार पर पहले विद्यालय से 2 किलोमीटर के दायरे में निवास करने वाले बच्चों को, इसके बाद 7 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले बच्चों को प्राथमिकता दी जाएगी। नामांकन केवल निर्धारित आयु सीमा के अंतर्गत आने वाले बच्चों का ही किया जाएगा। बालवाटिका के लिए 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच 5 वर्ष तथा कक्षा 1 के लिए इसी अवधि में 6 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले बच्चे पात्र होंगे।

छह सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में मिलेगा नामांकन का अवसर

राज्य में संचालित छह सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में बालवाटिका और कक्षा 1 में नामांकन का अवसर मिलेगा। इनमें पाकुड़, खूंटी, धनबाद, चतरा, साहिबगंज और सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (गर्ल्स) लातेहार शामिल हैं।

राजनाथ सिंह ने पहला स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' राष्ट्र को किया समर्पित

भारत की समुद्री सीमाओं पर बुरी नजर डालने वालों को सख्त और उपयुक्त जवाब मिलेगा : रक्षा मंत्री

एजेंसी

नयी दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पोत निर्माण और समुद्री क्षमताओं के विकास में आत्मनिर्भरता की दिशा में देश की बड़ी उपलब्धि के रूप में सोमवार को गोवा में पहला स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' राष्ट्र को समर्पित किया।

भारतीय तटरक्षक के इस पोत को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने बनाया है। लगभग 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ समुद्र प्रताप भारत का पहला स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया प्रदूषण नियंत्रण पोत है और तटरक्षक बल के बेड़े का सबसे बड़ा जहाज है। समुद्र प्रताप के शामिल होने से प्रदूषण नियंत्रण, अग्निशमन, समुद्री सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण में भारतीय तटरक्षक बल की परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साथ ही यह भारत के विस्तृत समुद्री क्षेत्रों में दीर्घकालिक निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया अभियानों को सशक्त बनाएगा।

रक्षा मंत्री ने इस पोत को भारत के परिपक्व रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतीक बताया जो जटिल विनिर्माण चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने में सक्षम है। उन्होंने कहा समुद्री पोत में स्वदेशी सामग्री को 90 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। श्री सिंह ने कहा कि समुद्र प्रताप को विशेष रूप से प्रदूषण नियंत्रण के लिए डिजाइन किया गया है, लेकिन इसकी भूमिका केवल यहीं तक सीमित नहीं है। एक ही मंच पर कई क्षमताओं के एकीकरण से यह पोत तटीय गश्त में भी प्रभावी सिद्ध होगा तथा समुद्री सुरक्षा को और मजबूत करेगा। रक्षा मंत्री ने समुद्री प्रदूषण नियंत्रण से लेकर तटीय स्वच्छता, खोज एवं बचाव कार्यों से लेकर समुद्री कानून प्रवर्तन तक भारतीय तटरक्षक बल की बहुआयामी भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि तटरक्षक बल जिस प्रकार अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहा है उससे देश के शत्रुओं को स्पष्ट संदेश गया है कि यदि उन्होंने भारत की समुद्री सीमाओं पर बुरी नजर डाली या किसी भी प्रकार का दुस्साहस किया, तो उन्हें सख्त और उपयुक्त जवाब मिलेगा।

यह पोत उन्नत प्रदूषण पहचान प्रणालियों, समर्पित प्रदूषण प्रतिक्रिया नौकाओं और आधुनिक अग्निशमन क्षमताओं से सुसज्जित है। इसमें हेलीकॉप्टर हैंगर और विमानन सहायता सुविधाएं भी हैं, जो इसकी पहुंच और प्रभावशीलता को कई गुना बढ़ाती हैं। रक्षा मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इन क्षमताओं के कारण यह पोत उबड़-खाबड़ समुद्री परिस्थितियों में भी स्थिर रूप से संचालन करने में सक्षम होगा जिससे वास्तविक अभियानों में बड़ा लाभ मिलेगा।

रक्षा मंत्री ने समुद्री पर्यावरण संरक्षण को जलवायु परिवर्तन और बढते वैश्विक तापमान की चुनौतियों के बीच केवल एक रणनीतिक आवश्यकता ही नहीं, बल्कि एक नैतिक जिम्मेदारी बताया। उन्होंने तेल रिसाव प्रतिक्रिया, अग्निशमन और बचाव अभियानों में भारतीय तटरक्षक बल के प्रयासों की सराहना की, जिससे भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट से जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा से जुड़ी याचिका खारिज, हाई कोर्ट के फैसले को माना सही

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें झारखंड हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से राज्य सरकार और परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिली है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने सुनाया। कोर्ट ने झारखंड हाई कोर्ट के आदेश को सही ठहराते हुए कहा कि उसमें किसी प्रकार की कानूनी त्रुटि नहीं है। इसके साथ ही अपीलकर्ताओं की याचिका को खारिज कर दिया गया।

ज्ञातव्य है कि इससे पहले 3 दिसंबर को झारखंड हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने एसएससी-सीजीएल परीक्षा मामले में फैसला सुनाया था। हाईकोर्ट ने 10 छात्रों के परिणाम पर रोक लगाते हुए, शेष सफल अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया जारी रखने का आदेश दिया था। हाई कोर्ट के इस फैसले से असंतुष्ट कुछ छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि वे न्याय की अंतिम उम्मीद लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं और उन्हें वहां से निष्पक्ष व न्यायसंगत निर्णय की अपेक्षा है।

इसी बीच झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने सफल अभ्यर्थियों की मेरिट लिस्ट जारी कर दी और राज्य सरकार ने नियुक्ति पत्र भी सौंप दिए। हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान सफल अभ्यर्थियों की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने पक्ष रखा था।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब एसएससी-सीजीएल नियुक्ति प्रक्रिया पर लगा असमंजस समाप्त हो गया है और नियुक्त अभ्यर्थियों के भविष्य का रास्ता साफ हो गया है।

एक नजर

रसोईया धमना में 80 जरूरतमंदों के बीच बांटे गए कंबल

बरही : प्रखंड अंतर्गत रसोईया धमना पंचायत के पंचायत सचिवालय में सोमवार को कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान ठंड से बचाव को लेकर पंचायत के 80 जरूरतमंद परिवारों के बीच कंबल का वितरण किया गया। कंबल का वितरण स्थानीय मुखिया गोविंद साहू एवं पंचायत सचिव जितेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान मुखिया गोविंद साहू एवं पंचायत सचिव जितेंद्र कुमार सीताराम ने संयुक्त रूप से कहा कि सरकार की मंशा है कि कड़ाके की ठंड में कोई भी व्यक्ति ठंड से परेशान ना रहे। इसी उद्देश्य से जरूरतमंद लोगों तक कंबल पहुंचाए जा रहे है। कंबल पाकर लाभुकों ने खुशी जताई और सरकार तथा मुखिया के प्रति आभार व्यक्त किया। मौके पर पंचायत के सभी वार्ड सदस्य समेत दर्जनों अन्य लोग मौजूद थे।

राज्य के सभी स्कूलों में 12 वीं तक के क्लास 8 जनवरी तक रहेंगे बंद

हजारीबाग : झारखंड के सभी स्कूलों में 12 वीं तक क्लास 8 जनवरी तक बंद रहेंगे। इसका आदेश स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की अपर सचिव सीता पुष्पा ने 5 जनवरी को जारी किया। इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। जारी आदेश में कहा गया है कि शीतलहर एवं ठंड के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए राज्य में संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर सरकारी सहायता प्राप्त, गैर सहायता प्राप्त एवं सभी निजी विद्यालयों में 6 जनवरी से 8 जनवरी, 2026 तक के लिए वर्ग–प्री नर्सरी/ नर्सरी से वर्ग –12 वीं तक की कक्षाएं बंद रहेंगी। आदेश में कहा गया है कि सभी कोटि के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षकोतर कर्मी उपरोक्त अवधि में अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए गैर शैक्षणिक कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित करेंगे।

चलकुशा के मस्केडीह से लापता बच्चा बनारस से हुआ बरामद

चलकुशा : थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मस्केडीह निवासी जसीम अंसारी का 12 वर्षीय पुत्र जमीर अली अपने गांव मस्केडीह से रविवार की शाम करीब 5 बजे से लापता था जिसके बाद परिजनों द्वारा रविवार की रात काफी खोजबीन की गई थी लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाया था जिसके बाद परिजन सोमवार की सुबह चलकुशा थाना में आवेदन देकर पुलिस से बच्चे की खोजबीन करने को कहा था, परिजनों ने अपने रिश्तेदारों की को भी घटना की जानकारी देकर खोजबीन करने को कहा था जिसके बाद रिश्तेदारों ने भी अपने स्तर खोजबीन की और वो इसमें सफल रहे,प्राप्त जानकारी के अनुसार बच्चे को बनारस में रह रहे रिश्तेदारों ने बच्चे को बनारस में किसी दो अज्ञात व्यक्तियों के साथ देखा जिसके बाद बच्चे को वे पहचान गए। इसी बीच जब तक वे लोग बच्चे से पूछताछ करने लगे तबतक जो 2 अज्ञात व्यक्ति बच्चे को पकड़कर ले जा रहे थे वो मौके से फरार हो गए। बच्चे को फिलहाल रिश्तेदारों ने पकड़कर अपने पास रख लिया है और इसकी जानकारी बच्चे के माता पिता को दे दी है। और संतुष्टि के लिए ऑनलाइन वीडियो कॉल पर बात करा दिए हैं।

मेहता विकास मंच ने पदमा के चार पंचायतों में बांटे कंबल, ठंड से राहत पाकर खिले जरूरतमंदों के चेहरे

प्रत्यूष नवबिहार हजारीबाग

पदमा : हजारीबाग जिले में जारी भीषण शीतलहरी और कड़ाके की ठंड को देखते हुए 'मेहता विकास मंच' सामाजिक सरोकार के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहा है। मंच द्वारा दिसंबर 2025 से शुरू किया गया कंबल वितरण अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में सोमवार, 05 जनवरी 2026 को पदमा प्रखंड की चार विभिन्न पंचायतों में शिविर लगाकर गरीब, असहाय और दिव्यांग लोगों के बीच कंबल बांटे गए।

158 जरूरतमंदों को मिला सहारा

मंच द्वारा आज पदमा प्रखंड के पदमा पंचायत, सरैया पंचायत, बंदर बेला पंचायत और कुटीपीसी पंचायत में वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 158 जरूरतमंदों को कंबल प्रदान किए गए। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि लाभुकों का चयन स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया और उन्हीं के कर-कमलों से वितरण सुनिश्चित कराया गया, ताकि सहायता सही और पात्र व्यक्तियों तक पहुंच सके।

मंच की प्रतिबद्धता

इस अवसर पर मेहता विकास मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि संस्था सदैव समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की मदद के लिए तत्पर रही है। भीषण ठंड में गरीबों को राहत पहुंचाना हमारा प्राथमिक लक्ष्य है। यह अभियान जिले के इचाक, पदमा, सदर और कटकमसांडी प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में निरंतर चलाया जा रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में मेहता विकास मंच के पदाधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा मंच के संरक्षक अर्जुन प्रसाद मेहता, दिलीप कुमार, लखन कुमार मेहता, अध्यक्ष कुमार केशव, उपाध्यक्ष डॉ. ओम प्रकाश मेहता, दामोदर प्रसाद मेहता, सचिव सरोज कुमार मेहता, कोषाध्यक्ष निर्मल प्रसाद मेहता, सह-कोषाध्यक्ष अजीत कुमार मेहता, संगठन सचिव युगल किशोर मेहता, धनुषधारी मेहता, मीडिया प्रभारी पंकज कुमार मेहता एवं कार्यकारिणी सदस्य प्रेम कुमार मेहता। सरैया पंचायतः मुखिया शांति देवी, उप प्रमुख सत्येन्द्र राणा, पूर्व मुखिया अरुण कुमार मेहता, सूरज नारायण मेहता एवं उप मुखिया सुरेश कुमार पाण्डेय।पदमा पंचायतः मुखिया अनिल कुमार मेहता, भाजपा नेता अजय मेहता, महेंद्र मेहता एवं वार्ड सदस्य गण। बंदर बेला पंचायतः मुखिया विजय मेहता, रघुनंदन मेहता, अनिल मेहता एवं सोनु मेहता।कुटीपीसी पंचायतः मुखिया विजय कुमार मेहता, अयोध्या प्रसाद मेहता, छोटेलाल मेहता, राहुल मेहता एवं जसप्रीत राणा।

शीतलहर के कारण प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला अब 8 को

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही अनुमंडलीय अस्पताल में 7 जनवरी को आयोजित स्वास्थ्य मेला अब 8 जनवरी को सुबह 9 बजे से 3 बजे तक लगाया जाएगा। स्वास्थ्य मेला के मुख्य अतिथि विधायक मनोज कुमार यादव होंगे। डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी ने बताया कि स्वास्थ्य मेला को लेकर प्रचार प्रसार किया जा रहा है। बताया कि एकदिवसीय स्वास्थ्य मेला का उद्देश्य आमजन को स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों से लाभान्वित करना है। मेले में स्वास्थ्य चिकित्सा, मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार नियोजन परामर्श,आईईसी - परिवार नियोजन, मोतियाबिंद जांच, ईएनटी जांच, दंत चिकित्सा जांच, त्वचा की जांच, आर टीआई/एसआई टी एवं एड्स नियंत्रण के लिए परामर्श, कुष्ठ नियंत्रण, टीबी नियंत्रण, मलेरिया, आंखों की जांच एवं कैंसर नियंत्रण जागरूकता की स्वास्थ्य जांच तथा बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएगी। इस स्वास्थ्य मेला के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं जन - मानस तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।

गुड सेमेरिटन कानून से मददगार सुरक्षित, 9 जनवरी को लगेगा सड़क सुरक्षा जागरूकता शिविर

प्रत्युष नवबिहार बड़कागांव

चौपारण : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत आयोजित होने वाले सहायता मंच जागरूकता शिविर को सफल बनाने को लेकर चौपारण के अंचलाधिकारी संजय यादव ने आमजन से सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करना सबसे बड़ा मानव धर्म है और गुड सेमेरिटन कानून ऐसे सहायता करने वाले नागरिकों को पूर्ण कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है। अंचलाधिकारी ने प्रखंड क्षेत्र के सभी मुखिया, पंचायत सचिव, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकताओं एवं आम नागरिकों से आग्रह किया है कि वे 09 जनवरी 2026 को प्रखंड कार्यालय, चौपारण में आयोजित इस जागरूकता शिविर में अनिवार्य रूप से भाग लें और अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ें। उन्होंने बताया कि शिविर के माध्यम से हिट एंड रन मुआवजा योजना सहित सड़क दुर्घटना पीड़ितों को मिलने वाली विभिन्न सरकारी सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सहायता मंच जागरूकता शिविर में जनसह भागिता अत्यंत आवश्यक है, ताकि दुर्घटना के समय लोग बिना भय के आगे आकर घायलों की मदद कर सकें। अंचलाधिकारी संजय यादव ने विश्वास जताया कि आम जनता की सक्रिय सहभागिता से सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों को समय पर सहायता मिल सकेगी और कई अनमोल जानें बचाई जा सकेंगी।

पारदर्शी प्रशासन की मिसाल बने बीडीओ नितेश भास्कर जनता के सामने रखा कार्यकाल का पूरा लेखा-जोखा

- शांतिपूर्ण चुनाव, मजबूत प्रशासन और तेज विकास, बीडीओ नितेश भास्कर के कार्यकाल की बड़ी उपलब्धियां
- पर्व-त्यौहारों से लेकर जनकल्याण योजनाओं तक, बीडीओ नितेश भास्कर के नेतृत्व में चौपारण बना सुशासन का मॉडल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश भास्कर ने 9 अक्टूबर 2024 से 31 दिसंबर 2025 तक के अपने कार्यकाल का विस्तृत लेखा-जोखा जनता के समक्ष प्रस्तुत किया। पारदर्शी प्रशासन, खुली विचारधारा और चौपारण को विकास की नई दिशा देने के उद्देश्य से किए गए उनके प्रयासों की क्षेत्र में सराहना हो रही है, जिससे वे इन दिनों खासे चर्चित बने हुए हैं। अपने कार्यकाल के दौरान बीडीओ नितेश भास्कर ने प्रखंड में दशहरा, रामनवमी, ईद, होली सहित सभी प्रमुख पर्व-त्यौहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रशासनिक समन्वय और जनसहयोग के कारण किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना सामने नहीं आई। प्रखंड की 26 पंचायतों में आपके अधिकार, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत कुल 16,755 आवेदनों का निष्पादन किया गया। इसमें वृद्धा, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन से संबंधित 3,200 आवेदनों का निस्तारण किया गया, जिससे हजारों जरूरतमंदों को समय पर लाभ मिल सका। आदिम जनजाति के उत्थान की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य किए गए। पीएम जनमन योजना के तहत आदिम जनजाति के 86 आवासों की स्वीकृति दी गई, जिनमें से 32 आवास पूर्ण हो चुके हैं। वहीं आदिम जनजाति पेंशन योजना के अंतर्गत लगभग 112 नए पेंशन आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, कल्याण विभाग द्वारा संचालित पशुधन योजना का लाभ 22 आदिम जनजाति लाभुकों को दिया गया। जनजाति विकास मंत्रालय द्वारा संचालित आदि कर्मयोगी अभियान के तहत 18 जनजाति बहुल गांवों में ग्राम सभाओं के माध्यम से आदिम जनजातियों के विकास से जुड़ी योजनाओं का चयन कर उन्हें अनुमोदन हेतु भेजा गया, जिससे गांव स्तर पर विकास की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। चौपारण प्रखंड में विधानसभा आम निर्वाचन 2024 का सफलतापूर्वक, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संचालन भी उनके नेतृत्व में संपन्न हुआ।

पूर्व मुखिया पारसनाथ प्रसाद ने 551 कंबल का कराया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : समाजसेवी कांडतरी पंचायत के पूर्व मुखिया पारसनाथ प्रसाद ने अपने पिता के ब्रह्मभोज के दिन जरूरतमंद लोगों के बीच 551 कंबल का वितरण कराया। ताकि ठंड में लोगों को राहत मिल सके। मौके पर विधायक रोशन लाल चौधरी, लोकसभा सांसद प्रतिनिधित्व सत्येंद्र नारायण सिंह, सांसद मनीष जायसवाल के पुत्र करण जायसवाल एवं उपस्थित अन्य दर्जनों विशिष्ट लोगों के हाथों कंबल वितरण करा कर पुण्य का कार्य किया गया। मौके पर पूर्व सांसद प्रतिनिधि भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ,पूर्व मंत्री योगेंद्र साहू ,पूर्व विधायक लोकनाथ महतो , उप प्रमुख वचन देव कुमार,पारसनाथ प्रसाद, लखन प्रसाद, भोला प्रसाद दांगी, कांग्रेस नेता विशेश्वर नाथ चौबे, सोहनलाल मेहता, राजनाथ कुमार, भवानी प्रसाद, सुरेंद्र प्रसाद, उपेंद्र प्रसाद, भीखन महतो, सबुर महतो के अलावा दर्जनों विशिष्ट लोग उपस्थित थे।

कोनरा पंचायत में 80 जरूरतमंदों के बीच बांटे गए कंबल

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत कोनरा पंचायत के पंचायत सचिवालय में सोमवार को कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान ठंड से बचाव को लेकर पंचायत के 80 जरूरतमंद परिवारों के बीच कंबल का वितरण किया गया कंबल का वितरण स्थानीय मुखिया यासमीन तबस्सुम एवं पंचायत सचिव ललिता कुमारी ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान मुखिया यासमीन तबस्सुम एवं पंचायत सचिव ललिता कुमारी ने संयुक्त रूप से कहा कि सरकार की मंशा है कि कड़ाके की ठंड में कोई भी व्यक्ति ठंड से परेशान ना रहे। इसी उद्देश्य से जरूरतमंद लोगों तक कंबल पहुंचाए जा रहे है। कंबल पाकर लाभुकों ने खुशी जताई और सरकार तथा मुखिया के प्रति आभार व्यक्त किया।

सदर विधानसभा से शुरू की "सांसद आपके द्वार" कार्यक्रम 10 गांवों की दहलीज पर पहुंचे सांसद तो उमड़ा जनसैलाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सोमवार को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने वर्ष 2026 के अपने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के कार्यक्रम की शुरूआत रामगढ़ में भाजपा के युवा नेता सह रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस द्वारा आयोजित 8 वां महाकाल महोत्सव में महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त करने के उपरांत हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के ओरिया पंचायत से "सांसद आपके द्वार" कार्यक्रम की विधिवत आगाज की। सोमवार को सांसद मनीष जायसवाल ने सांसद ₹आपके द्वार₹ कार्यक्रम के तहत सदर विधानसभा क्षेत्र के सदर प्रखंड स्थित चार पंचायतों के करीब एक दर्जन गांवों का दौरा किया और गांव की दहलीज पर जनसेवक की तहत चौपाल लगाकर जनता से सीधा संवाद किया। सांसद मनीष जायसवाल ने ओरिया, सखिया, गुरहेत और पौता पंचायत के ग्राम ओरिया, बीरबीर, सखिया, बेहरी, जुलजुल, बहरोनपुर, गुरहेत, धवैया, चोरहेता, रेवार और चंदवार में जन-संवाद किया। ₹सांसद आपके द्वार₹ कार्यक्रम के दौरान जनता ने सांसद मनीष जायसवाल से पिछले कुछ वर्षों से उपेक्षित बुनियादी सुविधाओं यथा सड़क, नाली, बिजली और श्मशान घाट के विकास व्यवस्था से जुड़ी गंभीर चिंताओं को साझा किया। साथ ही आवास, दाखिल-खारिज और जमीन को ऑनलाइन करने जैसी प्रशासनिक जटिलताओं और भ्रष्टाचार से सम्बंधित मामले भी प्रमुखता से उनके समक्ष रखे। इस क्षेत्र के लोगों ने सांसद मनीष जायसवाल को अपने बीच पाकर खुले दिल से उनका ढोल ताशे के साथ फुल माला पहनाकर जबरदस्त उत्साह के साथ स्वागत किया और उनके पिछले करीब 09 वर्षों के विधायकी कार्यकाल और अब पिछले करीब डेढ़ वर्षों से अधिक समय से बतौर सांसद क्षेत्र में उनकी निरंतर उपस्थिति और विकास के क्षेत्र के अभूतपूर्व योगदान की खूब सराहना की। सांसद मनीष जायसवाल ने जनता की ओर से रखें गए मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए कहा कि राज्य सरकार विकास के मामले में फिसड्डी साबित हो रही है, जिसके कारण आवश्यक योजनाएँ धरातल पर नहीं उतर पा रही हैं और प्रखंड-सह- अंचल कार्यालयों में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। उन्होंने जनता को उनके सभी मूलभूत और प्रशासनिक मुद्दों के शीघ्र एवं प्रभावी समाधान का दृढ़ भरोसा जताया।

संक्षिप्त खबरें

भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर की आचार्या सृष्टि लकड़ा के व्याख्याता बनने पर दी गई विदाई

बरही : भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर की आचार्या सृष्टि लकड़ा का स्नेह मिलन समारोह आयोजित कर भावभीनी विदाई दी गई। सुश्री सृष्टि लकड़ा जी विद्यालय में जीव विज्ञान विषय की अध्यापिका थी और अपने मृदुवाणी, ओजस्वी एवं पथ प्रदर्शक विचारों से भैया बहनों के बीच लोकिप्रय थीं। सृष्टि लकड़ा का चयन रांची विश्वविद्यालय के पीजी डिपार्टमेंट में जूलोजी विषय में व्याख्याता के पद पर हुआ है। सृष्टि लकड़ा को झारखण्ड के राज्यपाल से गोल्ड मेडल भी प्राप्त है।विद्यालय परिवार इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है। प्रधानाचार्य रजनीश कुमार पाण्डेय जी ने कहा कि दीदी जी के साथ बिताया हुआ समय अमूल्य है। सृष्टि जी अपने जीवन में सफलताओं की पराकाष्ठा को प्राप्त करें।

मनरेगा बचाओ पैदल मार्च में बरही के कांग्रेस कार्यकर्ता हुए शामिल

बरही : कांग्रेस के मोरहाबादी बापू वाटिका में आयोजित मनरेगा बचाओ पैदल मार्च में बरही के कई कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। रांची के मोराबादी बापू वाटिका से लोक भवन तक पैदल मार्च निकाला गया था। बरही विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अरुण साहू के नेतृत्व में बरही के प्रदर्शनकारियों ने केंद्र की विकसित भारत–जी राम जी बिल 2025 को ग्रामीण श्रमिकों के अधिकारों पर हमला बताते हुए जोरदार नारे लगाए। मार्च में कांग्रेस के प्रभारी के. राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, राष्ट्रीय सचिव प्रणव झा, मंत्री, विधायक और कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल थे। बरही से विरोध प्रदर्शन में ओबीसी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष दीपक गुप्ता, बरही प्रमुख मनोज रजक, जिला उपाध्यक्ष डॉ. निजामुद्दीन अंसारी, मीडिया हेड तौकीर रजा, प्रकाश राम, गुलजार अंसारी, संतोष रजवार, छोटी भुईंया, कार्तिक पासवान, मो. असलम, विनोद राम, प्रकाश विश्वकर्मा, संतोष कुशवाहा समेत अनेक कार्यकर्ता शामिल थे।

पलांडू के राजकुमार महतो बने प्रादेशिक सेना क्लर्क, गांव में हुआ भव्य स्वागत

बड़कागांव : प्रखंड के सुदूरवर्ती गांव पलांडू निवासी रामेश्वर महतो के पुत्र राजकुमार महतो का चयन प्रादेशिक सेना क्लर्क (टी ए) में हुआ है। जिसका एक वर्ष का प्रशिक्षण अवधि पूरा कर घर लौटने पर गणमान्य लोगों ने ढोल नगाड़े के साथ फूल माला और गुलदस्ता देकर स्वागत किया। स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से पिता रामेश्वर महतो, बड़े चाचा लगनु महतो, जयराम महतो, बड़े भाई रामु महतो, आजसू प्रखंड युवा मोर्चा अध्यक्ष सह समाजसेवी नारायण प्रसाद, आजसू केन्द्रीय सचिव सह समाजसेवी नागेश्वर तुरी, बिजय महतो, सुनिल राज, बबलु कुमार, राहुल करमाली, दिलीप कुमार, प्रकाश कुमार, किशोर कुमार, प्रितम कुमार, बबलु गंझू, लालचंद कुमार, कौलेश्वर महतो सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे। वहीं बधाई देने वालों में मुख्य रूप से विधायक रोशनलाल चौधरी, पूर्व विधायक अम्बा प्रसाद, पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, संदीप कुशवाहा, मुखिया गीता देवी, पूर्व मुखिया शुक्ला तुरी, एतवा तुरी, छटु गंझू , राजेन्द्र प्रसाद महतो , बालेश्वर महतो, नागेश्वर महतो,प्रदीप महतो,लिटिल एंजल्स स्कूल प्राचार्य अजय कुमार, शिक्षक ईश्वर कुमार महतो, सुबेदार करमाली, शतीश करमाली, शिक्षक गणेश दास, जागेश्वर प्रसाद, सेविका कौशल्या देवी सहिया उषा देवी, जलसहिया रेखा देवी,सोमर महतो, पारसनाथ महतो सहित दर्जनों लोगों का नाम शामिल हैं ।

समाजसेवी जूठन महतो के ब्रह्म भोज में विधायक व विशिष्ट हुए शामिल, दी श्रद्धांजलि

बड़कागांव : सोनपुरा गांव निवासी कांडतरी पंचायत के पूर्व मुखिया पारसनाथ प्रसाद के पिता समाजसेवी जूठन महतो के ब्रह्मभोज कार्यक्रम में कई विशिष्ट लोगों ने शिरकत किया एवं स्वर्गीय जूठन महतो की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक रोशन लाल चौधरी, लोकसभा सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, पूर्व मंत्री योगेंद्र साहू, पूर्व विधायक लोकनाथ महतो , सांसद मनीष जयसवाल के पुत्र करण जायसवाल, उप प्रमुख वचन देव कुमार ,मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार, जिला संवेदक संघ अध्यक्ष दीपक कुमार मेहता, केंद्रीय कुशवाहा समाज अध्यक्ष सोहनलाल मेहता, कांग्रेस नेता विशेश्वर नाथ चौबे, राजनाथ कुमार, भोला प्रसाद दांगी, भवानी प्रसाद दांगी, गीरेंद्र प्रसाद, सुरेंद्र प्रसाद, पंसस उपेंद्र प्रसाद, लखन प्रसाद दांगी, पूर्व पंसस बासमती देवी, पूर्व मुखिया भीखन महतो, सुधीर जायसवाल के अलावा अन्य सैकड़ो लोग शामिल थे।

एक नजर

विनय चौबे की जमानत याचिका पर हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

रांची : झारखंड में हजारीबाग जिले के उपायुक्त (डीसी) रहते हुए सेवायत भूमि की अवैध खरीद-बिक्री में कथित संलिप्तता के आरोप में जेल में बंद भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी विनय चौबे की जमानत याचिका पर सोमवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। यह मामला झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत में विचाराधीन है। विनय चौबे ने जिस मामले में जमानत की मांग की है, उसमें अगस्त माह में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस संबंध में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कांड संख्या 9/2025 दर्ज किया है। इससे पूर्व हजारीबाग एसीबी की विशेष अदालत ने 16 सितंबर को विनय चौबे की जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उन्होंने उच्च न्यायालय का रुख किया है। मामले में एसीबी की ओर से विनय चौबे के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। सुनवाई के दौरान एसीबी की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुमित गड़ोदिया ने पक्ष रखा, जबकि विनय चौबे की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एस. मजूमदार ने न्यायालय में बहस की।

झामुमो कार्यकर्ताओं व आंदोलनकारियों के हर सुख-दुख में साथ है : विनोद पांडेय

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा अपने कार्यकर्ताओं और आंदोलनकारियों के सुख-दुख में हमेशा उनके साथ खड़ी है और उनकी समस्याओं का समाधान पार्टी की पहली प्राथमिकता है। यह बातें सोमवार को झामुमो के महासचिव विनोद पांडेय ने कही। वह बुंडू से आए पार्टी कार्यकर्ताओं, आंदोलनकारियों और स्थानीय लोगों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पांडेय ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी ताकत उसके कार्यकर्ता होते हैं। संगठन की मजबूती और विस्तार में उनकी भूमिका अहम होती है। उन्होंने बुंडू क्षेत्र से आए कार्यकताओं के साथ संगठनात्मक स्थिति पर विस्तार से चर्चा की और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पार्टी के कैंप कार्यालय में अपनी विभिन्न समस्याओं और सुझावों से उन्हें अवगत कराया। मुलाकात के क्रम में आंदोलनकारियों और स्थानीय लोगों ने भी क्षेत्र से जुड़ी समस्याएं पांडेय के समक्ष रखीं। उन्होंने सभी की बातें गंभीरता से सुनीं और आश्वस्त किया कि उनकी मांगों और समस्याओं को सरकार तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनहित से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए ठोस पहल की जाएगी।

ओमनी वैन से युवक को कुचलने वाला आरोपी गिरफ्तार

रांची : जगरनाथपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रिलायंस जियो पेट्रोल पंप पर बीते 31 दिसंबर 2025 की रात एक मामूली विवाद में ओमनी वैन से एक युवक को कुचल दिया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी राकेश रंजन के निर्देश पर हटिया डीएसपी के नेतृत्व में गठित पुलिस की टीम ने इस घटना में शामिल ओमनी वैन के मालिक के बेटे, अली जोहेब को गिरफ्तार कर लिया है। तकनीकी अनुसंधान और प्राप्त सूचना के आधार आरोपी की गिरफ्तारी हुई है। रांची पुलिस ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस पूरे मामले का खुलासा किया। पूछताछ के दौरान, अली जोहेब ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है और घटना में शामिल ओमनी वैन के चालक और उसपर सवार अन्य व्यक्तियों के नाम भी बताए हैं। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मारुति वैन (रजि०नं०-JH01BT-9669) को जब्त कर लिया है।

झारखंड सशस्त्र पुलिस-1 का 146वां स्थापना दिवस परेड और मेले के साथ मना

जैप -1 की गौरवगाथा ऐतिहासिक और अनुशासन उच्च कोटि का : डीजीपी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सशस्त्र पुलिस-1 (जैप-1) ने सोमवार को अपने 146वें स्थापना दिवस के अवसर पर डोरंडा स्थित पुलिस परिसर में भव्य परेड और आनन्द मेला का आयोजन किया। इस अवसर पर राज्य की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा मुख्य अतिथि रहीं। समारोह की शुरूआत शहीद स्मारक पर माल्यार्पण से हुई, इसके बाद जैप-1 के पुलिसकर्मियों ने 4 प्लाटूनों की भागीदारी में परेड का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर डीजीपी ने वाहिनी की गौरवगाथा को ऐतिहासिक और अनुशासन को उच्च कोटि का बताया और कहा कि जैप-1 की प्रशंसा पर्याप्त नहीं है। परेड के दौरान बैण्ड डिस्पले, बच्चों का नेपाली नृत्य, खुकुरी ड्रील और सेवानिवृत्त कर्मियों के बीच टैंग ऑफ वार का आयोजन किया गया। परेड के बाद मुख्य अतिथि ने आनन्द मेला का उद्घाटन किया, जो 8 जनवरी तक चलेगा। मेले में कुल 95 स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें 14 कंपनियों की ओर से संस्कृति, खान-पान और व्यंजनों से संबंधित स्टॉल शामिल हैं। इसके अतिरिक्त कर्मियों के परिवारजन और बाहरी स्टॉल धारक भी अपने उत्पाद प्रदर्शित कर रहे हैं। रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) और जैप-1 समादेष्टा राकेश रंजन ने स्वागत भाषण में वाहिनी का परिचय देते हुए बताया कि यह भारत की सबसे प्राचीन वाहिनी है, जिसकी स्थापना जनवरी 1880 में न्यू रिजर्व फोर्स के रूप में हुई थी। इसके उत्कृष्ट और वीरतापूर्ण कार्यों के लिए भारत सरकार द्वारा इसे पूर्वी सितारा पदक से सम्मानित किया जा चुका है। झारखंड राज्य गठन के बाद जैप-1 के 13 पुलिसकर्मी उग्रवादी विरोधी कार्रवाई में शहीद हुए हैं। समारोह के अंत में समादेष्टा ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह प्रदान किया और पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) नूर गुस्तफा अंसारी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। मौके पर एडीजी अभियान टी. कांदासामी, एडीजी प्रिया दुबे, आईजी प्रभात कुमार, आईजी असीम विक्रांत मिंज, आईजी माइकलराज एस, अनुप बिरथरे, पटेल मयुर कनैयालाल और कार्तिक एस उपस्थित थे।

लापता भाई-बहन का पता बताने वाले को मिलेगा 51 हजार का पुरस्कार, पोस्टर जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र से लापता दो मासूम भाई-बहन अंश (5) और अंशिका (4) का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। बच्चों की तलाश तेज करने के लिए रांची पुलिस ने उनकी जानकारी देने वाले को 51 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस ने दोनों बच्चों की तस्वीरों और इनाम की घोषणा के साथ शहर के विभिन्न इलाकों में पोस्टर लगाए हैं। बताया गया है कि बच्चे 02 जनवरी की दोपसहर से रहस्यमय तरीके से लापता हैं। तीन दिन बीत जाने के बावजूद कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका है। बच्चों की मां नीतू देवी के अनुसार, अंश और अंशिका दोपहर करीब ढाई से तीन बजे के बीच घर से बिस्किट खरीदने निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। परिजनों के मुताबिक, बच्चों को आखिरी बार शालीमार बाजार

और शहीद मैदान के आसपास देखा गया था। जिस दुकान से वे बिस्किट खरीदते थे, वह बंद थी, संभवतः इसी कारण वे आगे बढ़ गए और रास्ता भटक गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, बच्चे मौसीबाड़ी स्थित खटाल क्षेत्र के निवासी हैं। परिवार हाल ही में बिहार के पटना से रांची आया था। परिजनों द्वारा काफी तलाश के बाद धुर्वा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके आधार पर अपहरण का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उपाधीक्षक पीके मिश्रा ने बताया कि बच्चों की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गई हैं और हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

पेसा नियमावली लागू होने से गांवों के परंपरागत नेतृत्व को मिला अधिकार : सुप्रियो भट्टाचार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा है कि हेमंत सोरेन सरकार द्वारा पेसा कानून 1996 की नियमावली लागू किए जाने से गांवों के मानकी, पाहान, मुंडा, मांझी और महतो सशक्त हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी वजह से बालू-गिट्टी के सुनियोजित माफिया तंत्र और उनसे जुड़े भारतीय जनता पार्टी के लोग बेचैन हैं तथा पेसा कानून का विरोध कर रहे हैं। सोमवार को मोर्चा के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि दो बार आदिवासी मामलों के केंद्रीय मंत्री रहे अर्जुन मुंडा और उनके भाजपा सहयोगी आज पेसा पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि अपने लंबे कार्यकाल में उन्होंने इसे लागू करने के लिए कोई पहल नहीं की। उन्होंने कहा कि भाजपा की आलोचना पर किसी मानकी, मुंडा या पाहान ने प्रतिक्रिया नहीं दी, क्योंकि वे जानते हैं कि झामुमो सरकार ने ही उन्हें शोषण से मुक्ति दिलाई है। भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि पेसा कानून का विरोध करने वाले वही लोग हैं, जो गांवों में महाजनी प्रथा, वन उपज की लूट और बालू-गिट्टी के अवैध कारोबार के संरक्षक रहे हैं। उन्होंने कहा कि पेसा लागू होने से अब ग्राम सभा को अपनी नीतियां और राजस्व तय करने का अधिकार मिलेगा, जिससे इन तत्वों की आर्थिक रीढ़ टूटेगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में पहले ही पेसा कानून लागू किया जा चुका है, जबकि भाजपा के शासनकाल में न तो पेसा लागू हुआ और न ही आदिवासी हितों की रक्षा की गई। इसके विपरीत सीएनटी-एसपीटी कानूनों से छेड़छाड़ और पुलिस फायरिंग जैसी घटनाएं सामने आईं। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि अब वह दौर समाप्त हो गया है जब दबाव बनाकर माइनिंग लीज दी जाती थी या जंगलों की अंधाधुंध कटाई होती थी। अब ग्राम सभा तय करेगी कि खनन होगा या नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पेसा नियमावली में परंपरा और ग्राम सभा की सर्वोच्चता पूरी तरह सुरक्षित है और हेमंत सोरेन सरकार ने झारखंड को शोषण मुक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है।

ढाई आखर नेशनल लेटर राइटिंग कॉम्पिटिशन 2025-26 का आयोजन, आवेदन 31 जनवरी तक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : डाक विभाग, भारत सरकार की ओर से वर्ष 2025-26 के लिए ढाई आखर नेशनल लेवल लेटर राइटिंग कॉम्पिटिशन का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच हस्तलिखित पत्र लेखन की परंपरा को बढ़ावा देने और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखा गया है। इस संबंध में जीपीओ रांची के मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव संदीप महतो ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रांची पोस्टल डिवीजन की ओर से सभी सरकारी और निजी विद्यालयों से इस प्रतियोगिता में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की गई है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी प्रविष्टियां 31 जनवरी 2026 तक फिलैटेली ब्यूरो, रांची जीपीओ

में जमा करनी होंगी। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि इस वर्ष प्रतियोगिता की थीम लेट्टर टू माई रोल मॉडल रखी गई है। इसके तहत प्रतिभागियों को अपने आदर्श व्यक्तित्व को संबोधित करते हुए हस्तलिखित पत्र लिखना होगा। डाक विभाग के अनुसार, पत्र द चीफ पोस्टमास्टर जनरल, मेघदूत भवन, डोरंडा एचपीओ बिल्डिंग, डोरंडा, रांची-834001 के पते पर भेजे जाने हैं। प्रतियोगिता चार श्रेणियों में आयोजित की जाएगी। इसमें 18 वर्ष से कम और 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के प्रतिभागी शामिल होंगे। लेखन के लिए इनलैंड लेटर कार्ड (अधिकतम 500 शब्द) तथा एझफोर साइज पेपर (अधिकतम 1000 शब्द) निर्धारित किया गया है। प्रतियोगिता में चयनित विजेताओं को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आकर्षक नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। विजेताओं को अधिकतम 50,000 रुपये तक की पुरस्कार राशि के साथ प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे।

हिंदी साहित्य भारती की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में नववर्ष 2026 के उपलक्ष्य में सोमवार को हिंदी साहित्य भारती, झारखंड की ओर से आयोजित ऑनलाइन काव्य गोष्ठी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। झारखंड प्रभारी डॉ. अरुण कुमार सज्जन के मार्गदर्शन में आयोजित इस साहित्यिक आयोजन में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिष्ठित साहित्यकारों, कवियों एवं साहित्य प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। गोष्ठी के अवसर पर हिंदी साहित्य भारती, झारखंड के अध्यक्ष अजय राय ने सभी सहभागी कवियों, पदाधिकारियों एवं श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के साहित्यिक आयोजन हिंदी भाषा और साहित्य के संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे मंच साहित्यकारों को अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति का अवसर देने के साथ-साथ साहित्य को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों को निरंतर आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई। काव्य गोष्ठी के दौरान कवियों ने देश, समाज, संस्कृति, प्रेम, मानवीय संवेदना और नववर्ष के सकारात्मक संदेशों से ओतप्रोत रचनाओं का सशक्त पाठ किया। कविताओं ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया और कार्यक्रम को एक उच्च साहित्यिक स्तर प्रदान किया। ऑनलाइन माध्यम में आयोजित होने के बावजूद गोष्ठी में जीवंत रचनात्मक संवाद और साहित्यिक ऊर्जा स्पष्ट रूप से देखने को मिली। कार्यक्रम का सफल और प्रभावी संचालन सतेंद्र नारायण चौबे ने किया। काव्य पाठ करने वाले प्रमुख कवियों में अशोक कुमार शुक्ला, बलराम पाठक, अनुज कुमार पाठक, श्रीमती ममता सिंह, रामप्रवेश कुमार, निशांत पाठक एवं रीना शामिल रहीं। सभी कवियों की रचनाओं को श्रोताओं से भरपूर सराहना मिली।

कांग्रेस बताए कि वह विकसित भारत और भगवान राम से नफरत क्यों करती है : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कांग्रेस पार्टी द्वारा विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिये गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी जीरामजी) योजना के विरोध को लेकर हमला बोला है। मरांडी ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि यह योजना गरीब, जनजाति और पिछड़े वर्ग को रोजगार और गरिमा देने के उद्देश्य से लाई गई है, लेकिन कांग्रेस को गरीबों के हित की योजनाएं रास नहीं आतीं। उन्होंने कहा कि नई योजना के तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवार को अब सालाना 100 दिनों के बजाय 125 दिनों के रोजगार की गारंटी मिलेगी। साथ ही काम नहीं मिलने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ता का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को केवल उन्हीं योजनाओं से लगाव है, जिनमें लूट और भ्रष्टाचार की गुंजाइश हो। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कांग्रेस जिस मनरेगा की बात कर रही है, उस पर सबसे अधिक खर्च प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने किया है। उन्होंने बताया कि अब तक देश में मनरेगा पर 11.74 लाख करोड़ रुपये खर्च हुए हैं, जिनमें से 8.53 लाख करोड़ रुपये मोदी

सरकार के कार्यकाल में खर्च किए गए हैं। मरांडी ने कहा कि कांग्रेस जिस योजना के नाम बदलने पर हंगामा कर रही है, उसका नाम शुरू से महात्मा गांधी के नाम पर नहीं था। वर्ष 1980 में इंदिरा गांधी सरकार ने इसे राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम नाम दिया, बाद में राजीव गांधी सरकार ने जवाहर रोजगार योजना किया और डॉ. मनमोहन सिंह सरकार के दौरान 2004 में नरेगा तथा 2005 में मनरेगा नाम रखा गया। बाबूलाल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने ग्रामीण आवास योजना को इंदिरा आवास योजना और ग्रामीण विद्युतीकरण योजना को राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना नाम दिया। झारखंड में भी कांग्रेस समर्थित सरकार ने अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर चल रहे अटल क्लीनिक का नाम बदल दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकारें योजनाओं का नाम नेहरू-गांधी परिवार के नाम पर रखने में विश्वास करती रही हैं, जबकि मोदी सरकार का मंत्र है– नाम नहीं, काम बोले। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। 2005 के बाद ग्रामीण भारत में कनेक्टिविटी और आजीविका के स्वरूप में बदलाव आया है, ऐसे में पुराने ओपन-एंडेड मॉडल की जगह नई जरूरतों के अनुरूप योजना लाई गई है। उन्होंने दावा किया कि वीबी जीरामजी गारंटी योजना में रियल-टाइम डेटा अपलोड, मोबाइल मॉनिटरिंग, एआई आधारित फ्रॉड डिटेक्शन और साप्ताहिक मजदूरी भुगतान की व्यवस्था की गई है।

संक्षिप्त खबरें

ईएसआईसी द्वारा एसपीआरईई 2025 योजना की अवधि बढ़ाकर 31 जनवरी 2026 तक की गई

रांची : कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने एसपीआरईई-2025 (नियोक्ता एवं कर्मचारी पंजीकरण प्रोत्साहन योजना) के अंतर्गत पंजीकरण की अवधि को बढ़ाने की घोषणा की है। यह योजना अब 31 जनवरी 2026 तक प्रभावी रहेगी। इस अवधि विस्तार का उद्देश्य उन नियोक्ताओं एवं कर्मचारियों को अतिरिक्त अवसर प्रदान करना है, जो अब तक ईएसआई अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत नहीं हो सके हैं, ताकि उन्हें सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया जा सके और चिकित्सा एवं नकद लाभ सुनिश्चित किए जा सकें।
एसपीआरईई-2025 योजना के अंतर्गत पात्र नियोक्ता एक बार के विशेष अवसर के रूप में बिना किसी पूर्व अवधि की निरीक्षण प्रक्रिया अथवा मांग के, स्वयं एवं अपने कर्मचारियों का योजना की शर्तों के अधीन पंजीकरण कर सकते हैं। ईएसआईसी ने सभी पात्र एवं अपंजीकृत नियोक्ताओं और कर्मचारियों से अपील की है कि वे इस विस्तारित अवधि का लाभ उठाते हुए समय रहते ईएसआई पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण सुनिश्चित करें। एसपीआरईई-2025 योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी, पात्रता एवं पंजीकरण प्रक्रिया के लिए ईएसआईसी की आधिकारिक वेबसाइट देखने अथवा निकटतम ईएसआईसी कार्यालय से संपर्क करने का अनुरोध किया गया है।

सिल्ली में पांच दिवसीय केनरा बैंक पीओ प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ उद्घाटन

सिल्ली : सिल्ली स्थित केनरा बैंक द्वारा संचालित रुडसेट संस्थान सिल्ली में 5 दिवसीय केनरा बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर (पी ओ एस)प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एलडीएम अजीत कुमार (रांची) पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्रोफेसर समीत शर्मा, केनरा बैंक के अधिकारी रवि कुमार, सिल्ली केनरा बैंक शाखा प्रबंधक नेहा तिर्की, रुडसेट संस्थान के निदेशक संजीत कुमार तथा बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक भरत लाल ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड एवं बिहार राज्य के कुल 13 केनरा बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसरों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य नव-नियुक्त अधिकारियों को बैंकिंग कार्यप्रणाली, ग्रामीण विकास, उद्यमिता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से संबंधित व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना है। मुख्य अतिथि श्री अजीत कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम बैंक अधिकारियों को जमीनी स्तर की वास्तविकताओं को समझने में सहायक होते हैं और इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है। रुडसेट संस्थान के निदेशक संजीत कुमार ने कहा की रूडसेट संस्थान में केनरा बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर को प्रशिक्षण देने की क्या जरूरत पड़ी। क्यों कि सभी कर्मचारी को पता चले की रूडसेट संस्थान में बीपीएल कैंडीडेट के लिए कैसे कार्य किया जा रहा है,क्रेडिट लिंकेज बैंक को करवाना है इसी लिए आप को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जे एस एल पी एस के अधिकारी निशिकांत नीरज ने संदेश दिया कि एस एच जी समूह के महिलाओं बैंक से कैसे जोड़ना है कैसे खाता खुलवाना है। मौके पर रूडसेट संस्थान के वरिष्ट संकाय अनिल कुमार, दशरथ कुमार, महेश रूहीदास मुंडा, मंच संचालन जगदीश चंद्र महतो ने किया।

मौसीबाड़ी से अपहृत दोनों बच्चों का सुराग नहीं मिलने के विरोध में धरना 6 को

रांची : राजधानी रांची के धुर्वा के मौसीबाडी के मल्लारकोचा अवस्थित घर के पास से गायब हुए दो बच्चे अंश (5) और बच्ची आंशिका (4) की सकुशल वापसी नहीं करने के विरोध में मंगलवार को धुर्वा के शहीद शेख भिखारी चौक (शहीद मैदान) के पास धरना दिया जाएगा। यह निर्णय सोमवार को जगरनाथपुर स्थित मौसीबाड़ी खटाल में यादव समाज, बस्ती और स्थानीय एवं सामाजिक संगठनों की बैठक में लिया गया। बैठक में राजद नेता कैलाश यादव ने एसएसपी राकेश रंजन से फोन से बात कर दोनों बच्चों के सकुशल वापसी की गुहार लगाई। उन्होंने मौके पर प्रशासन पर लापरवाही बरतने का भी आरोप लगाया। कैलाश ने कहा कि यदि इन गरीब बच्चों की जगह किसी उद्योगपति या वीवीआइपी परिवार के बच्चा गुम होता तो उसकी खोज में शासन और प्रशासन के सभी तंत्र को लगा दिया जाता। लेकिन गोपालक गरीब सुनील यादव के दोनों बच्चे 3 दिनों से लापता हैं बावजूद इसके प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठी है। मौके पर गौरीशंकर यादव, मिंटू पासवान, किशन राम, परमेश्वर सिंह, नंदन यादव, बबन यादव, संजीत यादव, सुनील यादव, मनीष कुमार, उमेश यादव, राहुल यादव, अजय राय सहित सैकडों लोग मौजूद थे।

हिताया वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा कम्बल वितरण 400 से अधिक जरूरतमंद को दिया गया कम्बल

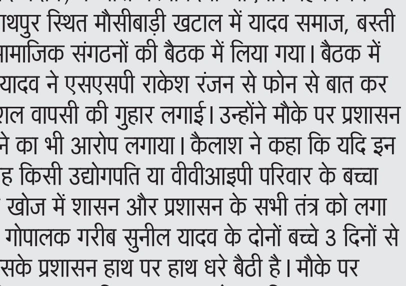

रांची : सामाजिक दायित्व एवं जनकल्याण की भावना के तहत हिताया वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा सोमवार को ओरमांझी प्रखंड के पंचायत चंद्रा मधुकमा एवं सदमा पंचायत क्षेत्र के 400 से अधिक जरूरतमंद परिवारों के बीच कम्बल और मौजा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कड़ाके की ठंड के बीच आयोजित इस कार्यक्रम से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली। यह कार्यक्रम हिताया वेलफेयर फाउंडेशन के निदेशक कुमार आयुष के द्वारा श्रीश मैन्युफैक्चररी प्राइवेट लिमिटेड के प्रांगण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राइडर ग्रुप के अध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा थे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में मुखिया चंद्रा सिमा तिर्की, ग्राम प्रधान रंजीत पाहन, रमेश चन्द्र उरांव, सरना समिति ओरमांझी प्रखंड के अध्यक्ष बाबूलाल महली उपस्थित रहे। हिताया वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष कुमार आयुष ने बताया की कम्बल वितरण कार्यक्रम के दौरान लगभग 400 कम्बल और मौजा जरूरतमंद परिवारों के बीच वितरित किया गया। कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग व उपस्थिति देने वालों में विकाश श्रीवास्तव, अमन, आयुष राज, देवांश, अभिषेक, राजा राम सिंह, धर्मेंद्र सिंह, शाहिद अंसारी, इंद्रदेव सिंह, कमलेश करमाली, राहुल अंसारी, सिमा तिर्की, समीम अंसारी, सुषमा उरांव, राजेश उरांव, आरती देवी, चरकु उरांव, रवि उरांव आदि शामिल रहे। कम्बल प्राप्त करने वाले लाभुकों ने हिताया वेलफेयर फाउंडेशन के प्रति आभार जताया और कहा कि ठंड के इस मौसम में मिला यह सहयोग उनके लिए काफी सहायक सिद्ध होगा। संस्था की ओर से बताया गया कि भविष्य में भी इसी प्रकार जनहित से जुड़े कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

एक नजर

चंद्रवंशी विकास मंच कोडरमा की नई 36 सदस्यीय कमेटी गठित

कोडरमा : चंद्रवंशी विकास मंच कोडरमा की विस्तारित आम बैठक रविवार को राधा कृष्ण मिशन स्कूल पांडेडीह कोडरमा में मंच संरक्षक सदस्यों की उपस्थिति में मंच अध्यक्ष चंद्रवंशी दीपक कुमार नवीन की अध्यक्षता एवं सचिव महेश भारती के संचालन में संपन्न हुई। बैठक में सर्व प्रथम राधा कृष्ण मिशन स्कूल के निर्देशक देवेंद्र कुमार एवं स्कूली बच्चों के द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों एवं सदस्यों को चंदन तिलक लगाते हुए पुष्प भेंट कर स्वागत किया गया। वही बैठक में संरक्षक जय प्रकाश राम ने नव वर्ष की शुभकामना देते हुए कहा कि यह बैठक समाज को एकजुट करने का एक सशक्त साधन हो सकता है लेकिन आज लोग यह कहते दिखते है कि समाज हमको क्या दिया वह यह कभी नहीं सोचता कि हम समाज को क्या दिए। वही मंच संरक्षक प्रवीण चंद्रा-सहित सभी सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि पहले समाज फिर राजनीतिक पार्टी पहले हम समाज की मजबूती पर बात करेंगे समाज में किसी तरह की कोई दिक्कत होगी तो हम सब को मिलजुल कर समस्या का समाधान निकालना होगा। वहीं संरक्षक बिरेंद्र राम ने महिलाओं को संगठन से जोड़ने पर बल दिया।

सड़क दुर्घटना में मृतक चालक के परिवार को मिली आर्थिक सहायता

कोडरमा : झारखंड ड्राइवर एकता महासंघ जयनगर ने मानवीय पहल करते हुए पड़रिया नवादा गांव निवासी चालक शिवनाथ सिंह पिता महेश सिंह की सड़क दुर्घटना में हुई असामयिक मृत्यु के बाद उनके अत्यंत गरीब परिवार के समक्ष गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया था। इस कठिन समय में झारखंड ड्राइवर एकता महासंघ ने मानवीय पहल करते हुए मृतक की माता को आर्थिक सहायता स्वरूप 50,551/- की राशि प्रदान की। मौके पर जफरुद्दीन खान, कलीम अंसारी, राजेंद्र महतो, शहनवाज खान, गोविंद यादव, कपिल यादव और विकास सिंह उपस्थित थे। सभी ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और भरोसा दिलाया कि संगठन भविष्य में भी जरूरतमंद चालकों एवं उनके परिजनों के साथ खड़ा रहेगा। स्थानीय ग्रामीणों ने महासंघ की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे सहयोग से पीड़ित परिवार को संबल मिलता है और समाज में आपसी सहयोग की भावना मजबूत होती है।

जयनगर प्रखंड में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की हुई समीक्षा बैठक

कोडरमा : जयनगर प्रखंड विकास पदाधिकारी के समक्ष तितली प्रोजेक्ट के अंतर्गत आए जिला समन्वयक नितेश मोदी एवं ग्राउंड सुपरवाइजर टीम से शुभम कुमार के साथ प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति, जमीनी स्तर पर सेविकाओं को हो रही व्यावहारिक समस्याओं तथा लाभार्थियों तक समयबद्ध लाभ पहुँचाने से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की गई। बैठक के दौरान प्रखंड क्षेत्र में लंबित आवेदनों, दस्तावेजी त्रुटियों एवं तकनीकी समस्याओं की बारीकी से समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सभी लंबित आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि पात्र महिलाओं को योजना का लाभ बिना किसी विलंब के प्राप्त हो सके। साथ ही सेविकाओं को आ रही कठिनाइयों के समाधान हेतु आवश्यक समन्वय और सहयोग सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में महिला प्रवेशिका अनीता कुमारी, सांख्यिकी सहायक संतोष कुमार एवं आकांक्षी प्रखंड फेलो अशोक कुमार भी उपस्थित रहे। सभी ने आपसी समन्वय से कार्य करने और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना को प्रभावी ढंग से धरातल पर लागू करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

नगर पंचायत की समस्याओं को लेकर डोमचांच में भाजपा का धरना प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : डोमचांच नगर मंडल भाजपा के द्वारा आज एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन डोमचांच नगर कार्यालय के समक्ष नगर अध्यक्ष सुजीत कुमार के अध्यक्षता में किया गया। आज के इस कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिए। आज के कार्यक्रम में संयुक्त रूप से प्रदेश भाजपा के द्वारा जिला प्रभारी अशोक शर्मा, जिला अध्यक्ष अनूप जोशी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रवि मोदी, पूर्व जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह, जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रभाकर लाल रावत, पूर्व महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष संगीता सिन्हा ,पूर्व महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष कामिनी देवी, नवलशाही मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र यादव,डोमचांच ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुनील भारती , आईटी सेल कोडरमा से प्रेमांशु कुमार ने संबोधित किया। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के निदेर्शानुसार आज कार्यक्रम चुनाव दलीय आधार पर करने एवं ईवीएम से करने जैसे मुद्दों पर आज का कार्यक्रम किया गया परंतु डोमचांच नगर पंचायत के मौजूदा विकट स्थिति पर सभी वक्ताओं ने विशेष केंद्रित किया। जिला प्रभारी अशोक शर्मा ने किस प्रकार से अपने क्षेत्र में किए गए नगर पंचायत से अलग ग्राम पंचायत के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने कहा जब से यह झारखंड सरकार आई है और चुनाव की देरी सिर्फ एक भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। एक तरफ जहां डोमचांच नगर पंचायत सुविधाओं के अभाव में यहां के ग्रामीण पर अत्यधिक टैक्स वसूला जा रहा है वहीं दूसरी ओर इसकी भौगोलिक स्थिति का सही मूल्यांकन कर प्रदेश को सूचना करने की भी बात कहें। वहीं जिला अध्यक्ष अनूप जोशी जी ने डोमचांच नगर पंचायत के हर एक समस्या में नगर वासियों के साथ रहने का बात किए। डोमचांच नगर पंचायत मे जिस प्रकार से सुविधाओं का अभाव और सबसे ज्यादा होल्डिंग टैक्स देकर यहां के प्रशासन के द्वारा जनता पर अत्याचार किया जा रहा है इस बात का प्रमुखता से आगे तक पहुंचाने का काम करूंगा। वही नगर मंडल अध्यक्ष सुजीत कुमार ने भ्रष्टाचार ठेकेदार और प्रशासन की मिलीभगत जैसे मुद्दे को प्रमुखता से उठाया उन्होंने कहा पहले सुविधा दे उसके बाद जनता खुद इसके बदले में टैक्स देगी। साथ ही साथ नगर पंचायत कार्यालय को उन्होंने विशेष आग्रह किया कि जिस प्रकार से गरीब लोगों को टैक्स वसूली के नाम पर उनका अकाउंट फ्रीज किया जा रहा है यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वही कार्यक्रम का संचालन जिला आईटी सेल के अभियंता व पेड़ मित्र प्रेमांशु कुमार ने किया। मौके पर मुख्य रूप से परमेश्वर यादव, अखिल सिन्हा, महेंद्र यादव, बसंत मेहता, सुनील कुमार बड़गवे महामंत्री नीलकंठ मेहता, संजय मेहता, अमरदीप कुमार, सुरेश विश्वकर्मा, उमेश वर्णवाल, त्रिलोचन मेहता, विनय मोदी, वीरेंद्र, मनोज मेहता, प्रकाश मेहता, कुसुम देवी, प्रमिला देवी,कारू सिंह, रंजन गोस्वामी,रेहाना खातून, राकेश, महेंद्र, विक्की मेहता,दिलीप दास, रविन्द्र पाण्डेय के साथ सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे।

समाहरणालय परिसर में रक्तदान शिविर, उपायुक्त ने किया रक्तदान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : सोमवार को जिला स्वास्थ्य समिति, कोडरमा के सौजन्य से समाहरणालय, कोडरमा परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन उपायुक्त ऋतुराज, अपर समाहर्ता पूनम कुजूर एवं उपाधीक्षक डॉ. रंजीत द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।इस अवसर पर उपायुक्त ऋतुराज ने स्वयं रक्तदान कर लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक महान कार्य है, जिससे जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने जिले के पदाधिकारियों, कर्मियों एवं आम नागरिकों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। रक्तदान शिविर में जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया। शिविर के सफल आयोजन में स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मियों की सक्रिय भूमिका रही। जिला प्रशासन द्वारा इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

जिला परिषद अध्यक्ष और जिप सदस्य ने 25 लाख की योजनाओं का किया शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सतगावां : प्रखंड क्षेत्र में विकास की गति को तेज करते हुए सोमवार को जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव एवं क्षेत्रीय जिला परिषद सदस्य नीतू कुमारी के नेतृत्व में दो प्रमुख विकास योजनाओं का विधिवत शिलान्यास किया गया। दोनों अतिथियों ने संयुक्त रूप से शिलापट्ट का अनावरण फीता काटकर और नारियल फोड़कर योजनाओं की आधारशिला रखी। इन योजनाओं का हुआ शिलान्यासः 15वें वित्त अनाबद्ध निधि के अंतर्गत कुल 25 लाख रुपये से अधिक की लागत वाली निम्नलिखित योजनाओं का कार्य शुरू कराया गया। नरायडीह में नाली निमार्णः समलडीह पंचायत के ग्राम नरायडीह में मुख्य सड़क से सरकारी पाइन तक आरसीसी नाली का निर्माण किया जाएगा। इसकी प्राक्कलित राशि 14,96,970 रुपये है। टेहरो में गार्डवाल व सीढ़ी निमार्णः टेहरो पंचायत स्थित सकरी नदी के तट पर प्रसिद्ध महेश्वर नाथ मंदिर के पास गार्डवाल और सीढ़ी का निर्माण किया जाएगा। इसकी लागत 10,27,900 रुपये निर्धारित है। जनहित में विकास की प्रतिबद्धता शिलान्यास के दौरान जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव ने कहा कि इस दौरान उन्होंने लोगों से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर भी नजर रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनहित की योजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है और जहां भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, उन्हें पूरा किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना उनकी प्राथमिकता है।

कोडरमा में नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार (नालसा) के संरक्षण में झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान में चलाए जा रहे नशाखोरी के विरुद्ध नशा मुक्ति अभियान (डौन) कार्यक्रम के तहत आज पहले दिन सोमवार को व्यवहार न्यायालय परिसर से एक जागरूकता रैली निकाली गई। उल्लेखनीय है कि यह नशा मुक्ति अभियान 5 जनवरी 2026 से शुरू होकर 12 जनवरी 2026 तक चलेगा। इस जागरूकता रैली में व्यवहार न्यायालय कोडरमा के न्यायिक पदाधिकारी, पैनल अधिवक्ता, पारा लीगल वोलंटियर एवं न्यायालय कर्मियों ने भाग लिया। यह जागरूकता रैली में कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार रमाकान्त मिश्रा के नेतृत्व में निकाली गई जो व्यवहार न्यायालय से शुरू होकर कोडरमा बाजार के विभिन्न चौक चौराहों से होते हुए पुनः व्यवहार न्यायालय आकर समाप्त हुई। इस रैली में लोगों को जागरूक करने के लिए नशा मुक्ति का सन्देश देते हुए लोगो को जागरूक किया गया। इसके माध्यम से आमजन को नशा से दूर रहने और स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश दिया गया। इस दौरान न्यायिक पदाधिकारियों, पैनल अधिवक्ताओ, पारा लीगल वोलंटियर्स ने हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर नशा के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को सचेत किया। इस मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार रमाकान्त मिश्रा ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज को भी कमजोर करता है। न्यायिक पदाधिकारियों ने आम नागरिकों, विशेषकर युवाओं से अपील की कि वे नशा जैसी बुराइयों से दूर रहें और अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम बढ़ाएं।

ठंड में दिव्यांगों को राहत, नीतू कुमारी ने किया कंबल वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : सतगावां प्रखंड अंतर्गत ब्लॉक मैदान में सामाजिक सरोकार का एक सराहनीय कार्य किया गया जिसमें जिला परिषद सदस्य नीतू कुमारी के नेतृत्व में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के असहाय और दिव्यांग लोगों के बीच गर्म कंबल बांटा किया गया। कार्यक्रम के दौरान नीतू कुमारी ने स्वयं अपने हाथों से दर्जनों दिव्यांगों को कंबल ओढ़ाए। उन्होंने कहा कि बढ़ती ठंड में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों की मदद करना ही सबसे बड़ी सेवा है। दिव्यांग जनों को ठंड से बचाना और उन्हें यह अहसास दिलाना कि समाज उनके साथ है, इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है प्रखंड के विभिन्न गांवों से आए दिव्यांग एवं असहाय लोगों की सेवा करना। उन्होंने कहा है कि सक्षम लोगों को आगे आकर जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। कंबल पाकर दिव्यांगों के चेहरे खिल उठे। उपस्थित लोगों ने नीतू कुमारी के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा इस तरह की पहल से समाज के गरीब गुरबों तबके लोगों को जनप्रतिनिधियों के ऊपर विश्वास जगता है। मौके पर धनंजय यादव, रामबचन यादव, ऋतुराज यादव, सिकंदर यादव, एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

नगर निकाय चुनाव से भाग रही है सरकार : सुदर्शन भगत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : झारखंड में दो वर्षों से लंबित नगर निकाय चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। सिमडेगा में आयोजित धरना-प्रदर्शन में मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री सुदर्शन भगत ने हेमंत सोरेन सरकार पर लोकतंत्र की हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया। सुदर्शन भगत ने कहा कि राज्य में नगर निकाय चुनाव नहीं कराना सरकार की नीयत और नीति दोनों पर सवाल खड़े करता है। जनप्रतिनिधियों के बिना नगर निकाय अफसरशाही के भरोसे चल रहे हैं, जिससे भ्रष्टाचार चरम पर है और आम जनता बुनियादी सुविधाओं के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में रघुवर सरकार ने दलीय आधार पर ईवीएम से नगर निकाय चुनाव कराकर लोकतंत्र को मजबूत किया था, लेकिन आज हेमन्त सरकार चुनाव से डर रही है। न्यायालय के निर्देश पर ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद सरकार जानबूझकर चुनाव टाल रही है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों का खुला उल्लंघन है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी संभावित हार से भयभीत होकर नगर निकाय चुनाव को दलीय आधार पर नहीं कराना चाहती। ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से चुनाव कराने की साजिश रची जा रही है, ताकि भ्रष्टाचार और धांधली को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि देश डिजिटल युग में प्रवेश कर चुका है, वहीं झारखंड सरकार जनता को पिछड़े सिस्टम की ओर धकेल रही है। भाजपा नेताओं ने कहा कि नगर निकाय चुनाव नहीं होने के कारण राज्य को केंद्र सरकार से मिलने वाली करोड़ों रुपये की अनुदान राशि से भी वंचित होना पड़ रहा है, जिसका सीधा नुकसान जनता को उठाना पड़ रहा है। कार्यक्रम के अंत में भाजपा की ओर से महामहिम राज्यपाल झारखंड के नाम नगर परिषद को ज्ञापन देकर मांग की गई कि नगर निकाय चुनाव अविलंब, दलीय आधार पर और ईवीएम के माध्यम से कराए जाएं। भाजपा ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने लोकतंत्र का गला घोंटना बंद नहीं किया तो पार्टी सड़कों से लेकर सदन तक संघर्ष तेज करेगी।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रणव कुमार ने किया स्वागत। भाषण कार्यक्रम सह संयोजक मुकेश श्रीवास्तव ने किया मंच संचालन महामंत्री और कार्यक्रम के संयोजक दीपक पुरी ने किया धन्यवाद ज्ञापन संभु भगत ने किया। मौके पर श्रद्धानन्द बेसरा ओमप्रकाश साहु दुर्गविजय सिंहदेव रामविलास बड़ाईक संजय ठाकुर प्रणव कुमार राकेश रविकांत रवि गुप्ता तुलसी साहु माग्रेट बा अनुप केशरी हीरा राम उपेंद्र श्रीवास्तव अनिरुद्ध सिंह दीपनारायण दास घनश्याम केशरी ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम में अनूप प्रसाद रेणु पूरी सीखा अग्रवाल चंदन प्रसून कुलदीप मिश्रा, बिधा बड़ाईक, कृष्णा ठाकुर, महावीर बड़ाईक, संजय शर्मा, सुभाष महतो, सन्टू गुप्ता, करण सिंह, नवीन सिंह, सुरेंद्र प्रसाद, गजानंद बेसरा, मुकेश मिश्रा, अनूप साहू, गणेश रावत, घनश्याम सिंह सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

समाजसेवी दीपक लकड़ा का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

सिमडेगा : समाज सेवी सह कोनपाला पंचायत के पूर्व उपमुखिया दीपक लकड़ा का जन्मदिन सोमवार को कसडेगा स्थित मांझी ढाबा में बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सामाजिक, राजनीतिक एवं मीडिया जगत से जुड़े गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य अजय एक्का, बिपिन पंकज मिंज, कोचेडेगा मुखिया शिशिर टोप्पो सहित जिले के अनेक पत्रकार बंधु उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने दीपक लकड़ा को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके सामाजिक योगदान, जनसेवा एवं जनहित के कार्यों की सराहना की। अपने संबोधन में अतिथियों ने कहा कि दीपक लकड़ा हमेशा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के हक और अधिकार के लिए आवाज उठाते रहे हैं। उनके नेतृत्व एवं सेवा भावना से क्षेत्र के युवाओं को प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के अंत में केक काटकर जन्मदिन मनाया गया तथा सभी ने उनके स्वस्थ, दीघार्यु एवं उज्वल भविष्य की कामना की। आयोजन सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर केतुंगाधाम में स्थापना दिवस का होगा आयोजन

बानो: सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, केतुंगाधाम विद्यालय में आगामी 20 जनवरी को विद्यालय का स्थापना दिवस बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए विद्यालय में तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुकरा केरकेट्टा ने जानकारी देते हुए बताया कि स्थापना दिवस समारोह में क्षेत्र के कई वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित नेता, समाजसेवी एवं गणमान्य अतिथि शामिल होंगे, जिनके लिए औपचारिक रूप से निमंत्रण भेजा जा चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि यह कार्यक्रम विद्यालय परिसर में ही पूर्ण श्रद्धा, अनुशासन और भावपूर्ण वातावरण के साथ सम्पन्न किया जाएगा। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, प्रेरक उद्बोधन तथा विद्यार्थियों की प्रतिभा को दशार्ने वाले आयोजन शामिल होंगे। विद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राएँ इस विशेष अवसर को लेकर अत्यंत उत्साहित हैं।

अनीता देवी के एकादश में पहुंचे झामुमो जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय

कोडरमा : झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति कोडरमा के उपाध्यक्ष अशोक कुमार की भाभी अनीता देवी की बीते दिन पहले सतगांवा स्थित शिवपुर निवास स्थान पर आकस्मिक निधन हो गई थी। जिससे परिवार में एकाएक असहनीय दुख का पहाड़ खड़ा हो गया। गहरी शोक संवेदना प्रकट करते हुए आज जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय एकादश कार्यक्रम शामिल परिवार के लोगों को ढाढस बंधाया तथा पार्टी परिवार की और से हर संभव मदद का भरोसा दिया। संबंध में पूछे जाने पर जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय ने बताया कि आज हमारे कोडरमा झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति उपाध्यक्ष अशोक कुमार के भाभी अनीता देवी पति- मनोज सिंह की बीते कुछ दिन पहले निवास स्थान पर आकस्मिक निधन हो गया था, जिससे परिवार में गहरा दुख का बदला छा गया। इस विकेट घड़ी में मेरी परिवार के लोगों के साथ गहरी संवेदना है मैं ईश्वर से प्रार्थना करूंगा कि मनोज सिंह के पत्नी अनीता देवी को अपने चरणों में स्थान दें तथा इस दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। मौके पर उपाध्यक्ष अशोक सिंह, केंद्रीय समिति सदस्य बैजनाथ मेहता, प्रखंड अध्यक्ष गणेश राय, झामुमो झाझा विधान सभा के पूर्व प्रत्याशी अजीत यादव, पूर्व प्रखंड सचिव धर्मेन्द्र कुमार, डोमचांच नगर अध्यक्ष प्रदीप चौधरी, इम्तियाज अंसारी के अलावे दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मारपीट व जान से मारने की धमकी का आरोप, चंदवारा थाना में दिया आवेदन

कोडरमा : चंदवारा थाना क्षेत्र ग्राम आरा गारो थाना चंदवारा जिला कोडरमा निवासी खुशबू कुमारी पिता- संतोष कुमार यादव गांव के ही सूरज यादव पिता- तालों यादव ,राजेश यादव ,पिता- केवल यादव, प्रियांशु यादव, पिता- छोटू यादव तलो यादव पिता शुकर यादव समरी देवी पति तालु यादव सोनी देवी पति राजेश यादव के विरुद्ध चंदवारा थाना में आवेदन देकर अपने पति पुत्र व स्वयं पर मारपीट एवं जान करने का आरोप लगाया है वही आवेदन में कहा है कि 11 20,26 समय करीब 5:30 बजे शाम को मेरा पुत्र आर्यन कुमार यादव अपने साइकिल से बजरंगबली मंदिर के पास पीने का सप्लाई पानी भरकर लौटने के क्रम सूरज कुमार आदि के द्वारा चार चक्का वाहन संख्या जेएच 12स्र 7368 चकमा देते हुए जान मारने की नीयत से उक्त गाड़ी मेरे बेटे पर चढ़ाने का प्रयास किया इस दौरान वह किसी तरह से जान बचाकर भागा और भागते क्रम में सूरज के हाथ में रिवाल्वर देखा जिसकी जानकारी उन्होंने मेरे घर परिवार को दिया वही कुछ घंटे बाद पुनः सूरज यादव लगभग 7:00 बजे के आसपास मेरे घर पर हाथ में बलवर लेते हुए घर पर आया और गाली गलौज करने लगा उस वक्त मैं घर में अकेली थी मुझे घर में अकेली देख वह घर के अंदर घुसने का प्रयास किया किंतु दरवाजा बंद देख मारपीट करने लगे इस दौरान राजेश यादव के द्वारा मेरा गला दबाकर मंगलसूत्र छीनकर और मेरी लज्जा भंग करने का प्रयास किया जिसे देख आसपास के लोगों ने मेरी जान बचाने में सहयोग किया। इस दौरान में और मेरे परिवार गंभीर रूप से चोटिल हो चुके थे जिसे लेकर चंदवारा थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। इस संदर्भ में थाना प्रभारी के द्वारा बताया गया कि आवेदन संज्ञाम में आया है जांचों उपरांत कार्रवाई की जाएगी।

कोडरमा ने पलामू को 9 विकेट से हराया

कोडरमा : झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में खेले जा रहे इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट में सोमवार को गुमला में कोडरमा और पलामु के बीच मैच खेला गया। जिसमें कोडरमा ने अपने पहले मैच में 9 विकेट से पलामू को हराया। पलामू ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 42 ओवर में अपने सभी विकेट खोकर 177 रन बनाए। जिसमें ओमप्रकाश ने 35 रन, त्रिशांत ने 23 रन और सुमित ने 20 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी करते हुए कोडरमा की ओर से आकाश ने तीन विकेट, प्रियांशु ,पीयूष और पंकज ने दो - दो विकेट तथा सुधांशु ने एक विकेट लिए। जवाबी पारी खेलने उतरी कोडरमा की टीम 19 . 3 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर जीत दर्ज कर ली! कोडरमा की ओर से पीयूष सिंह ने 61 रन प्रियांशु ने 61 रन और साकिब ने 39 रन का योगदान दिया! पलामू की ओर से एकमात्र विकेट लेने वाले कुमार सवेस एकमात्र गेंदबाज रहे। बेहतर खेल के लिए कोडरमा के प्रियांशु को मैन ऑफ द मैच दिया गया। कोडरमा की जीत पर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी एवं खेल प्रेमियों के द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह को लेकर डीडीसी ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : जिला परिवहन विभाग, सरायकेला-खरसावां द्वारा 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 का आयोजन किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना तथा सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाना है। इसी क्रम में आज समाहरणालय परिसर, सरायकेला से उप विकास आयुक्त सुश्री रीना हांसदा द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जागरूकता रथ के माध्यम से जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा से संबंधित संदेशों का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आम नागरिकों से यातायात नियमों के प्रति संवेदनशील रहने तथा सुरक्षित व्यवहार को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने की अपील की। वहीं जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने अपने संबोधन में कहा कि विभागीय दिशा-निर्देशों के आलोक में तथा उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के दौरान जिले में विभिन्न जागरूकता एवं प्रवर्तन संबंधी गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत जागरूकता रथ एवं एलईडी वाहनों के माध्यम से ऑडियो-विजुअल प्रचार, सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटक, गीत-संगीत आधारित कार्यक्रम तथा सड़क सुरक्षा विषयक चित्रकला एवं रंगोली जैसी रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के अधिकांश मामलों में यातायात नियमों की अनदेखी प्रमुख कारण है, अतः नागरिकों में नियमों के प्रति स्वैच्छिक अनुपालन विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट का अनिवार्य प्रयोग, चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट के उपयोग, तेज गति से वाहन न चलाने, नशे की अवस्था में वाहन परिचालन से परहेज करने तथा नाबालिगों को वाहन चलाने की अनुमति न देने की अपील की। जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा समस्त सरायकेला-खरसावां जिले वासियों से अपील की गई है कि वे स्वयं सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करें तथा अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक करें, ताकि सुरक्षित ड्राइविंग को जीवनशैली का हिस्सा बनाते हुए दुर्घटनामुक्त जिले के संकल्प को साकार किया जा सके। मौके पर माननीय विधायक प्रतिनिधि, सरायकेला विधानसभा सानंद आचार्य, जिला आपूर्ति पदाधिकारी पुष्कर सिंह मुंडा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी निवेदिता नियति, सब-रजिस्ट्रार घासीराम पिंगुआ, पुलिस उपाधीक्षक प्रदीप उरांव, मोटरयान निरीक्षक, सरायकेला दिलीप कुमार एवं रवि प्रसाद सहित अन्य पदाधिकारी एवं विभागीय कर्मी उपस्थित रहे।

एक नजर

पटमदा प्रखंड में डालसा ने चलाया नशा मुक्ति अभियान सह रैली

पटमदा : पटमदा प्रखंड सभागार में एक कार्यक्रम के दौरान डालसा के सचिव के निर्देश पर नशा मुक्ति अभियान सह रैली कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पटमदा प्रखंड के सभी गांवों के ग्राम प्रधान उपस्थित में एक नशा मुक्त समाज बनाने के लिए जागरूकता सह रैली कार्यक्रम आयोजित कर अभियान को सफल बनाया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान अध्यक्ष बृंदावन दास,सचिव मृत्युंजय महतो, सुधीर टुडू,बगला किंकर मिश्रा,संदीप मिश्रा,विकास महतो,फूल चांद महतो, मुचिराम कुंभकार,परीक्षित महतो पी एल वी शिव शंकर महतो ,मिथिलेश तिवारी,नंदा रजक, लक्ष्मी कांत गोप सहित कई ग्राम प्रधान उपस्थित थे।

सिविल डिफेंस प्रशिक्षण अभियान, नागरिक सुरक्षा को मजबूत बनाने की दिशा में अहम पहल

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम जिले में नागरिकों की सुरक्षा और आपदा प्रबंधन को मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल की जा रही है। सिविल डिफेंस के तहत बड़ी संख्या में नए स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। गृह मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश पर झारखंड के पांच जिलों—पूर्वी सिंहभूम, बोकारो, रांची, गोड्डा और साहेबगंज—में कुल 2160 सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इनमें पूर्वी सिंहभूम जिले के स्वयंसेवक भी शामिल होंगे। प्रशिक्षण अवधि के दौरान चयनित स्वयंसेवकों को मानदेय प्रदान किया जाएगा। सिविल डिफेंस अधिकारियों के अनुसार पूर्वी सिंहभूम एक प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र है, जहाँ गैस पाइपलाइन, हाई वोल्टेज लाइन, ऊँची इमारतें, नदियाँ और डैम मौजूद हैं। ऐसे में दुर्घटनाओं और आपदाओं की संभावना बनी रहती है। प्रशिक्षित स्वयंसेवक आपात स्थिति में जान–माल की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाएंगे। सिविल डिफेंस एक स्वैच्छिक सेवा है, जिसमें 18 से 45 वर्ष आयु के स्वस्थ, अपराध मुक्त भारतीय नागरिक आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी सिविल डिफेंस कार्यालय, बिष्टुपुर, जमशेदपुर से संपर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कुल मिलाकर, यह पहल आपदा के समय जिले की तैयारियों को और मजबूत करेगी।

ट्रेन में छिनतई और चाकूबाजी मामले में एक आरोपित गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : टाटानगर रेलवे स्टेशन पर 1 जनवरी की रात यात्री पर चाकूबाजी करने के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि दूसरे आरोपित की तलाश पुलिस कर रही है। घटना उस समय हुई जब प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर खड़ी टाटा–खड़गपुर पैसेंजर ट्रेन के एक कोच में रायगढ़ निवासी संदीप कुमार मंडल से छिनतई का प्रयास किया गया। इस दौरान दो अज्ञात हमलावरों ने यात्री पर चाकू से हमला कर दिया। हमले से यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे इलाज के लिए तुरंत सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। रेल थाना टाटानगर में मामला दर्ज होने के बाद रेलवे पुलिस ने स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। फुटेज में दो संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान की गई। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई शुरू हुई। आरपीएफ उड़नदस्ता दल, आरपीएफ पोस्ट टाटानगर और जीआरपी टाटानगर की संयुक्त टीम ने रविवार रात स्टेशन परिसर से एक संदिग्ध को धर दबोचा।

जिला परिवहन विभाग ने शुरू किया सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के अंतर्गत जिला परिवहन विभाग, सरायकेला-खरसावाँ द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 05 जनवरी 2026 को सरायकेला प्रखंड अंतर्गत जागरूकता रथ के माध्यम से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान संचालित किया गया। जागरूकता रथ द्वारा सरायकेला प्रखंड के विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए आम नागरिकों को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। अभियान के दौरान पंपलेट वितरण के माध्यम से लोगों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, तेज गति से वाहन न चलाने, नशे की अवस्था में वाहन परिचालन से परहेज करने, मोबाइल फोन का प्रयोग न करने तथा नाबालिगों को वाहन चलाने की अनुमति न देने संबंधी संदेश दिए गए। अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार व्यवहार विकसित करना तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है। जिला परिवहन विभाग द्वारा नागरिकों से अपील की गई कि वे स्वयं यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करें।

6 लाख की ब्राउन शुगर के साथ चतरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पांच सप्लाई बॉय गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : चतरा पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने करीब 6 लाख रुपये मूल्य की ब्राउन शुगर के साथ पांच सप्लाई बॉय को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने एक 20 कार और पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बीते 04 जनवरी को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि तुड़ाग जंगल क्षेत्र में कार के माध्यम से ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप सुमन के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर पांच तस्करों को मौके से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से 31.19 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर, एक 20 कार और पांच मोबाइल फोन बरामद किए गए। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 6 लाख रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रूपेश कुमार दांगी, निरज कुमार यादव, प्रकाश कुमार दांगी, लक्ष्मण कुमार दांगी और राकेश कुमार दांगी के रूप में हुई है। सभी आरोपी चतरा जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के निवासी हैं। इस मामले में सदर थाना चतरा कांड संख्या 06/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। एसपी ने स्पष्ट किया कि जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में टुसू का पर गुड़ पीठा का विशेष महत्व, साप्ताहिक हाट बाजार गुलजार

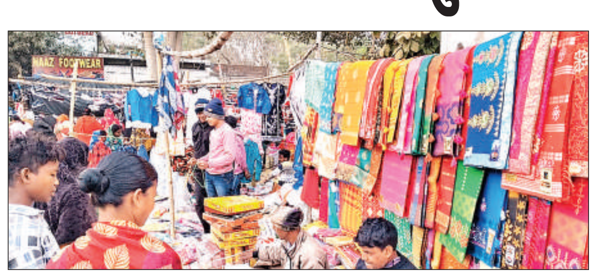

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : झारखंड राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों का संस्कृति और परंपरा से जुड़ा महत्वपूर्ण त्यौहार टुसू का ग्रामीणों को बेसबरी से इंतजार रहता है। मकर संक्रांति पर होने वाला टुसू पर्व काफी महत्वपूर्ण माना जाता हैं। इस त्यौहार को लेकर ग्रामीण क्षेत्र में काफी उल्लास रहता हैं। वही ग्रामीण क्षेत्र में लगने वाले साप्ताहिक हाट भी गुलजार दिखने लगे हैं।पटमदा बाजार में लगने वाला साप्ताहिक हाट भी त्यौहार से पहले काफी गुलजार रहा। पटमदा के साप्ताहिक हाट में कपड़े,जूते,मिट्टी के बने बर्तन,बांस के बने सामान से पर चुका है। त्यौहार के पहले मात्र एक ही हाट मिलेगा। जिस कारण इस बार के हाट से ही ग्रामीणों का बाजार करना शुरू हो गया हैं। ग्रामीण क्षेत्र के पटमदा के समाजसेवी पूर्ण सिंह बताते हैं कि मकर संक्रांति से शुरू होने वाला टुसू पर्व ग्रामीण क्षेत्र के लिए काफी महत्वपूर्ण त्यौहार हैं।कोल्हान के सभी गांवों में टुसू के अवसर पर मेला लगता हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मुर्गा लड़ाई में फाइटर मुर्गा रखने वाले प्रेमी अपने मुर्गा को क्षेत्र में लगने वाले मेला में लाकर लड़ाते है। जिसमें एक मुर्गा पाहुड़ होता हैं। जीतकर मुर्गा का मालिक पाहुड़ मुर्गा को साथ लेकर जाता हैं। वही बोड़ाम के निर्मल सिंह बताते हैं कि टुसू पर्व में मेला के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में सभी घरों में प्रत्येक परिवार के सदस्यों के लिए नए कपड़े आवश्यक होते है।सभी घरों में चावल के गुड़ी से बने गुड़ पीठा अन्य पकवान जरूर बनता हैं। कटिन के समाजसेवी सुदीप महतो ने बताया कि टुसू मेला का बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्र में विशेष महत्व होता हैं। पटमदा के सभी गांवों में मेला का आयोजन होता हैं।मेला में सभी के घरों में रिश्तेदार मेला के दिन अपने अपने कुटुम के घर में आकर मेला का आनंद उठाते हैं। सभी के घरों में मांगसो पीठा, गुड़ पीठा,के साथ मिट बनाना निश्चित है।सभी अपने परिवार के साथ इस त्यौहार को आनन्द पूर्वक मनाते हैं।उस त्यौहार में क्षेत्र में मकर संक्रांति के दिन से मकर नहाने के बाद महीने भर अलग अलग दिन में विभिन्न गांवों में प्राचीन समय से चल रहे मेला का आयोजन किया जाता हैं।

जरूरतमंदों को कड़ाके ठंड से कंबल से मिली राहत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : भारत बचाओ आंदोलन के बैनर तले जमशेदपुर के प्रसिद्ध समाजसेवी के के बिल्डर्स के संस्थापक स्व के के सिंह के याद में उर्मिला सिंह के सौजन्य से 40 कंबल तथा समाजसेवी प्रवीण जग्गी के सौजन्य से 25 कंबल समाज व परिवार से उपेक्षित, असहाय वृद्ध महिला -पुरुष को पटमदा प्रखण्ड के राखडीह गांव में वितरित किया गया । यूनिफॉर्म हाऊस के मालिक अरुण अरोड़ा के सौजन्य से 49 स्वेटर राखडीह गांव में ठंड से ठिठुरते हुए बच्चे - बच्चियों को दिया गया।खासकर यह भी ध्यान रखा गया कि शराबी को कंबल न मिलें। भारत बचाओ आंदोलन के प्रेरणा स्त्रोत राजीव भाई दीक्षित के अधुरे सपनों को पूरा करने में योगगुरु अरविन्द पूरी तन्मयता से लगें हुए हैं।इसी कड़ी में असहायों को कंबल वितरण भी शामिल हैं। राखडीह गांव के श्रीमंत मिश्रा ने नशामुक्ति को प्रोत्साहन और वृद्ध महिला पुरुष को चिन्हित करने की भूमिका निभाई। इस मौके पर बब्लू सिंह, संजय कुमार श्रीवास्तव, गुंजन भारती, श्रीमंत मिश्रा और योगगुरु अरविन्द मौजूद थे।

नीमडीह में सामुदायिक पुलिसिंग की मिसाल, सबर परिवारों के बीच कंबल वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

नीमडीह : सरायकेला-खरसावां जिला के नीमडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ेदा पंचायत के खड़िया बस्ती में सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम के तहत सबर परिवारों के बीच कंबल का वितरण किया गया। बढ़ती ठंड और शीतलहर को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा यह मानवीय पहल की गई, जिससे जरूरतमंद और असहाय परिवारों को राहत मिल सके। कार्यक्रम के दौरान पुलिस पदाधिकारियों ने सबर समुदाय के लोगों को कंबल प्रदान करते हुए उनके हालचाल की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सामुदायिक पुलिसिंग का उद्देश्य केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के साथ सहयोग और विश्वास का रिश्ता मजबूत करना भी है। ठंड के मौसम में गरीब परिवारों को हो रही परेशानियों को देखते हुए यह प्रयास किया गया है। कंबल वितरण के साथ-साथ पुलिस पदाधिकारियों ने ग्रामीणों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया। उन्होंने बताया कि शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन स्वास्थ्य के लिए घातक है और इससे पारिवारिक, सामाजिक व आर्थिक समस्याएं उत्पन्न होती हैं। नशे के कारण अपराध, घरेलू हिंसा और गरीबी जैसी समस्याएं बढ़ती हैं। पुलिस ने ग्रामीणों से नशा छोड़कर अपने परिवार और बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने की अपील की।इस अवसर पर ग्रामीणों को यह भी आश्वस्त किया गया कि किसी भी प्रकार की समस्या या आपात स्थिति में वे बेझिझक पुलिस से संपर्क कर सकते हैं। पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय और विश्वास स्थापित करने के उद्देश्य सामुदायिक पुलिसिंग को और अधिक मजबूत किया जाएगा। कंबल पाकर सबर परिवारों के चेहरों पर खुशी झलक उठी। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे ठंड के मौसम में उन्हें बड़ी राहत मिली है। कार्यक्रम के अंत में समाज में शांति, सद्भाव और नशामुक्त वातावरण बनाए रखने के लिए सभी से सहयोग की अपील की गई।

संक्षिप्त खबरें

बगोदर में गूंजेगा शहीदे आजम शेख भिखारी का नाम, शहादत दिवस की भव्य तैयारी

सरिया : ब्रिटिश गुलामी से देश को मुक्ति दिलाने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों अमर शहीद शेख भिखारी और टिकैत उमरांव सिंह की शहादत को भुलाया न जा सके, इसके लिए उनके शहादत दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया गया है। सोमवार को बगोदर स्टेडियम में आयोजित तैयारी समिति की महत्वपूर्ण बैठक में यह ऐतिहासिक फैसला लिया गया। बैठक में वक्ताओं ने भावुक अपील करते हुए कहा कि देश के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले इन जांबाज योद्धाओं को गुमनामी के अंधेरे में खोने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार से मांग की कि स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनी को स्कूलों व समाज में व्यापक रूप से प्रचारित किया जाए तथा राष्ट्र को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं। 8 जनवरी को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प शहीदों की शहादत दिवस को यादगार बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। समिति ने आम जनता से अपील की है कि बड़ी संख्या में शामिल होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाएं और शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करें। बैठक की अध्यक्षता नुरुल नबी सिद्दीकी ने की। इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी आसिफ अंसारी, सलीम अख्तर, शेख शाहिद, मुमताज अंसारी, अमजद खान, सिकंदर अली, फिरोज आलम सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।यह बैठक शहीदों की विरासत को जीवंत रखने और नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना जगाने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगी।

बड़ी पुलिस कार्रवाई: अवैध हथियारों के साथ कुख्यात बदमाश धराया, NH-33 पर मचा हड़कंप

जमशेदपुर : वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में चलाए जा रहे सघन वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मानगो थाना क्षेत्र अंतर्गत ठ्ल–33 पर की गई सघन जांच में पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ एक कुख्यात अपराधी को धर दबोचा, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार दिनांक 05 .01 .2026 को मानगो थाना कांड संख्या 02/2026 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से देशी पिस्टल, जिंदा कारतूस, धारदार हथियार और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। आरोपी की पहचान गुलाम खान उर्फ लन्नी के रूप में हुई है, जिसका आपराधिक इतिहास पहले से ही दर्ज है। बताया जाता है कि आरोपी NH–33 पर संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त था और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए उसे मौके पर ही दबोच लिया। तलाशी के दौरान हथियारों की बरामदगी होते ही पुलिस ने तत्काल उसे हिरासत में लेकर थाना ले आई। बरामद सामग्री में शामिल हैं एक देशी पिस्टल 9 एमएम का जिंदा कारतूस एक धारदार हथियार घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक गिरफ्तार अपराधी के खिलाफ पूर्व में भी गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में सक्रिय आपराधिक गिरोहों को बड़ा झटका लगा है। इस पूरी कार्रवाई में मानगो थाना पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही। अधिकारियों ने इसे जिले में अपराध नियंत्रण की दिशा में एक अहम उपलब्धि बताया है। पुलिस का कहना है कि आगे भी ऐसे अभियानों को और तेज किया जाएगा ताकि अपराधियों में भय और आम जनता में सुरक्षा का भरोसा बना रहे।

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, रामगढ़
राजकीय बुनियादी विद्यालय परिसर
गोला रोड़, रामगढ़ कैंट
ई मेल :–ssa_ramgarh@rediffmail.com
अति अल्पकालीन पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना (सत्र–2025–26)
(3rdcall)
रामगढ़ जिला के 04 कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, 02 झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय एवं 01 नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय, पतरातू के लिए वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु खाद्य पदार्थ, हरी सब्जी, मछली, चिकेन, दूध, पनीर, पोशाक एवं अन्य वस्त्र तथा स्टेशनरी इत्यादि सामग्री की आपूर्ति हेतु जिला में निबंधित इच्छुक संस्थानों/विक्रेताओं से मुहरबंद अल्पकालीन निविदा विद्यालयवार एवं पैकेजवार निविदा आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक निविदादाता जिला कार्यालय से निविदा प्रपत्र दिनांक 17.01.2026 तक (कार्यालय अवधि में) प्राप्त कर सकते हैं अथवा जिला के आधिकारिक वेबसाईट www.ramgarh.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है, ऐसी स्थिति में 1000/–(एक हजार रूपये) का बैंक ड्राफ्ट (निविदा की दर) Sarva Shiksha Abhiyan, Ramgarh के पक्ष में देय हो साथ में संलग्न करना अनिवार्य है। पैकेजवार निविदा जिला कार्यालय में दिनांक 19.01.2026 के अपराह्न 03:00 बजे तक भरकर जमा करना सुनिश्चित करेंगे। जिला स्तरीय क्रय समिति के द्वारा दिनांक 20.01.2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे झारखण्ड शिक्षा परियोजना, बुनियादी विद्यालय परिसर, गोला रोड़, रामगढ़ में निविदा खोलने की कार्रवाई की जायेगी।
जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
झारखण्ड शिक्षा परियोजना, रामगढ़।
PR 370007 District(25-26)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता, प्रमण्डल, सिमडेगा
अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं० – 08/2025–26 (प्रथम आमंत्रण)
1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड।
2. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, सिमडेगा।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय :– 16.01.2026 के अपराहन 3.00 बजे तक
4. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 17.01.2026 को 3.00 बजे अपराह्न तक।
5. निविदा खोलने की संभावित तिथि एवं समय :– 17.01.2026 के 4.00 बजे अपराह्न।
6. निविदा परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा का कार्यालय।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा का कार्यालय।

कार्य का नाम :– सिमडेगा जिला अंतर्गत विभिन्न आँगनबाड़ी केन्द्रों में वर्षा जल संचयन प्रणाली के निर्माण का कार्य, वित्तीय वर्ष 2025–26

क्र०	ग्रुप संख्या	प्रखण्ड का नाम	वर्षा जल संचयन निर्माण हेतु आँगनबाड़ी केन्द्र की संख्या	कुल प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य अवधि
1	I	बानो	42	17.49621	0.35000	0.05000	03 माह
		जलडेगा	30				
		कोलेबिरा	38				
2	II	बोलबा	15	14.79225	0.30000	0.02500	03 माह
		ठेठईटांगर	47				
		बांसजोर	11				
		केरसई	20				
3	III	कुरडेग	22	15.42848	0.31000	0.05000	03 माह
		पाकरटांड़	27				
		सिमडेगा	48				

नोट :– 1. संवेदक को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड अंतर्गत निबंधन अनिवार्य है।
2. परिमाण विपत्र का मूल्य भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक द्वारा ही स्वीकार किये जायेंगे। ड्राफ्ट कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा के पदनाम से प्रतिज्ञिप्त होना चाहिए एवं सिमडेगा शाखा में भुगतेय होना अनिवार्य है।
3. निविदा की नियम एवं शर्तें आदि कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
4. Technical Bid में Qualify होने के बाद ही Rate Bid खोला जायेगा।
कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा
PR 370049 Simdega (25-26)_D

यमुना बची तो दिल्ली भी बच जाएगी

विकास के नाम देश की राजधानी के विनाश के एक प्रयास पर उच्चतम न्यायालय ने अपने ही फैसले को पलटकर रोक लगा दी। इस फैसले से अब दिल्ली को कुछ हरा-भरा रखने में अपनी भूमिका निभाने वाली अरावली पर्वतमाला के खनन पर पूरी तरह से रोक लगी रहेगी। दिल्ली के पास अपना कुछ भी नहीं है। पहाड़ों पर ठंडी बढ़ती है तो दिल्ली ठिठुरने लगती है और राजस्थान के रेगिस्तान तपते हैं तो दिल्ली तपती है। दिल्ली और एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) की आबादी भी अपनी नहीं है। देश भर से लोग रोजगार और कारोबार आदि के लिए दिल्ली आकर बसते रहे हैं। दिल्ली को प्रकृति ने तीन अनमोल तोहफे दिए, जिससे दिल्ली बार-बार राजधानी बनती रही। उसमें यमुना नदी और दिल्ली के असंख्य तालाब, नहर और बावड़ी इत्यादि को तो विकास के विनाशकारी मॉडल ने बर्बाद कर दिया। अगर भविष्य में भी अरावली पर्वतमाला न बच पाई को दिल्ली में प्रदूषण और जल संकट ही नहीं दिल्ली को उजड़ने से कोई रोक नहीं पाएगा। मौजूदा केन्द्र और दिल्ली की सरकार यमुना बचाने का संकल्प दुहराती रही है। इस दिशा में प्रयास तो दिख रहे हैं, सभी को नतीजों का इंतजार है। प्रसिद्ध पर्यावरणविद अनुपम मिश्र ने अपनी चर्चित पुस्तक-आज भी खरे हैं तालाब, के संदर्भ ग्रंथों के हवाले से बताया है कि दिल्ली के 1930 के दुर्लभ नक्शे में उस समय तालाब और कुओं की गिनती करीब 350 की संख्या छूती थी। उससे भी पहले यह संख्या हजार में थी। आज दिल्ली में गिनती के तालाब बचे हैं। दिल्ली में राज करने वाली सरकारें पुराने तालाबों, झीलों, बावड़ियों और नहरों इत्यादि को पुनर्जीवित करने का दिखावा सा करती है। यह इसलिए भी आसान नहीं लगता क्योंकि ज्यादातर तालाब, झील आदि पर अवैध कालोनियां बस चुकी हैं। यह सार्वजनिक तथ्य है कि दिल्ली महानगर अपनी जरूरत का केवल 15 फीसदी पानी अपने श्रोत से नहीं जुटा पाता। पानी के लिए पूरी तरह से गंगा और यमुना नदी पर दिल्ली निर्भर है। दिल्ली में 1993 में विधानसभा बनने के बाद बनी पहली भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना ने अनशन करके यमुना के पानी में राज्यों की तरह हिस्सा लिया था। गंगा नदी से तय पानी आ ही रहा है। यमुना जल समझौता होने के समय दिल्ली में पानी की मांग छह सौ एमजीडी (मिलियन गैलन रोजाना) थी। आज यह मांग करीब 1300 एमजीडी है। पानी की उपलब्धता करीब 800 एमजीडी है। यह भी तब जब काफी इलाकों में पानी की लाइन नहीं है और लोग टैंकरो से बड़ी कठिनाई से पानी ले पाते हैं। यमुना साफ करके दिल्ली का अपना जलाशय बनाना तो सपना है। यमुना को साफ करने के शुरूआती प्रयास में बड़े नालों को साफ करना और इंटरसेप्टर प्लान से जोड़ने का प्रयास हुआ। अब दिल्ली में खेती की जमीन केवल बाहरी दिल्ली यानी हरियाणा के सीमा से लगे गांवों में है। उन इलाकों में भी तेजी से अतिक्रमण हो रहा है। कांग्रेस सरकार में 56 किलोमीटर नजफगढ़ नाले को ढांसा से ककरौला तक तीस किलोमीटर ज्यादा गहरा करके उसमें बरसाती पानी इकट्ठा करने का प्रयास किया गया। यह नाला ढांसा से शुरू होकर वजीराबाद में यमुना में गिरता है। शुरूआती प्रयास से ढांसा के आसपास के आठ किलोमीटर इलाके में धान की फसल अच्छी हुई। इससे जुड़ने वाली तीन नहरें- पालम, मूंगेशपुर और छुटानी-भूपानी में पानी छोड़ने से 60 से70 गांवों को पानी दिया दया। अगर इसकी 10 फीट गहरी खुदाई हो जाए तो पूरे नजफगढ़ इलाके के सारे गांवों को पानी मिलने लगेगा। दिल्ली में सिंचाई के लिए शेरशाह सूरी ने अपने समय में पश्चिमी यमुना नहर बनवाई थी। उसी ने कृषि में राजस्व प्रणाली की शुरूआत की। उस नहर से दो उप नहर निकाली गई, जिनसे उत्तर पश्चिम दिल्ली में अलीपुर और कंझावला विकास खंड के 125 गांवों में सिंचाई होती थी। राजधानी का शहरीकरण होने के बाद सिंचाई का रकबा घटता गया। अब अलीपुर और कंझावला में ही करीब बीस गांवों में खेती होती है। दिल्ली 1911 में देश की राजधानी बनी। तब दिल्ली में 365 गांव थे। ढाका धीरपुर में जार्ज पंचम का दरबार लगा। वहीं दिल्ली को राजधानी बनाने की घोषणा हुई।

सूडोकु नवताल- 7666

★☆☆☆☆ सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7665 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

सोमनाथ : भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतिकरण

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सोमनाथ... ये शब्द सुनते ही हमारे मन और हृदय में गर्व और आस्था की भावना भर जाती है। भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात में, प्रभास पाटन नाम की जगह पर स्थित सोमनाथ भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतिकरण है। द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम में भारत के 12 ज्योतिलिंगों का उल्लेख है। ज्योतिलिंगों का वर्णन इस पंक्ति से शुरू होता है.."सौराष्ट्रे सोमनाथं च..." यानि ज्योतिलिंगों में सबसे पहले सोमनाथ का उल्लेख आता है। ये इस पवित्र धाम की सभ्यतागत और आध्यात्मिक महत्ता का प्रतीक है।

शास्त्रों में ये भी कहा गया है:

"सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।

लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत॥"

अर्थात, सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है। मन में जो भी पुण्य कामनाएं होती हैं, वो पूरी होती हैं और मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है।

दुर्भाग्यवश, यही सोमनाथ, जो करोड़ों लोगों की श्रद्धा और प्रार्थनाओं का केंद्र था, विदेशी आक्रमणकारियों का निशाना बना, जिनका उद्देश्य विध्वंस था।

वर्ष 2026 सोमनाथ मंदिर के लिए बहुत महत्व रखता है क्योंकि इस महान तीर्थ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। जनवरी 1026 में गजनी के महमूद ने इस मंदिर पर बड़ा आक्रमण किया था, इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। यह आक्रमण आस्था और सभ्यता के एक महान प्रतीक को नष्ट करने के उद्देश्य से किया गया एक हिंसक और बर्बर प्रयास था।

सोमनाथ हमला मानव इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में शामिल है। फिर भी, एक हजार वर्ष बाद आज भी यह मंदिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है। साल 1026 के बाद समय-समय पर इस मंदिर को उसके पूरे वैभव के साथ पुनःनिर्मित करने के प्रयास जारी रहे। मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका। संयोग से 2026 का यही वर्ष सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने का भी वर्ष है। 11 मई 1951 को इस मंदिर का पुनर्निर्माण सम्पन्न हुआ था। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में हुआ वो समारोह ऐतिहासिक था, जब मंदिर के द्वार दर्शनों के लिए खोले गए थे।

1026 में एक हजार वर्ष पहले सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण, वहां के लोगों के साथ की गई क्रूरता और विध्वंस का वर्णन अनेक ऐतिहासिक स्त्रोतों में विस्तार से मिलता है। जब इन्हें पढ़ा जाता है तो हृदय कांप उठता है। हर पंक्ति में क्रूरता के निशान मिलते हैं, ये ऐसा दुःख है जिसकी पीड़ा इतने समय बाद भी महसूस होती है।

हम कल्पना कर सकते हैं कि इसका उस दौर में भारत पर और लोगों के मनोबल पर कितना गहरा प्रभाव पड़ा होगा। सोमनाथ मंदिर का आध्यात्मिक महत्व बहुत ज्यादा था। ये बड़ी संख्या में लोगों को अपनी ओर खींचता था। ये एक ऐसे समाज की प्रेरणा था जिसकी आर्थिक क्षमता भी बहुत सशक्त थी। हमारे समुद्री व्यापारी और नाविक इसके वैभव की कथाएं दूर-दूर तक ले जाते थे।

सोमनाथ पर हमले और फिर गुलामी के लंबे कालखंड के बावजूद आज मैं पूरे विश्वास के साथ और गर्व से ये कहना चाहता हूं कि सोमनाथ की गाथा विध्वंस की कहानी नहीं है। ये पिछले 1000 साल से चली आ रही भारत माता की करोड़ों संतानों के स्वाभिमान की गाथा है, ये हम भारत के लोगों की अटूट आस्था की गाथा है। 1026 में शुरू हुई मध्यकालीन बर्बरता ने आगे चलकर दूसरों को भी बार-बार सोमनाथ पर आक्रमण करने के लिए प्रेरित किया। यह हमारे लोगों और हमारी संस्कृति को गुलाम बनाने का प्रयास था। लेकिन हर बार जब मंदिर पर आक्रमण हुआ, तब हमारे पास ऐसे महान पुरुष और महिलाएं भी थीं जिन्होंने उसकी रक्षा के लिए खड़े होकर सर्वोच्च बलिदान दिया। और हर बार, पीढ़ी दर पीढ़ी, हमारी महान सभ्यता के लोगों ने खुद को संभाला, मंदिर को फिर से खड़ा किया और उसे पुनः जीवंत किया।

महमूद गजनवी लूटकर चला गया, लेकिन सोमनाथ के प्रति हमारी भावना को हमसे छीन नहीं सका। सोमनाथ से जुड़ी हमारी आस्था, हमारा विश्वास और प्रबल हुआ। उसकी आत्मा लाखों श्रद्धालुओं की भीतर सांस लेती रही। साल 1026 के हजार साल बाद आज 2026 में भी सोमनाथ मंदिर दुनिया को संदेश दे रहा है, कि मिटाने की मानसिकता रखने वाले खत्म हो जाते हैं, जबकि सोमनाथ मंदिर आज हमारे विश्वास का मजबूत आधार बनकर खड़ा है। वो आज भी हमारी प्रेरणा का स्रोत है, वो आज भी हमारी शक्ति का पुंज है।

ये हमारा सौभाग्य है कि हमने उस धरती पर जीवन पाया है, जिसने देवी अहिल्याबाई होलकर जैसी महान विभूति को जन्म दिया। उन्होंने ये सुनिश्चित करने का पुण्य प्रयास किया कि श्रद्धालु सोमनाथ में पूजा कर सकें। 1890 के दशक में स्वामी विवेकानंद भी सोमनाथ आए थे, वो अनुभव उन्हें भीतर तक आंदोलित कर गया। 1897 में चेन्नई में दिए गए एक व्याख्यान के दौरान उन्होंने अपनी भावना व्यक्त की।

उन्होंने कहा, "दक्षिण भारत के प्राचीन मंदिर और गुजरात के सोमनाथ जैसे मंदिर आपको ज्ञान के अनगिनत पाठ सिखाएंगे। ये आपको किसी भी संख्या में पढ़ी गई पुस्तकों से अधिक हमारी सभ्यता की गहरी समझ देंगे।"

इन मंदिरों पर सैकड़ों आक्रमणों के निशान हैं, और सैकड़ों बार इनका पुनर्जागरण हुआ है। ये बार बार नष्ट किए गए, और हर बार अपने ही खंडहरों से फिर खड़े हुए। पहले की तरह सशक्त। पहले की तरह जीवंत। यही राष्ट्रीय मन है, यही राष्ट्रीय जीवन धारा है। इसका अनुसरण आपको गौरव से भर देता है। इसको छोड़ देने का मतलब है, मृत्यु। इससे अलग हो जाने पर विनाश ही होगा।

ये सर्वविदित है कि आजादी के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का पवित्र दायित्व सरदार वल्लभभाई पटेल के सक्षम हाथों में आया। उन्होंने आगे बढ़कर इस दायित्व के लिए कदम बढ़ाया। 1947 में दीवाली के समय उनकी सोमनाथ यात्रा हुई। उस यात्रा के अनुभव ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया, उसी समय उन्होंने घोषणा की कि यहीं सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण होगा। अंततः 11 मई 1951 को सोमनाथ में भव्य मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए।

उस अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद उपस्थित थे। महान सरदार साहब इस ऐतिहासिक दिन को देखने के लिए जीवित नहीं थे, लेकिन उनका सपना राष्ट्र के सामने साकार होकर भव्य रूप में उपस्थित था।

तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस घटना से अधिक उत्साहित नहीं थे। वो नहीं चाहते थे कि माननीय राष्ट्रपति और मंत्री इस समारोह का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि इस घटना से भारत की छवि खराब होगी। लेकिन राजेंद्र बाबू अडिग रहे, और फिर जो हुआ, उसने एक नया इतिहास रच दिया। सोमनाथ मंदिर का कोई भी उल्लेख के.एम. मुंशी जी के योगदानों को याद किए बिना अधूरा है। उन्होंने उस समय सरदार पटेल का प्रभावी रूप से समर्थन किया था। सोमनाथ पर उनका कार्य, विशेष रूप से उनकी पुस्तक 'सोमनाथ, द श्राइन इटरनल' अवश्य पढ़ी जानी चाहिए। जैसा कि मुंशी जी की पुस्तक के शीर्षक से स्पष्ट होता है, हम एक ऐसी सभ्यता हैं जो आत्मा और विचारों की अमरता में अटूट विश्वास रखती है। हम विश्वास करते हैं- नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः। सोमनाथ का भौतिक ढांचा नष्ट हो गया, लेकिन उसकी चेतना अमर रही।

इन्हीं विचारों ने हमें हर कालखंड में, हर परिस्थिति में फिर से उठ खड़े होने, मजबूत बनने और आगे बढ़ने का सामर्थ्य दिया है। इन्हीं मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। दुनिया भारत को आशा और विश्वास की दृष्टि से देख रही है। वो हमारे इनोवेटिव युवाओं में निवेश करना चाहती है। हमारी कला, हमारी संस्कृति, हमारा संगीत और हमारे अनेक पर्व आज वैश्विक पहचान बना रहे हैं। योग और आयुर्वेद जैसे विषय पूरी दुनिया में प्रभाव डाल रहे हैं। ये स्वस्थ जीवन को बढ़ावा दे रहे हैं। आज कई वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर देख रही है। अनादिकाल से सोमनाथ जीवन के हर क्षेत्र के लोगों को जोड़ता आया है। सदियों पहले जैन परंपरा के आदरणीय मुनि कलिकाल सर्वज्ञ हेमचंद्राचार्य यहां आए थे और कहा जाता है कि प्रार्थना के बाद उन्होंने कहा, "भवबीजाङ्कुरजनना रागाद्याः क्षयमुपगता यस्य।" अर्थात, उस परम तत्व को नमन जिसमें सांसारिक बंधनों के बीज नष्ट हो चुके हैं। जिसमें राग और सभी विकार शांत हो गए हैं।

आज भी दादा सोमनाथ के दर्शन से ऐसी ही अनुभूति होती है। मन में एक ठहराव आ जाता है, आत्मा को अंदर तक कुछ स्पर्श करता है, जो अलौकिक है, अव्यक्त है।

पेट्रो डॉलर के लिए ट्रंप की एक और सनकभरी कार्रवाई

डॉ. प्रभात ओझा

वेनेजुएला पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्रवाई को 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व' नाम दिया गया। हिन्दी में जो अर्थ निकलते हैं, उनमें किसी समस्या का पूर्ण रूप से समाधान निकलना अथवा 'पूर्ण संकल्प' भी शामिल हैं। यहां आमतौर पर दूसरा अर्थ लिया गया है। कहा जा रहा है कि अमेरिका ने जो तय किया था, उसने कर दिखाया। वैसे पहले अर्थ की व्याप्ति और अधिक है। यह किसी समस्या का समाधान कर लेने में व्यक्त किया जाता है। बहरहाल, दोनों ही अर्थ एक ही तरह के संकेत करते हैं। वैसे, प्रारम्भिक तौर पर तो यही लगता है कि यह अभी शुरूआत है, समाधान नहीं।

अमेरिका का यह कदम न सिर्फ वेनेजुएला के लिए, बल्कि शांति और लोकतंत्र के समर्थक देशों के खिलाफ जाने वाला है। ऐसा मानने के आधार भी हैं। सिर्फ इसलिए नहीं कि दुनिया के अधिकांश हिस्सों में इसे किसी देश की संप्रभुता पर हमले की तरह देखा गया है, बल्कि इसलिए भी कि स्वयं अमेरिका के अंदर भी इस पर विरोध के स्वर उभरे हैं। रॉबर्ट प्रीवोस्ट पीटर के पूर्व नाम वाले पोप लियो 14वें इस आसन पर आने वाले पहले अमेरिकी मूल के संत हैं। उन्होंने भी वेनेजुएला की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए इस देश की संप्रभुता सुनिश्चित किए जाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि संविधान, कानून, मानव और नागरिक कानूनों का सम्मान करते हुए आगे बढ़ा जाना चाहिए। इसी तरह की प्रतिक्रिया कई देशों ने भी दी है। हालांकि, भले यह सामान्य सा बयान लगता है, बहुत दूर तक जा सकता है। अमेरिका के अंदर ही न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान मामदानी की प्रतिक्रिया काबिल-ए-गौर है। उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को न्यूयॉर्क लाने की जानकारी देते हुए कहा कि उनकी गिरफ्तारी 'किसी संप्रभु राष्ट्र पर एकतरफा हमला' है। यह युद्ध का कृत्य है और संघीय तथा अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। लगता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर देश-विदेश की किसी प्रतिक्रिया का असर नहीं हो रहा है। अमेरिकी संविधान और परंपरा से मिले असीमित अधिकारों के तहत उन्होंने यह कार्रवाई की है। भविष्य तय करेगा कि अमरीकी संसद इस पर मुहर लगाती है अथवा नहीं। अभी एक बात साफ है कि अमेरिका के इस एक्शन से क्षेत्रीय असंतुलन को न सिर्फ बढ़ावा मिलेगा, वरन प्रतिगामी शक्तियों को एक और केंद्र मिल जाएगा। अनुभव यही बताते हैं। यहां तक कहा जा रहा है कि इसमें राष्ट्रपति ट्रंप के अपने व्यक्तिगत हित भी हैं। दुनिया जानती है कि वे राजनेता से पहले व्यवसायी भी हैं। ट्रंप के पीछे हथियार बनाने वाली कंपनियां मुस्तैदी के साथ खड़ी हैं। दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने इन कंपनियों को दुनिया भर में व्यवसाय करने में मदद ही की है। अशांत वेनेजुएला भी इसमें शामिल हो जाएगा।

व्यक्ति से अलग ट्रंप को राष्ट्रपति के तौर पर भी देखने से भी नहीं लगता कि अमेरिका को अथवा शेष विश्व को इस कार्रवाई से कोई फायदा मिलने वाला है। अनुभव यही हैं कि अफगानिस्तान से अमेरिका को वापस लौटना पड़ा। हजारों अमेरिका सैनिक मारे गये, करीब दो ट्रिलियन डॉलर स्वाह हो गये और परिणाम के तौर पर जिन तालीबानी को नष्ट करने के नाम पर अमेरिका घुसा था, वहां वे ही तालिबानी सत्ता में वापस आ गए। कथित रूप से अफगानिस्तान में लोकतंत्र मजबूत करने का दावा धूल-धूसरित हो गया। इराक में भी सद्दाम हुसैन को अपदस्थ करने और फांसी देने के बावजूद देश शांति के रास्ते पर नहीं आ सका। वहां से करीब 30 लाख लोग विस्थापित हुए और इराक पर आतंकवादी संगठनों का कब्जा हो गया। लीबिया में कर्नल गद्दाफी के साथ यही हुआ। उन्होंने अमेरिका अर्थव्यवस्था के साथ चलने से इनकार कर दिया था। उनकी हत्या कर दी गई। सीरिया में भी आतंकवादियों के सफाये के नाम पर अमेरिका की कार्रवाई की किरकिरी हुई। वहां जो अहमद अल शारा राष्ट्रपति बने, उन पर खुद अमेरिका ने इनाम घोषित किया था। अभी दो महीने पहले जब शारा अमेरिका यात्रा पर पहुंचे, उसके ठीक पहले अमेरिका प्रशासन ने उनका नाम आतंकवादियों की सूची से बाहर निकाला। गाजा का उदाहरण भी सामने है, जहां कई लाख लोग मारे गए और 21 लाख लोग बेघर बना दिये गए। और उधर, अमेरिका राष्ट्रपति इजराइल में नेतन्याहू के साथ दावत कर रहे थे। इन सभी उदाहरण में गौर से देखें, तो अमेरिका में इन देशों पर कार्रवाई के समय जो भी सत्तारूढ़ हो, कारण सिर्फ एक है। ये सभी तेल उत्पादक देश हैं अथवा किसी ना किसी रूप में उनसे जुड़े हैं और उन्होंने डॉलर की जगह दूसरी मुद्रा में व्यापार करना शुरू किया था। अमेरिका के हक में जिस पेट्रो डॉलर अर्थव्यवस्था की बात की जाती है, वह इससे प्रभावित हुई। इससे वह बौखला उठा।

करीब 303 अरब बैरल प्रमाणित तेल भंडार वाला वेनेजुएला उसे चीनी युआन में बेच रहा था, अमेरिका डॉलर में नहीं। वर्ष 2018 से उसने युआन के साथ यूरो और रूबल में तेल का भुगतान लेना शुरू कर दिया। उधर, 1974 में ही अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति हेनरी किसिंजर ने सऊदी अरब के साथ समझौता किया कि दुनिया भर में बिकने वाले तेल की कीमत अमेरिकी डॉलर में तय किया जाएगा। इस एक समझौते से दुनिया भर में डॉलर की मांग बढ़ गई। उसी के बाद 2000 में सद्दाम हुसैन के तेल को डॉलर की बजाय यूरो में बेचना अमरीका को नागवार गुजरा। 2003 में वहां आक्रमण हुआ। शासन बदला और फिर इराक का तेल डॉलर में बेचा जाने लगा। 2009 में लीबिया वाले गद्दाफी ने सोना आधारित अफ्रीकी मुद्रा 'गोल्ड दीनार' का प्रस्ताव रखा। हिलेरी क्लिंटन के लीक ई-मेल से स्पष्ट हुआ कि लीबिया में दखलंदाजी का कारण भी यही बना था। 2011 में लीबिया पर बमबारी और गद्दाफी की हत्या हुई। वहां अब बाजार पर कोई रोक नहीं है। गोल्ड दीनार का भी कोई नामलेवा नहीं है। अब वेनेजुएला के मादुरो भी यही कर रहे थे। वे ब्रिक्स में भी शामिल होना चाहते थे। स्पष्ट है कि पेट्रो डॉलर को चुनौती देने वाला किसी न किसी तरह से हटा दिया जाता है।

सच यह है कि वेनेजुएला भी इसी पेट्रो डॉलर आधारित व्यवसाय से अलग चलने लगा था। मादुरो के पूर्ववर्ती राष्ट्रपति शावेज के समय पृष्ठभूमि तब बनी, जब उन्होंने अपने यहां तेल उत्पादक कंपनियों का राष्ट्रीयकरण कर दिया था। इससे अमेरिका हित प्रभावित होना शुरू हो गया। मादुरो ने अगले कदम भी उठाए। इस पर उन्हें ड्रग माफियाओं का लीडर बताकर घेरना शुरू हुआ। अमेरिका ड्रग खपत वाला बड़ा केंद्र है। वहां की कंपनियां बाहर से कच्चा माल लाती हैं। अमेरिका के लिए वेनेजुएला से तेल लेना सहज नहीं रहा। उधर अफीम, कोकीन और हेरोइन जैसे मादक पदार्थ अमेरिका लाने वाली कंपनियां भी बेहाल थीं। वैसे वेनेजुएला पर ड्रग माफिया होने के आरोप इस तरह भी कमतर से लगते हैं कि वहां से इन पदार्थों का अमेरिका को सप्लाई उसकी जरूरत का सिर्फ ए फीसद आंका गया है। प्रश्न बना रहेगा कि वेनेजुएला के खिलाफ नार्को टेररिज्म के प्रमाण थे तो अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र संघ में क्यों नहीं रखा। वह खुद ही जज क्यों बन जाता है। बहरहाल, अमेरिका पूरी तरह से वेनेजुएला का शासन अपने हाथों में लेने जा रहा है। सबसे पहले नजर तेल पर है। आगे की राह उसके पिछले अनुभवों जैसी ही हो, तो कुछ अलग नहीं होगा। तब तक एक और देश बहुत तबाह हो चुका होगा।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

वैश्विक मंच पर भारतीय समुदाय की आर्थिक, सामाजिक और पेशेवर साख

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा साझा की गई 'इमिग्रेंट वेलफेयर रिसिपिएंट रेट्स' की सूची ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर भारतीय समुदाय की आर्थिक, सामाजिक और पेशेवर साख को उजागर कर दिया है। 120 देशों के नामों वाली इस सूची में भारत का नाम न होना बता रहा है कि दशकों की मेहनत, शिक्षा, अनुशासन और योगदान का ये सुखद परिणाम है। यह तथ्य आज हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है! यह दर्शाता है कि अमेरिका जैसे देश की अर्थव्यवस्था में भारतीय समुदाय बोझ नहीं है, वह यहाँ की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ है।

कहना होगा कि अमेरिका में भारतीय प्रवासियों की पहचान हमेशा मेहनती, शिक्षित और आत्मनिर्भर समुदाय के रूप में रही है। ट्रंप द्वारा जारी ये सूची भले ही राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, किंतु आज सभी के समक्ष एक अनकहा सत्य सामने रख देती है कि भारतीय समुदाय अमेरिका की सरकारी मदद पर निर्भर नहीं है। इसके उलट वे टैक्स देने वाले, नौकरियां पैदा करने वाले और नवाचार को आगे बढ़ाने वाले नागरिक हैं। जब पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और चीन जैसे देशों से आए प्रवासियों का बड़ा हिस्सा अमेरिकी वेलफेयर सिस्टम पर निर्भर दिखता है, तब भारत का इस सूची से बाहर होना भारतीय समाज की आर्थिक आत्मनिर्भरता और पेशेवर क्षमता का प्रमाण बन सामने आता है।

प्यू रिसर्च सेंटर के आंकड़े जो इस संदर्भ में सभी के सामने आए हैं, ये बताते हैं कि भारतीय-अमेरिकियों की औसत वार्षिक घरेलू आय लगभग 1,51,200 डॉलर है, जोकि अमेरिका के किसी भी अन्य जातीय या प्रवासी समूह से अधिक है। यह आंकड़ा उस मानसिकता को दशार्ता है जो शिक्षा, कौशल और दीर्घकालिक स्थिरता को प्राथमिकता देती है। भारतीय परिवारों में शिक्षा को सबसे बड़ा निवेश माना जाता है। यही कारण है कि भारतीय मूल के लोग अमेरिका में डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, प्रोफेसर, टेक लीडर और बड़ी-बड़ी कंपनियों के सीईओ के रूप में नजर आते हैं।

भारतीय समुदाय की यह आर्थिक सफलता अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर सीधा प्रभाव डालती है। उच्च आय का मतलब है अधिक टैक्स योगदान, अधिक उपभोग और अधिक निवेश। सिलिकॉन वैली से लेकर वॉल स्ट्रीट तक भारतीय पेशेवरों ने टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, फाइनेंस और स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई दिशा दी है। आज अमेरिका की कई बड़ी कंपनियों, चाहे वे टेक सेक्टर की हों या कंज्यूमर इंडस्ट्री, उनके शीर्ष पदों पर भारतीय मूल के लोग बैठे हैं। ये लोग यहाँ कंपनियों को मुनाफा दिलाते हैं, लाखों अमेरिकियों के लिए रोजगार भी पैदा करते हैं।

इसके विपरीत, ट्रंप की सूची में शामिल देशों के आंकड़े एक अलग तस्वीर पेश करते हैं। बांग्लादेश के करीब 54.8 प्रतिशत प्रवासी परिवारों का अमेरिकी वेलफेयर पर निर्भर होना, पाकिस्तान के 40.2 प्रतिशत और नेपाल के 34.8 प्रतिशत परिवारों का सरकारी सहायता लेना, चीन (32.9 प्रतिशत), इजरायल/फिलिस्तीन (25.9 प्रतिशत), यूक्रेन (42.7 प्रतिशत) और एशिया (कहीं और वगीर्कृत या निर्दिष्ट नहीं) के 38.8 प्रतिशत प्रवासियों को आज अमेरिकी सहायता मिल रही है। वस्तुतः यह सवाल खड़ा करता है कि आखिर इन समुदायों पर अमेरिकी खजाने का दबाव आखिर अधिक क्यों है!

इस अंतर का कारण जो सीधे तौर पर समझ आता है वो भारतीयों का वर्क कल्चर और सामाजिक मूल्य हैं। भारतीय प्रवासी आमतौर पर अमेरिका में पढ़ाई या उच्च कौशल वाली नौकरियों के जरिए प्रवेश करते हैं। वे शॉर्टकट या सिस्टम के दुरुपयोग के बजाय लंबी मेहनत में विश्वास रखते हैं। परिवार केंद्रित सोच, बचत की आदत और शिक्षा पर जोर उन्हें जल्दी आत्मनिर्भर बना देता है। यही वजह है कि भारतीय समुदाय में सरकारी सहायता लेने की जरूरत न्यूनतम रहती है।

यहां ध्यातव्य यह भी है कि डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से अवैध इमिग्रेशन और वेलफेयर सिस्टम के दुरुपयोग के खिलाफ बयान देते रहे हैं। ऐसे में भारत का नाम इस सूची में न होना एक तरह से यह संदेश देता है कि अगर कोई प्रवासी समुदाय अमेरिकी समाज में घुल-मिलकर योगदान दे रहा है तो वह भारतीय है। भले ही ट्रंप ने सीधे तौर पर भारतीयों की तारीफ न की हो किंतु आंकड़े खुद बोलते हैं। यह एक अनजानी प्रशंसा है जो खुलकर बता रही है कि अमेरिका में भारतीय 'लेने वाले' नहीं, बल्कि 'देने वाले' समुदाय के रूप में स्थापित हैं।

आज भारतीय-अमेरिकी समुदाय अमेरिका की कुल एशियाई आबादी का लगभग 21 प्रतिशत हिस्सा है और दूसरा सबसे बड़ा एशियाई समूह है। संख्या के साथ-साथ गुणवत्ता में भी यह समुदाय आगे है। रिसर्च, इनोवेशन, मेडिकल एडवांसमेंट और टेक्नोलॉजिकल ग्रोथ में भारतीयों का योगदान अमेरिकी अर्थव्यवस्था की गति को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। कोविड-19 जैसे वैश्विक संकट के दौरान भी भारतीय मूल के डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और हेल्थकेयर वर्कर्स ने फ्रंटलाइन पर रहकर अमेरिका को संभाला है।

वस्तुतः भारत का नाम ट्रंप की 'वेलफेयर लिस्ट' में न होना आज ये बता रहा है कि यहाँ भारतीय उस सॉफ्ट पावर का संकेत हैं जोकि सिर्फ अपने लिए नहीं बल्कि इस देश के लिए भी मूल्य जोड़ते हैं। इसलिए ही आज अमेरिका की अर्थव्यवस्था जिन मजबूत स्तंभों पर टिकी है, उनमें भारतीय समुदाय एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

दैनिक पंचांग

6 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

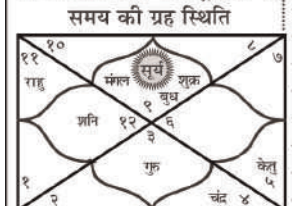

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.20 बजे से
चंद्र	कर्क में	कुंभ	09.07 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	10.40 बजे से
बुध	धनु में	मेष	12.10 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	13.50 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	15.48 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	18.02 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	20.18 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	22.30 बजे से
राहुकाल		तुला	00.40 बजे से
3.00 से 4.30		वृश्चिक	02.55 ब.से
बजे तक		धनु	05.11 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का छठा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ (दक्षिण भारत में पौष)
पक्ष कृष्ण
तिथि तृतीया 08.02 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 12.18 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 20.22 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 08.02 बजे तदनन्तर बव 19.22 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 16.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 22° 31'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872581
जूलियन दिन 2461046.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रज्जब **तारीख** 16
विशेष सकट चौथ, लम्बोदर संकष्टी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

उप विकास आयुक्त ने किया सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण

धनबाद : उप विकास आयुक्त (एलआरडीसी) सन्नी राज ने सोमवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की सभी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त ने प्रोटोकॉल के अनुसार बायो मेडिकल वेस्ट का निपटान करने, सभी वार्ड सहित पूरे अस्पताल परिसर की नियमित साफ सफाई करने, पर्याप्त संख्या में डस्टबिन रखने, मरीजों का रिकॉर्ड अच्छे से संधारण करने सहित अन्य दिशा निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने कुपोषण उपचार केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने एमटीसी वार्ड से डिस्चार्ज होने के एक महीने बाद पोषण सखी और महिला पर्यवेक्षिकाओं की ओर से गंभीर रूप से कुपोषित एवं मध्यम रुप से कुपोषित बच्चों की ठीक से ट्रैकिंग करने, हर बच्चे का फॉलो-अप रिपोर्ट सही फॉर्मेट में उपलब्ध कराने तथा डिस्प्ले बोर्ड पर सभी शिफ्ट के सभी डॉक्टरों की संपर्क जानकारी अपडेट रखने का निर्देश दिया।

शीतलहर के चलते आठ जनवरी तक सभी स्कूल रहेंगे बंद

खूंटी : राज्य में शीतलहर और भारी ठंड को देखते हुए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार ने राज्य में संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त, गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं निजी विद्यालयों में आठ जनवरी तक प्री-नर्सरी, नर्सरी से कक्षा 12वीं तक की सभी कक्षाएं स्थगित कर दी। हालांकि इस अवधि में सभी सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मियों को विद्यालय में उपस्थित रहकर गैर-शैक्षणिक कार्यों का निष्पादन करना होगा। यदि किसी विद्यालय में इस दौरान प्री-बोर्ड परीक्षा पूर्व से निर्धारित है, तो परीक्षा संचालन को लेकर संबंधित सक्षम प्राधिकार अपने विवेकानुसार निर्णय लेंगे। जिला प्रशासन की ओर से उपायुक्त आर रॉनिटा ने सोमवार को आदेश जारी कर शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। साथ ही उन्होंने आमजनों, अभिभावकों और विद्यार्थियों से अपील की है कि बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ठंड से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।

मेदिनीनगर से 4.3 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

पलामू : गांजा की तस्करी और खरीद बिक्री की सूचना पर मेदिनीनगर सदर थाना पुलिस की कार्रवाई में दो गांजा तस्करों को दो नंबर टाउन रेलवे ओवरब्रिज के समीप रेलवे कॉलोनी से गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से चार किलो तीन सौ ग्राम गांजा बरामद किया गया है। गांजा दो अलग-अलग पैकेट में पैक मिला। एक पैकेट में ढाई किलो, जबकि दूसरे में 1 किलो 800 ग्राम गांजा भरकर रखा गया था। गांजा को बिहार के सासाराम ले जाने की तैयारी थी। गिरफ्तार आरोपितों में नौडीहा थाना क्षेत्र के पिपराटांड़ के रहने वाले ऋषिकेश पांडे उर्फ सीपू पांडे और कृष्ण कुमार गुप्ता शामिल हैं। इस संबंध में एनडीपीएस सहित और धाराओं में मामला दर्ज कर दोनों तस्करों को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। शहर थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि नौडीहा इलाके से गांजा लेकर कुछ तस्कर स्टेशन पहुंच रहे हैं। कार्रवाई करते हुए दो संदिग्धों को दो नंबर टाउन रेलवे ओवरब्रिज के समीप रेलवे कॉलोनी से पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उनके पास से गांजा बरामद हुआ।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026: रामगढ़ में जागरूकता अभियान का हुआ शुभारंभ

उपायुक्त ने सड़क सुरक्षा वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अवसर पर सीख से सुरक्षा, तकनीक से परिवर्तन विषय के तहत 01 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक जिले में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को समाहरणालय परिसर में उपायुक्त, रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ अजय कुमार के साथ संयुक्त रूप से सड़क सुरक्षा जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर आमजनों को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करेंगे। इस अवसर पर सड़क सुरक्षा माह के तहत हस्ताक्षर अभियान का भी आयोजन किया गया, जिसमें उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक सहित उपस्थित पदाधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों ने सड़क सुरक्षा नियमों के पालन का संकल्प लिया। इसके अतिरिक्त उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा रंग-बिरंगे गुब्बारों को हवा में छोड़कर सड़क सुरक्षा का संदेश दिया गया और सभी से अपील की गई कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें एवं दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए जनजागरूकता अत्यंत आवश्यक है। हेलमेट, सीट बेल्ट का उपयोग, तेज गति से वाहन न चलाना तथा यातायात नियमों का पालन कर हम दुर्घटनाओं को काफी हद तक कम कर सकते हैं। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी सह जिला परिवहन पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, नजारत उप समाहर्ता, जिला स्तरीय पदाधिकारी, पुलिस विभाग के अधिकारी, परिवहन विभाग के प्रतिनिधि, कर्मचारी एवं अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

विधायक ने 2.86 करोड़ की विकास योजनाओं का किया शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : विधायक सरयू राय ने सोमवार को मानगो नगर निगम और जमशेदपुर अक्षेस क्षेत्र में 2 करोड़ 86 लाख रुपये से अधिक की लागत वाली विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। यह योजनाएं विधायक निधि और जिला योजना अनाबद्ध निधि के अंतर्गत क्रियान्वित की जा रही हैं। कार्यक्रम के तहत विधायक निधि से 2 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत वाली 38 योजनाओं का शिलान्यास किया गया, वहीं 26 लाख 32 हजार रुपये की लागत से पूर्ण हुई 4 योजनाओं का उद्घाटन किया गया। इसके अलावा जिला योजना अनाबद्ध निधि से 55 लाख 50 हजार रुपये की लागत से डिमना मध्य विद्यालय में 6 अतिरिक्त वर्ग कक्षों के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर सरयू राय ने कहा कि यदि एक बार में पूरी राशि उपलब्ध न हो तो योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से वर्षवार लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने नाला आधारित विकास योजना की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि यही वर्तमान समय की सबसे बड़ी मांग है। उन्होंने मानगो नगर निगम के उप नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि मानगो क्षेत्र को चार भागों में बांटकर विकास की विस्तृत योजना तैयार की जाए, ताकि पूरे क्षेत्र के विकास का स्पष्ट खाका बन सके। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र के सभी छोटे-बड़े नालों की मैपिंग होनी चाहिए और यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि कौन सा नाला किस बड़े नाले में मिल रहा है। इस तरह की वैज्ञानिक योजना से नालों में पानी के बहाव में कोई बाधा नहीं आएगी और बारिश के समय जलजमाव की समस्या से लोगों को राहत मिलेगी। इससे घरों और सड़कों में नाले का पानी घुसने की समस्या पर भी प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकेगा।

पतरातू-रामगढ़ फोरलेन पर तेज रफ्तार एसयूवी गड्ढे में पलटी, तीन घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : बासल थाना अंतर्गत पतरातू-रामगढ़ फोरलेन पर सोमवार को एक तेज रफ्तार एसयूवी अनियंत्रित होकर सड़क के बगल गड्ढे में जाकर पलट गई, जिससे एसयूवी सवार तीन वर्षीय बच्चा, एक युवक और एक किशोरी मामूली रूप से चोटिल हो गए, घटना दोपहर लगभग 12:30 बजे की बताई जाती है, बिहार के अरवल जिला निवासी प्रशांत कुमार कुर्था अपने किसी रिश्तेदार के घर भुरकुंडा आए हैं, सोमवार की सुबह वे परिवार के साथ स्कोडा कंपनी की एसयूवी (BR 02 BY 2375) पर पतरातू से घूमकर वापस भुरकुंडा जा रहे थे, गेगदा के सियारी टोला के निकट तीन वर्षीय बच्चा उल्टियां करने लगा, जिससे वाहन चलाते प्रशांत कुमार का ध्यान भटक गया और वाहन अनियंत्रित हो कर सड़क से उतरकर एक गड्ढे में जाकर पलट गया, बासल पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से वाहन पर सवार लोगों को बाहर निकाला, तीन वर्षीय बालक के सिर में चोट लगी है, जबकि एक युवक और एक किशोरी के चेहरे पर हल्की चोट लगी है, पुलिस ने जिंदल हॉस्पिटल में घायलों का प्राथमिक उपचार कराया, खबर लिखे जाने तक वाहन का उठाव नहीं हो सका है, इस घटना से पता चलता है कि सड़क पर वाहन चलाते समय ध्यान भटकने से कितना बड़ा हादसा हो सकता है, इसलिए, वाहन चलाते समय ध्यान रखना बहुत जरूरी है, घायलों की स्थिति - तीन वर्षीय बालक के सिर में चोट, एक युवक के चेहरे पर हल्की चोट, एक किशोरी के चेहरे पर हल्की चोट, पुलिस की कार्रवाई - बासल पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से वाहन पर सवार लोगों को बाहर निकाला, जिंदल हॉस्पिटल में घायलों का प्राथमिक उपचार कराया गया, वाहन का उठाव नहीं हो सका है, सावधानी - वाहन चलाते समय ध्यान रखना बहुत जरूरी है, सड़क पर वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें, वाहन चलाते समय ध्यान भटकने से बचें।

खनन प्रभावित युवाओं के लिए कंप्यूटर शिक्षा कार्यक्रम का हुआ उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गोड्डा : गोड्डा जिले के सुंदरपहाड़ी प्रखंड अंतर्गत जीतपुर कोल माइनिंग प्रभावित क्षेत्र में आज खनन से प्रभावित युवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से कंप्यूटर शिक्षा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम टेरी माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड, गोड्डा द्वारा अपने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत तथा भाव्या फाउंडेशन ट्रस्ट, गोड्डा के तकनीकी सहयोग से प्रारंभ किया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुखिया दीदी एवं ग्राम प्रधान द्वारा ग्रामीणों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय युवा, ग्रामीण एवं परियोजना से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस पहल का उद्देश्य खनन से प्रभावित क्षेत्र के युवाओं को कंप्यूटर की बुनियादी शिक्षा, डिजिटल साक्षरता एवं आवश्यक तकनीकी कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना तथा डिजिटल इंडिया की मुख्यधारा से जोड़ना है। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को भविष्य की शिक्षा एवं रोजगार से जुड़ी चुनौतियों के लिए तैयार किया जाएगा। यह कंप्यूटर शिक्षा कार्यक्रम क्षेत्र महाप्रबंधक रितेश कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में प्रारंभ किया गया है। उनके नेतृत्व में यह पहल शिक्षा, कौशल विकास एवं सामुदायिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर भाव्या फाउंडेशन ट्रस्ट के संयुक्त सचिव शैलेष कुमार जयसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम खनन प्रभावित युवाओं को एक नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि कंप्यूटर शिक्षा के माध्यम से युवाओं को बेहतर रोजगार अवसर प्राप्त होंगे और उनका सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण संभव हो सकेगा।

डांडीकला पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हजारीबाग अधीक्षक अंजनी अंजन के निर्देशानुसार डांडी कला थाना प्रभारी सुगुन मुर्मू के नेतृत्व में सोमवार को एंटी क्राइम के तहत वाहन चेकिंग अभियान चलाया। जिसमें दोपहिया व चार पहिया वाहन डिक्की व हेलमेट चेकिंग अभियान चलाई गई। वाहन चेकिंग चलने से वाहन चालकों में आचानक हड़कंप मची और वाहन चेकिंग से बचने के लिए वाहन चालक वाहन लेकर इधर-उधर रास्ते से निकलते व भागते हुए नजर आए। वहीं वाहन चेकिंग में लगभग 20 से ज्यादा मोटरसाइकिल को की जांच की गई। थाना प्रभारी सुगुन मुर्मू के द्वारा वाहन चालकों को आगे से हेलमेट पहन कर वाहन चलने को लेकर हिदायत देकर छोड़ दी गई।वाहन चेकिंग में मुख्य रूप थाना प्रभारी सुगुन मुर्मू एस आई चंद्र मोहन झा हवलदार सालों किसकू जगदीश गोपके अलावे पुलिस जवान के सशस्त्र बल शामिल थे।

सांसद मनीष जायसवाल की पहल पर भुरकुंडा में गरीबों के बीच किया गया कंबल का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : भुरकुंडा पंचायत भवन के प्रांगण में सोमवार को हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल की पहल पर सीसीएल के सीएसआर से उपलब्ध कंबल का वितरण किया गया। इस अवसर पर भुरकुंडा मंडल अध्यक्ष अजय पासवान ने कहा कि भाजपा सेवा की राजनीति करती है और हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के सहयोग से क्षेत्र में यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा। कार्यक्रम में भुरकुंडा सहित आसपास के सैंकड़ों गरीब और असहायों को कंबल प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन मंडल प्रतिनिधि सतीश मोहन मिश्रा और महेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर एनटीपीसी के सांसद प्रतिनिधि राधेश्याम अग्रवाल, सीसीएल क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि रंजीत पांडेय, जिला मंत्री संजीव कुमार बबला, जिला मंत्री लक्ष्मी देवी, जिला कोषाध्यक्ष अशोक कुमार सोनी, भाजपा ओबीसी मोर्चा उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय प्रभारी योगेश दांगी, युगल नायक, सांसद प्रतिनिधि भुरकुंडा राकेश सिन्हा, शंकर प्रसाद, राजन पांडेय, सुभाष दास, राजू मल्होत्रा, बिनु भगत, जर्नादन सिंह, बिनोद सिंह, विजय सिंह, मिंटू सोनी, अभिषेक मिश्रा, राजेश सोनी, भोला, कुमार, कवि दीप, मगना तिग्गा सहित अन्य मौजूद थे। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि गरीब और असहाय लोगों की सेवा करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि सीसीएल के सीएसआर से उपलब्ध कंबल का वितरण करना एक छोटा सा प्रयास है, लेकिन इससे गरीबों को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि वे आगे भी गरीबों की सेवा के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। भुरकुंडा मंडल अध्यक्ष अजय पासवान ने कहा कि भाजपा सेवा की राजनीति करती है और हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के सहयोग से क्षेत्र में यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि बढ़ती ठंड से क्षेत्र के अधिक-से-अधिक जरूरतमंदों को राहत दिलाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सांसद मनीष जायसवाल और भुरकुंडा मंडल अध्यक्ष अजय पासवान को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से उन्हें राहत मिली है और वे इसके लिए आभारी हैं।

संक्षिप्त खबरें

इच्छा पूर्ण प्राचीन हनुमान मंदिर में हरि कीर्तन की तैयारी जोरों पर, थाना प्रभारी ने किया निरीक्षण

भुरकुंडा: रामगढ़ भुरकुंडा बाजार स्थित इच्छा पूर्ण प्राचीन हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले अष्टयाम अखंड हरि कीर्तन को लेकर प्रशासन एवं आयोजन समिति पूरी तरह तैयार नजर आ रही है। स्टार कलाकार कुमार अर्जुन के भव्य अष्टयाम अखंड हरि कीर्तन में उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए भुरकुंडा थाना प्रभारी उपेंद्र गुप्ता ने मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी ने सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया तथा कार्यक्रम के शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर मैजिस्ट्रेट नियुक्त करने की भी बात कही। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और कानून व्यवस्था को देखते हुए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। इस अवसर पर कीर्तन समिति के अध्यक्ष पप्पू सिंह, मुख्य संरक्षक प्रदीप मांझी, विनय मिश्रा, अजय पासवान, सचिव बाबूलाल नायक, कोषाध्यक्ष योगेश दांगी, कार्यक्रम प्रभारी अभिषेक मिश्रा सहित कोर कमेटी के सदस्य राजेंद्र सिंह, राजेंद्र रोशन, सुनील यादव, ओम गुप्ता, पंकज खरवार, रवि गोस्वामी, बिल्लू अग्रवाल, दिनेश कुमार, पप्पू यादव, मिंटू कुमार सोनी एवं अशोक ठाकुर उपस्थित रहे। कीर्तन समिति के अध्यक्ष पप्पू सिंह ने बताया कि अष्टयाम अखंड हरि कीर्तन का आयोजन भगवान हनुमान की कृपा से किया जा रहा है, जिसमें स्टार कलाकार कुमार अर्जुन अपनी मधुर आवाज में भजन प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने बताया कि कीर्तन में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं, जिसमें भोजन, पेयजल, शौचालय आदि की व्यवस्था शामिल है। उन्होंने बताया कि कीर्तन का आयोजन 24 घंटे तक चलेगा, जिसमें श्रद्धालु भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना कर सकेंगे। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से कीर्तन में शामिल होने और भगवान हनुमान की कृपा प्राप्त करने का आग्रह किया।

नववर्ष के पहले सोमवार को महाकाल की महाआरती, लोगों की सुख-समृद्धि की कामना

रामगढ़: नववर्ष के पहले सोमवार को रामगढ़ जिला वासियों की सुख, समृद्धि और शांति के लिए महाकाल का पूजा किया गया। मेन रोड के सुभाष चौक के मां विघ्नहरणेश्वरी मंदिर परिसर में भगवान श्री महाकाल का भव्य दरबार सजाया गया। यहां, पुजारी संजयेंद्र गुरु ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सांसद प्रतिनिधि एवं फ्ररर के केंद्रीय अध्यक्ष धनंजय कुमार पुटूस सहित श्रद्धालुओं को पूजा कराई। पूजन, रुद्राभिषेक के बाद महाआरती की गई। इस महा आयोजन में हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने उपस्थित होकर महाकाल की पूजा की और लोकसभा वासियों के सुख समृद्धि की कामना की। इस महोत्सव में रामगढ़ जिला के कई प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी शामिल हुए। इस आयोजन में जिले के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता के अलावा काफी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। वहीं, गायकों के भजनों पर शिव भक्त झूमे। संघर्ष समिति के केंद्रीय अध्यक्ष धनंजय कुमार पुट्स ने कहा कि नववर्ष की शुरूआत महाकाल के साथ हो, और राष्ट्र, राज्य व रामगढ़ जिला की तरक्की और जिला वासियों की समृद्धि की कामना की गई है। उन्होंने कहा कि महाकाल की पूजा से हमें शक्ति और समृद्धि मिलती है, और हम सभी के लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने महाकाल की जयकार की और उनके प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस आयोजन को सफल बनाने में लगे सभी लोगों को धन्यवाद दिया गया। इस महोत्सव में शामिल होने वाले लोगों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं, जिसमें भोजन, पेयजल, शौचालय आदि की व्यवस्था शामिल थी। इस आयोजन को सफल बनाने में लगे सभी लोगों का सहयोग सराहनीय था।

ब्रह्म विद्या विहंगम योग ने किया साप्ताहिक सत्संग गोष्ठी का आयोजन

बरही : बरही हजारीबाग रोड शकुंतला पैलेस में ब्रह्म ।विद्या विहंगम योग द्वारा साप्ताहिक सत्संग गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता डॉ महेश मेहता एवं संचालन कृष्णा कुमार गुप्ता ने किया। जहां ॐ कार ध्वनि, स्वागत गान, मंगल गान एवं माल्यार्पण सामूहिक रूप से किया गया। जबकि उद्घोष सत्येंद्र कुमार सिंह, ज्ञान गुदडी पाठ कैलाश प्रसाद केशरी, स्वर्वेद पाठ सुनीता देवी एवं भजन समुंद्री देवी ने किया। मौके पर किशोर उर्फ सत्येंद्र सिंह, रविन्द्र सिंह, सुनीता देवी, कैलाश केशरी, कामेश्वर सिंह, भारती देवी, पूर्व उप प्रमुख प्रमोद गुप्ता कैलाशपति सिंह एवं अनमोल राणा समेत कई अन्य लोग मौजूद थे।

केरेडारी में तेज शीतलहरी से राहत के लिए अंचल अधिकारी ने अलाव की व्यवस्था की

हजारीबाग : केरेडारी प्रखंड अंचल अधिकारी रामरतन कुमार वर्णवाल के ओर से केरेडारी मैंन चौक में बढ़ती तेज शीतलहरी के कारण से कई समस्या उत्पन्न हो रहा है जैसे केरेडारी चौक पर आम राहगीरों और फुटपाथ दुकानदारों के लिए की गई अलाव की व्यवस्था। प्रति दिन शाम 5 बजे केरेडारी मैन चौक में अलाव का प्रबंध कर रहे हैं। अंचल अधिकारी रामरतन कुमार वर्णवाल ने लोगों से ठंड के मौसम में गर्म कपड़े पहनने, एवं बच्चों और बुजुर्गों पर विशेष ध्यान देने सहित तेज शीतलहरी से बचाव हेतु अन्य सावधानी बरतने की सलाह दी। कि ठंड तेजी से बढ़ गई है जिससे केरेडारी प्रखंड के विभिन्न गांवों के ग्रामीणों से मुझे अनुरोध है कि आप लोग ठंड से बचने के लिए सुबह और शाम के अलाव का प्रयोग जरूर करें और अपने बच्चों को अलाव जलाकर सिकाई करने के काम करें और सुबह शाम गर्म पानी करके पीना है इस सब का शरीर हमेशा गर्म रहेगा सर्दी और खांसी से आप बचेंगे क्योंकि शाम 4:00 बजे से ठंड का असर काफी तेजी होने लगता है जिससे आप लोग से नर्म निवेदन है कि जहां पर चौक चौराहा दिखाई देता है तो उसे स्थान में अलाव जलाकर कुछ लोगों को सामने रखकर सगाई करने में मदद करें जिससे लोगों को ठंड से बचेगा और लोग अस्पताल के हवाले नहीं होंगे ठंड से नहीं बचने के कारण से सर्दी जुकाम काफी प्रकार की बीमारियां हो जाती है जिससे अस्पताल के हवाले हो जाते हैं और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है आज दिनांक केरेडारी मैन चौक में अंचल अधिकारी रामरतन कुमार वर्णवाल के द्वारा अलाव जलाकर ठंड से बचने के लिए इकट्ठा किए हैं केरेडारी अंचल कार्यालय के तहत से प्रतिदिन अलाव का व्यवस्था में किया जा रहा है इससे कई ऐसे दुकानदारों एवं राज्यों को ठंड से बचने में सहयोग हो रहा है अंचला अधिकारी रामरतन कुमार वर्णवाल ने लगातार शाम 5:00 बजे प्रतिदिन केरेडारी में लकड़ी व्यवस्था करके केरेडारी अंचल कार्यालय के तहत से अलाव के व्यवस्था किया जा रहा है ग्रामीण काफी खुश है अंचल अधिकारी राम रतन कुमार वर्णवाल के कामों ग्रामीणों खुश हैं।

एक नजर

अनुमंडल अस्पताल में हुआ मासिक समीक्षात्मक बैठक

साहिबगंज: राजमहल प्रखंड में 5 जनवरी 2026 को उपाधीक्षक अनुमंडल अस्पताल राजमहल एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी उधवा डॉक्टर गुफरान आलम के संयुक्त अध्यक्षता में मासिक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। मासिक समीक्षात्मक बैठक में आगामी 7 जनवरी 2026 को राजमहल एवं 9 जनवरी 2026 को उधवा प्रखंड में लगने वाले प्रखंड स्वास्थ्य मेला हेतु आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए किसी भी कर्मी को कार्य में कोताही बरतने का निर्देश दिया गया ताकि जनमानस को सरकार द्वारा दिए जा रहे योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सके। साथ ही माह दिसंबर 2025 में किए गए कार्यों का आयुष्मान आरोग्य मंदिर वार समीक्षा की गई जिसमें यक्ष्मा फाइलेरिया मलेरिया कुष्ठ के साथ-साथ नियमित टीकाकरण पर विशेष जोर दिया गया। वहीं जिला से आए जिला वीबीडी सलाहकार शक्ति बाबू डबडा द्वारा आगामी 10 फरवरी 2026 से 25 फरवरी 2026 तक चलने वाले फलेरिया मुक्ति कार्यक्रम हेतु विशेष प्रशिक्षण का आयोजन भी किया गया। मौके पर प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक विकास फ्रांसिस खालको, प्रखंड डाटा प्रबंधक नितिन मुर्मू, प्रखंड लेखा प्रबंधक अमित कुमार, विश्व स्वास्थ्य संगठन के सुनील रंजन एवं अन्य उपस्थित रहे।

युवती के अपहरण मामले में दो लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज: राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत श्रीधर गांव से एक युवती के लापता होने के मामले में पुलिस ने रविवार को प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के अनुसार मामले को लेकर अपहृता की मां ने राधानगर थाना में लिखित आवेदन देकर अपनी बेटी के अपहरण का आरोप लगाया था। आवेदन में पीड़िता की मां ने बताया था कि उनकी पुत्री की शादी मालदा में तय की गई थी। इसी बीच नेपाल घोष उर्फ स्वरूप घोष द्वारा फोन कर धमकी दी गई कि बेटी की शादी किसी अन्य युवक से क्यों कराई जा रही है। इसके बाद परिजन लगातार आशंकित थे।वही 19 दिसंबर को करीब 11 बजे दिन में उनकी पुत्री घर से श्रीधर बाजार जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने आसपास खोजबीन शुरू की, पर कोई सुराग नहीं मिला। खोजबीन के दौरान परिजनों को जानकारी मिली कि नेपाल घोष उर्फ स्वरूप घोष एवं कार्तिक चौधरी, दोनों मंगलबाड़ी (सारदा कॉलोनी), जिला मालदा, पश्चिम बंगाल के निवासी हैं, जिन्होंने मिलकर युवती को बहला-फुसलाकर अपहरण कर लिया है। उन्होंने पुलिस से अपनी पुत्री की शीघ्र व सुरक्षित बरामदगी की गुहार लगाई थी। इधर, पुलिस ने आवेदन के आधार पर मामले में कांड संख्या 03/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए छानबीन शुरू कर दी है।

छेड़छाड़ मामले में महिला आयोग में हुई सुनवाई

साहिबगंज: जिला सखी वन स्टॉप सेंटर में एक नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ मामले में सोमवार को महिला आयोग के रांची स्थित कार्यालय में सुनवाई हुई। इस दौरान महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी ने बाल कल्याण समिति के तत्कालीन अध्यक्ष पर लगे छेड़खानी के आरोप की पड़ताल की। सुनवाई में अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत, डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा व जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह शामिल हुए। इस घटना को लेकर आयोग ने कई दिशा निर्देश देते हुए पुन:19 जनवरी को सुनवाई की तारीख मुकर्रर की।

बत्तख पालन से आत्मनिर्भरता की मिसाल बनीं हिरणपुर की महिला दुलारस

▶ 400 बत्तख बेचकर अर्जित की 2 लाख

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत बेलडीहा गांव की आदिवासी महिला दुलारस किस्कू ने सखी मंडल से जुड़कर मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल पेश की है। पारंपरिक कृषि पर निर्भर परिवार की सीमित आय को उन्होंने बतख पालन व्यवसाय के माध्यम से सशक्त आजीविका में बदल दिया। दुलारस किस्कू ने नवंबर माह में बतख के चूजों का पालन प्रारंभ किया और नववर्ष 2026 के अवसर पर 400 बतखों को 500 प्रति बतख की दर से बेचकर कुल 2,00,000 की आय अर्जित की। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गई है।

संघर्ष से सफलता तक का सफर

दुलारस किस्कू की सफलता की कहानी संघर्ष और निरंतर प्रयास की मिसाल है। उन्होंने मसीह सखी मंडल से जुड़कर ऋण के माध्यम से प्रारंभ में 50 बतख, 50 मुर्गी एवं 2 बकरियों से व्यवसाय की शुरूआत की। शुरूआती दौर में विपणन और संसाधनों से जुड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। पहली खेप की बिक्री के बाद उन्होंने सखी मंडल से पुनः 20,000 का ऋण लेकर 500 बतखों का पालन प्रारंभ किया। शुरूआत में अस्थायी संरचना में व्यवसाय संचालित किया गया, परंतु आमदनी बढ़ने पर उन्होंने स्थायी तालाब का निर्माण कराया। इस पूरे सफर में उनके पति मनु बेसरा का भरपूर सहयोग मिला, जिससे व्यवसाय को निरंतर मजबूती मिली।

आर्थिक सशक्तिकरण की ओर सशक्त कदम

वर्तमान में दुलारस किस्कू 500 बतख, 400 मुर्गियों एवं देशी मुर्गियों का सफलतापूर्वक पालन कर रही हैं। दिसंबर माह में मुर्गियों की बिक्री से उन्होंने 80,000 की अतिरिक्त आय अर्जित की। बतख पालन से प्राप्त आय का उपयोग वे अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाने में कर रही हैं। उन्होंने पक्के मकान निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाया है तथा अपने बच्चों को अच्छे विद्यालय में शिक्षा दिला रही हैं। इसके साथ ही वे सखी मंडल के माध्यम से मछली पालन भी कर रही हैं, जिससे उनकी आय के अतिरिक्त स्त्रोत विकसित हो रहे हैं।

जेएसएलपीएस से मिला सशक्त सहयोग

दुलारस किस्कू ने ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत पालश झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी द्वारा संचालित मसीह सखी मंडल से जुड़कर आजीविका गतिविधियों का भरपूर लाभ उठाया। उन्होंने बताया कि इस सफलता में उन्हें अपने पति के साथ-साथ जेएसएलपीएस एवं प्रशासन का निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग प्राप्त हुआ।

महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत

दुलारस किस्कू की सफलता उन ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया है कि सही मार्गदर्शन, सखी मंडल का सहयोग और कठिन परिश्रम के बल पर ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्र की महिलाएं भी आर्थिक रूप से सशक्त बन सकती हैं।

एसडीपीओ की अध्यक्षता में हुई अपराध नियंत्रण गोष्ठी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : अनुमंडलीय कार्यालय भवन स्थित एसडीपीओ कार्यालय में सोमवार को मासिक अपराध नियंत्रण गोष्ठी हुई। इसकी अध्यक्षता सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने की। उन्होंने उपस्थित सभी थाना प्रभारी को ठंड के मौसम में अपराध नियंत्रण पर विशेष फोकस रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को पूरी तरह सतर्क रहने की जरूरत है। किसी भी हाल में कोताही नहीं बरतें। उन्होंने ठंड को देखते हुए पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों को गर्म कपड़े पहनने की सलाह दी। साथ ही पिकनिक स्पॉटों पर नजर रखने, नशा उत्पादों पर रोक लगाने, मोटरसाइकिल की चोरी व घरों में चोरी पर रोक लगाने, रात्रि गश्ती करने, संदिग्ध लोगों की जांच करने, चौक-चैराहों व सन्नाटों में बेवजह खड़े लोगों से पूछताछ करने, हर गली-मोहल्लों में पेट्रोलिंग करने, लंबित कांडों को जल्द से जल्द निष्पादन करने, लाल वारंटियों को गिरफ्तार करने, सुचारू रूप से वाहन जांच अभियान चलाने, अवैध लॉटरी, जुआ के अड्डे व गांजे जैसे अवैध कारोबार पर नकल कसने, लोगों से बेहतर तालमेल बनाने, थानों में लोगों की समस्या सुनने, सूचना तंत्र को मजबूत बनाने, जमीनी विवाद पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

हाइवा की चपेट में आने से 6 वर्षीय बालक गंभीर रूप से घायल

▶ आक्रोशित परिजनों ने किया चक्का जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के हिरणपुर थाना क्षेत्र के तारापुर गांव में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। दुकान जाने के क्रम में एक 6 वर्षीय मासूम बालक हाईवा वाहन संख्या जेएच 16 जे 2557 की चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई, वहीं घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बच्चा घर से पास की दुकान की ओर जा रहा था, तभी तेज रफ्तार हाईवा ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बालक सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल बालक को आनन-फानन में इलाज के लिए पाकुड़ जिला स्थित सोनाजोड़ी सदर अस्पताल भेजा गया, जहां उसका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार बच्चे की स्थिति गंभीर बताई जा रही है, हालांकि वह खतरे से बाहर है। घटना से गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश देखते ही बन रहा था। आक्रोशित लोगों ने मौके पर खड़े ट्रक में तोड़फोड़ की और हिरणपुर-पाकुड़ मुख्य मार्ग पर धरना प्रदर्शन करते हुए चक्का जाम कर दिया। सड़क जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे आम यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों का आरोप है कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही बेलगाम है और तेज रफ्तार के कारण पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

नशा मुक्त भारत अभियान को मिली नई गति, न्यायिक अधिकारियों व स्वयंसेवी संस्थाओं ने निकाली प्रभात फेरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : नशा मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में साहेबगंज में व्यापक जागरूकता अभियान की शुरूआत की गई। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार-झालसा, रांची के निदेर्शानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में व्यवहार न्यायालय परिसर से एक भव्य प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। यह प्रभात फेरी राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण-नालसा की 'डीएडब्ल्यूएन योजना, 2025' के अंतर्गत मनाए जा रहे जागरूकता सप्ताह का हिस्सा है। डालसा के सचिव विश्वनाथ भगत ने जानकारी दी कि यह जागरूकता अभियान 12 जनवरी, 2026 तक चलेगा, जिसका समापन राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक इसका संदेश प्रभावी रूप से पहुँच सके। प्रभात फेरी का नेतृत्व प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय संजय कुमार उपाध्याय ने किया। इसमें मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सिंधु नाथ लमाये, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अभिषेक कुमार, डालसा के सचिव विश्वनाथ भगत, सीनियर सिविल जज आलोक मरांडी, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी तुषार आनंद, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष प्रेम नाथ तिवारी, चीफ लीगल एड डिफेन्स काउंसिल अरविन्द गोयल एवं उनकी टीम, न्यायालय के अधिकारी-कर्मी, पारा लीगल वालंटियर्स तथा स्वयंसेवी संस्था 'मंथन' के स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। प्रभात फेरी के दौरान प्रतिभागियों ने "जीवन को हाँ कहें, ड्रग्स को ना", "नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो" जैसे प्रेरक नारों के माध्यम से आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य साहेबगंज जिले को ह्यनशा मुक्त जिला' बनाने के संकल्प के प्रति समाज को जागरूक करना और युवाओं को नशीली दवाओं के दुरुपयोग से दूर रहने के लिए प्रेरित करना रहा।

कड़ाके की ठंड में डॉ सूर्यनंद पोद्दार ने गरीबों के बीच बांटे कंबल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जब कड़ाके की ठंड हड्डियों तक सिहरन पैदा कर रही थी और गरीब आदिवासी परिवारों की रातें और भी लंबी व मुश्किल हो गई थीं, उसी ठंड के बीच मानवता की मिसाल पेश करते हुए पोद्दार होमियो क्लीनिक की ओर से सोमवार को जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच कंबलों का वितरण किया गया। समाजसेवी डॉ. सूर्यनंद पोद्दार इंसानियत की गर्माहट लेकर आदिवासी गांव पहुंचे, जहां यह कार्यक्रम केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि संवेदनाओं से भरा सजीव दृश्य बन गया। ठंड से कांपते हाथों से जब बुजुर्गों ने कंबल थामे, तो उनकी नम आंखें बहुत कुछ कह रही थीं। बच्चों के चेहरे पर खिली मुस्कान और महिलाओं की आंखों में दिखा सुकून इस बात का प्रमाण था कि यह कंबल केवल ठंड से बचाने का साधन नहीं, बल्कि सहारा, अपनापन और भरोसे का एहसास भी थे। कंबल ओढ़ते ही मानो ठंड के साथ-साथ जीवन की परेशानियां भी कुछ पल के लिए दूर हो गईं। इस अवसर पर भावुक होते हुए डॉ. सूर्यनंद पोद्दार ने कहा कि पोद्दार होमियो, साहिबगंज की ओर से हर वर्ष गरीब आदिवासी ग्रामीणों के बीच कंबल के साथ-साथ आवश्यक दवाइयों का भी वितरण किया जाता है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों के चेहरे पर राहत देखकर उन्हें असीम शांति और आत्मिक सुकून मिलता है, और यही सेवा का सबसे बड़ा पुरस्कार है। मौके पर कार्यक्रम में मनोज कुमार गुप्ता, पत्रकार प्रवीण कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

झामुमो केंद्रीय प्रवक्ता ने साहिबगंज और पाकुड़ से रेलवे से होने वाले पत्थर ढुलाई को पूरी तरह से ठप करने का किया एलान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : साहिबगंज व पाकुड़ में रेल विकास की मांग को लेकर झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा अपनी मांग पर अड़े है। उन्होंने आगामी 16 जनवरी से साहिबगंज और पाकुड़ से रेलवे से होने वाले पत्थर ढुलाई को पूरी तरह से ठप करने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि रेल विकास जनता की मांग है, वे जनता के साथ है और पत्थर व्यवसायी उनके साथ हैं। जब तक रेल विकास को लेकर जनता की मांगे पूरी नहीं होती तब तक शांतिपूर्ण आंदोलन जारी रहेगा। इसी को लेकर पंकज मिश्रा ने सोमवार को पाकुड़ जिले के पत्थर व्यवसायियों के साथ बैठक की। बैठक में पत्थर व्यवसायियों ने भी रेल विकास से जुड़े मुद्दे को लेकर आंदोलन का समर्थन करने का आश्वासन दिया। पाकुड़ के पत्थर व्यवसायियों ने कहा वर्षों बाद इलाके को एक ऐसा नेता मिला है जो निजी स्वार्थ और दलगत भावना से ऊपर उठकर विकास के मुद्दे पर लोगों की आवाज बनकर खड़ा है। ज्ञात हो कि साहिबगंज व पाकुड़ में रेल विकास के मुद्दे को लेकर बीते 23 दिसंबर को भी झामुमो केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने साहिबगंज के पत्थर व्यवसायियों के साथ बैठक की थी, जिसमें पत्थर व्यवसायियों ने रेल विकास के मुद्दे पर पंकज मिश्रा के आंदोलन को अपना समर्थन देने की बात कही थी। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने पहले ही साफ कर दिया है कि रेल विकास का यह आंदोलन व्यक्तिगत या पार्टी विशेष के लिए नहीं किया जा रहा है। जनता की मांगो का वे समर्थन कर रहे हैं। यदि उनकी मांगे पूरी नहीं होती है तो 16 जनवरी से साहिबगंज व पाकुड़ के पत्थर व्यवसायी रेलवे के रैक के माध्यम से पत्थरों की ढुलाई बंद कर देंगे। सोमवार से इसकी शुरूआत भी हो गई है। उन्होंने कहा कि मार्च- अप्रैल तक रेल विकास से जुड़ी मांगे माननी होगा। उन्होंने कहा साहिबगंज व पाकुड़ से रैक लोडिंग से रेलवे को करीब 10 करोड़ रुपए प्रतिदिन राजस्व मिलने के बाद भी रेलवे ने साहिबगंज व पाकुड़ को उपेक्षित कर रखा है, रेलवे यहां से मलाई खा रही है और लाभ किसी और जिले को दे रही है। बता दें कि उन्होंने रेलवे को अल्टीमेटम देते हुए मालदा रेल डिवीजन के डीआरएम ज्ञापन सौंपकर साहिबगंज में पूर्वी और पश्चिम रेलवे गेट पर आरओबी का निर्माण करवाने, भागलपुर से चलने वाली कई ट्रेनों का विस्तार साहिबगंज तक करने, कोरोना के नाम पर बंद किए गया अपर इंडिया को चालू करने, दिल्ली के लिए ट्रेनों की संख्या बढ़ाने, साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी में एसी कोच की सुविधा देने, वनांचल ट्रेन में एसी फर्स्ट क्लास की सुविधा देने, बेंगलुरु, सूरत और मुंबई के लिए साहिबगंज से ट्रेन की सुविधा देने सहित अन्य मांगे रखी थी। जबकि पाकुड़ से पटना और दिल्ली तक के लिए सीधी ट्रेन सेवा देने, बेंगलुरु के लिए चलने वाली ट्रेनों सहित अन्य महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव पाकुड़ रेलवे स्टेशन पर देने की मांग भी की है।

संक्षिप्त खबरें

8 जनवरी तक बंद रहेंगे नर्सरी से बारहवीं तक की कक्षाएं

पाकुड़ : जिले में भारत मौसम विज्ञान केंद्र व झारखण्ड रांची के विशेष बुलेटिन में पाकुड़ को येलो जोन में रखते हुए भारी ठंड एवं शीतलहरी की संबंधित चेतावनी जारी की है। जिसके आधार पर स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग झारखण्ड सरकार रांची के पत्र के आलोक में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत जिला शिक्षा पदाधिकारी पाकुड़ के निदेर्शानुसार पाकुड़ जिले में संचालित सभी सरकारी, गैर सरकारी, निजी विद्यालय, सहायता प्राप्त, अल्पसंख्यक सहित सभी कोटि के विद्यालयों में कक्षा नर्सरी से बारहवीं तक कक्षाएं तत्काल प्रभाव से स्थगित रखने का निर्देश दिया गया है। उक्त अवधि में शिक्षक विद्यालय में उपस्थित होकर इ वी वी अपनी उपस्थिति दर्ज करेंगे एवं विद्यालय के गैर शैक्षणिक कार्यों को निष्पादित करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी ने तीन सूत्री मांगों को लेकर किया धरना प्रदर्शन

साहिबगंज: बरहरवा नगर पंचायत में तीन सूत्री मांगो को लेकर भारतीय जनता पार्टी साहेबगंज के द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में राजमहल विधानसभा के पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव नहीं होने से लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर हो रही है। जनप्रतिनिधियों के अभाव में नगर निकायों में अफसरशाही हावी है, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य सरकार की यह नीति जनविरोधी है और भाजपा इसके खिलाफ सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। मौके पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कमल कृष्ण भगत, जिला महामंत्री कुसमाकर तिवारी, जिला महामंत्री गौतम कुमार यादव, जिला उपाध्यक्ष रामानंद साह जी, जिला उपाध्यक्ष ललिता पासवान, निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष श्यामल दास, निवर्तमान नगर पंचायत उपाध्यक्ष लोकेश कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष राजकुमार भगत, अजित साह, बप्पी निर्मल साह,मंजू देवी, एव अन्य उपस्थित रहे।

साहिबगंज में सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखा कर किया गया रवाना

साहिबगंज: राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के अवसर पर साहिबगंज जिले में सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने समाहरणालय, साहिबगंज परिसर से सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त साहिबगंज हेमंत सती, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू मिश्रा एवं जिला भू-अर्जन पदाधिकारी छोटेश्वर दास ने संयुक्त रूप से जागरूकता रथ को रवाना किया। जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत जिले भर में व्यापक स्तर पर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरी, खेल प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, तेज गति से वाहन न चलाने तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने के प्रति प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाना, दुर्घटनाओं से प्रभावित पीड़ित परिवारों को सहायता के प्रति जागरूक करना तथा आमजनों को यातायात नियमों के महत्व को समझाना है। जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह ने बताया कि यह कार्यक्रम केवल आंकड़ों को कम करने तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों में जीवन के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता विकसित करने का संदेश देता है। सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करेगा, जहाँ ऑडियो-विजुअल संदेशों के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस अवसर पर एम.भी.आई. अभिषेक मुंडा, डी.आर.एम. मनोज कुमार, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित समाहरणालय के अन्य कर्मी उपस्थित थे।

एलसी गेट नंबर-44 पर ट्रैक्टर खराब होने से रेल व सड़क यातायात बाधित, चालक गिरफ्तार

साहिबगंज: सोमवार को सुबह लगभग 9 बजे एलसी गेट नंबर-44 पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब गाड़ियों के आवागमन के लिए खुला फाटक पार करते दौरान एक ट्रैक्टर अचानक खराब हो गया। जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर पूर्व दिशा से पश्चिम दिशा की ओर जा रही थी। गेट पार करते समय ट्रैक्टर के इंजन के आगे वाले चक्के का एक्सल टूट गया, जिससे आगे का बायां चक्का अलग हो गया और ट्रैक्टर फाटक के बीचो-बीच रुक गई। इस घटना के कारण रेलवे फाटक के दोनों ओर सड़क यातायात पूरी तरह ठप हो गया। वहीं आउटर में फरक्का एक्सप्रेस करीब 15 मिनट तक खड़ी रही, जिससे रेल यातायात भी प्रभावित हुआ। घटना की सूचना मिलते ही गेटमैन के माध्यम से आरपीएफ बरहरवा को अवगत कराया गया। सूचना पर आरपीएफ बरहरवा के सहायक उपनिरीक्षक जलेश्वर कुमार दुबे एवं कांस्टेबल अनिल कुमार साह तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। आरपीएफ द्वारा पहले फंसे हुए वाहनों को सुरक्षित रूप से फाटक पार कराया गया, जिससे यातायात सामान्य हो सका। ट्रैफिक सामान्य होने के बाद ट्रैक्टर चालक को हिरासत में लिया गया तथा ट्रैक्टर को जब्त कर आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया। इस संबंध में रेलवे एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बिहार में बर्फीली हवाओं ने बढ़ाई कनकनी

आज 28 जिलों में कोल्ड डे, कोहरे को अलर्ट; 8वीं तक के स्कूल बंद, 14 फ्लाइट-16 ट्रेनें लेट

पटना। पहाड़ों पर बर्फबारी ने बिहार में कड़ाके की ठंड ला दी है। पटना समेत राज्यभर में 12 से 15 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से ठंडी पछुआ हवा चल रही है। कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी सोमवार को प्रदेश के 28 जिलों में कोल्ड डे और घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, 10 जिलों में हल्के कोहरे को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। इसी कारण अभी प्रदेश के लोगों को ठंड से राहत मिलने की संभावना नहीं है। दो दिन फिलहाल यही स्थिति रहेगी। कोहरे ार को धूप नहीं निकली। कहीं-कहीं निकली तो कुहासे के आगे दम तोड़ती नजर आई। पटना, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, सहरसा और गया में कोल्ड डे की स्थिति रही। पटना का अधिकतम तापमान 14.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10.8 डिग्री सेल्सियस रहा। यहां अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 3.9 डिग्री का अंतर रहा। सबसे ठंडा मुजफ्फरपुर रहा, जहां न्यूनतम और अधिकतम तापमान में महज 1.7

डिग्री सेल्सियस का अंतर रह गया। वहां का अधिकतम तापमान 13.8 डिग्री और न्यूनतम 12.1 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले दो दिन तक ऐसी ही स्थिति बनी रहेगी। मौसम विज्ञान केंद्र ने प्रदेश के 28 जिलों में घने कोहरे को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में विजिबिलिटी काफी कम रहने की संभावना है। वहीं गया समेत राज्य के 10 जिलों में कोहरे को लेकर यलो अलर्ट है।एक जोड़ी फ्लाइट कैंसिल, 14 लेट घने कोहरे की वजह से रविवार को इंडिगो की दिल्ली की एक फ्लाइट रद्द हो गई। विजिबिलिटी कम रहने से 14 जोड़ी विमान लेट रहे। पटना एयरपोर्ट पर पहली फ्लाइट कोलकाता से इंडिगो की 6ई6348 समय से 9 मिनट पहले 11:11 बजे आई। शेड्यूल के मुताबिक, पहली फ्लाइट एअर इंडिया की एआई 1749 सुबह 9:40 बजे है, लेकिन यह 1 घंटे 37 मिनट देर से आई। दिल्ली-पटना की 6 जोड़ी, बेंगलुरु-पटना की 2 जोड़ी, हैदराबाद-पटना की 2 जोड़ी, मुंबई-पटना की 2 जोड़ी, रांची-पटना की 1 जोड़ी और कोलकाता-पटना की 1 जोड़ी फ्लाइट लेट रहीं।

कोहरे के कारण 16 ट्रेनें लेट रहीं

कोहरे की वजह से ट्रेनें लगातार लेट चल रही हैं। इससे यात्रियों को परेशानी हो रही है। लेकिन, इसका एक फायदा भी है। तेजस राजधानी के लगातार लेट होने से लोग यात्रा करने से बच रहे हैं। इससे पटना-दिल्ली तेजस राजधानी का टिकट आसानी से मिल रहा है। संपूर्ण क्रांति, गरीब रथ सहित अन्य ट्रेनों के एसी कोच में छोटी वेटिंग लिस्ट है। इस बीच, जन शताब्दी एक्सप्रेस को रविवार को रद्द कर दिया गया। इसके साथ ही तेजस राजधानी, संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस सहित 16 ट्रेनें लेट रहीं।राजधानी पटना में भी ठंड का असर बरकरार रहेगा। यहां सुबह और देर रात घना कोहरा छाने की संभावना है, जबकि दिन में तापमान सामान्य से नीचे बना रह सकता है। सोमवार को भी पटना समेत 20 जिलों में घना कुहासा छाने की संभावना है। हालांकि, पटना में दोपहर में हल्की धूप निकलने की संभावना है। अगले एक हफ्ते तक कैसा रहेगा मौसम? मौसम विज्ञान केंद्र के पूवार्नुमान के मुताबिक, अगले एक सप्ताह तक ठंड से राहत मिलने की संभावना नहीं है। न्यूनतम तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव हो सकता है, लेकिन ठंड और कोहरे की स्थिति बनी रहेगी। प्रदेश के कुछ इलाकों में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है, जबकि दिन में धूप निकलने पर भी ठंड का असर कम नहीं होगा। इसलिए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। रविवार को सबसे कम न्यूनतम तापमान छपरा में 8.2 डिग्री और सबसे अधिक शेखपुरा में 19.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सबसे घना कुहासा वाल्मीकिनगर में रहा। यहां सबसे कम विजिबिलिटी 50 मीटर रही।दो जनवरी को अब तक का सबसे मजबूत पश्चिमी विक्षोभ आया है। इससे पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश हुई है। ठंडी हवाएं बिहार तक आ रही हैं। दो जनवरी से बिहार में मध्यम से घना कोहरा सतह से ऊपर बना हुआ है। सतह के ऊपर जो कोहरा है, वह तेज हवा से बादल का रूप ले लेता है, जिसके कारण सूर्य की रोशनी सतह पर नहीं आ रही है। इससे दिन का तापमान चार से छह डिग्री सेल्सियस नीचे बना हुआ है। इसके कारण कोल्ड डे महसूस हो रहा है। अगले दो दिन तक ऐसी स्थिति बनी रहेगी। इसके बाद न्यूनतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आएगी।

8 जिलों में 8वीं क्लास तक के सभी स्कूल बंद

भागलपुर में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के कारण जिले में कक्षा 8 तक के सभी स्कूल 8 जनवरी 2026 तक बंद कर दिए गए हैं। मुजफ्फरपुर, औरंगाबाद और मधुबनी में 8वीं तक के सभी स्कूलों को 7 जनवरी तक बंद रखने के निर्देश दिए गए है। नालंदा-बक्सर में भी 8वीं तक के स्कूल 8 जनवरी तक बंद करने के आदेश डीएम की ओर से जारी किया गया है।

सुपौल, किशनगंज और औरंगाबाद में 6 जनवरी तक 8वीं क्लास तक स्कूल बंद कर दिया गया है।

फतेहपुर में राजद मुख्य सचेतक मृतक के परिजनों से मिले

गयाजी। जिले के फतेहपुर में राजद के मुख्य सचेतक और बोधगया विधायक कुमार सर्वजीत ने रविवार को फतेहपुर प्रखंड के डुमरी चट्टी का दौरा किया। उन्होंने सड़क हादसे में जान गंवाने वाले दिनेश ठाकुर के परिजनों से मुलाकात की और शोक संवेदना व्यक्त करते हुए परिवार को ढांढस बंधाया। कुमार सर्वजीत ने दिनेश ठाकुर के परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि दिनेश ठाकुर की मौत अत्यंत दुखद है, क्योंकि वह घर के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। विधायक ने यह भी कहा कि वह सरकार से अपील करेंगे कि दिनेश ठाकुर के आश्रितों को सरकारी नौकरी दी जाए, ताकि उनके परिवार की आजीविका चल सके। गौरतलब है कि दिनेश ठाकुर फतेहपुर बिजली विभाग में अनुबंध पर कार्यरत थे। 1 जनवरी को डुमरी चट्टी के ढाढर पुल के पास एक वाहन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इलाज के लिए पटना ले जाने के दौरान रास्ते में ही उनकी मौत हो गई थी।

फतेहपुर के बदउवा में वृद्ध व्यक्ति से मारपीट

गया जी। जिले के बदउवा गांव में रविवार को एक वृद्ध व्यक्ति के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घायल व्यक्ति की पहचान उमा प्रसाद सिंह के रूप में हुई है। उमा प्रसाद सिंह ने बताया कि वे गांव के सरकारी स्कूल में बरती जा रही अनियमितताओं का लगातार विरोध कर रहे थे। रविवार को इसी बात से नाराज होकर रामानंद सिंह, मनोरमा देवी, भोला सिंह और पूजा कुमारी ने उन पर हमला कर दिया। इस घटना में उमा प्रसाद के सिर और हाथ में चोटें आई हैं। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने वृद्ध को बचाया। उन्हें इलाज के लिए सीएचसी फतेहपुर में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार किया गया। घटना के संबंध में उमा प्रसाद ने फतेहपुर थाना में शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि सरकारी स्कूल को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद चल रहा है। इस मामले में पूर्व में भी दोनों ओर से शिकायतें दर्ज कराई गई थीं।

गया में इलेक्ट्रिक चाक प्रशिक्षण कार्यक्रम

गया। शहर के दांडी बाग स्थित प्रजापति भवन में रविवार को बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति ने एक दिवसीय इलेक्ट्रिक चाक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कुम्हार समाज के कारीगरों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उनके पारंपरिक व्यवसाय को सशक्त बनाना और स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम में पटना से खादी व ग्रामोद्योग आयोग के पदाधिकारी शामिल हुए। समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उनका स्वागत किया। इन अतिथियों ने कुम्हार समाज के लोगों को इलेक्ट्रिक चाक के उपयोग, कार्यप्रणाली, रख-

रखाव और उससे होने वाले आर्थिक लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। आधुनिक डिजाइन के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया प्रशिक्षण सत्र में प्रतिभागियों को पारंपरिक मिट्टी के बर्तनों के साथ-साथ आधुनिक डिजाइन के उत्पाद बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। खादी ग्रामोद्योग के अधिकारियों ने बताया कि इलेक्ट्रिक चाक से कम समय में अधिक उत्पादन संभव है, जिससे कारीगरों की आय बढ़ सकती है। उन्होंने सरकारी योजनाओं, अनुदान, ऋण सुविधा और विपणन सहायता की भी जानकारी दी।बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति के जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार अजय, संरक्षक द्वारिका प्रजापति और अटल प्रजापति ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम कुम्हार समाज के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भविष्य में भी तकनीकी और कौशल विकास से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि पारंपरिक कला को आधुनिक स्वरूप देकर बाजार की मांग के अनुसार विकसित किया जा सके। कार्यक्रम के समापन पर, प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताया और समिति व खादी ग्रामोद्योग के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कुम्हार समाज के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

परबत्ता के लगार दियारा में अवैध खनन जारी

खगड़िया। के परबत्ता प्रखंड स्थित लगार और राका गांव से सटे दियारा क्षेत्र में अवैध खनन का मामला सामने आया है। भू-माफिया उपजाऊ खेतों से जबरन मिट्टी की कटाई कर रहे हैं, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। विरोध करने पर किसानों को धमकाया जा रहा है। स्थानीय किसानों का आरोप है कि इस संबंध में परबत्ता थाना पुलिस से शिकायत की गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हो गए हैं। अगुवानी पंचायत के राका निवासी पंकज पाठक ने परबत्ता थाने में एक आवेदन दिया है। उन्होंने बताया कि जब वे अपने खेत का निरीक्षण करने

गए, तो बड़ी लगार निवासी बाबू साहब और सिंटू यादव ट्रैक्टर से जबरन मिट्टी काटकर दूसरे ट्रेलर पर लोड कर रहे थे। विरोध करने पर आरोपितों ने अपने साथी ज्योतिष झा और अमन को बुला लिया। पंकज पाठक का आरोप है कि उनसे एक लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई। इनकार करने पर उनके साथ गाली-गलौज, हाथापाई की गई और हथियार दिखाकर खेत से भगा दिया गया। यह शिकायत बीते शनिवार को पुलिस में दर्ज कराई गई है। पुलिस ने आवेदन प्राप्त होने की पुष्टि की है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस कारण किसानों में दहशत का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार, लगार और राका गांव के पूर्वी छोर पर स्थित दियारा क्षेत्र में भू-माफिया और खनन माफिया का आतंक चरम पर है। आरोप है कि पुलिस और प्रशासन की नाक के नीचे से रोजाना सैकड़ों ट्रेलर मिट्टी और सफेद बालू जीएन बांध के रास्ते प्रखंड के विभिन्न हिस्सों में भेजे जा रहे हैं। खनन विभाग द्वारा कभी-कभार छापेमारी की जाती है, लेकिन माफिया कथित तौर पर अपनी पहुंच और पैसों के दम पर कार्रवाई से बच निकलते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस क्षेत्र की अधिकांश जमीन टोपोलैंड किस्म की है। कुछ भू-माफिया फर्जी कागजात के सहारे वर्षों से जमीन पर अवैध कब्जा जमाए हुए हैं। भोले-भाले किसानों को डराकर उनकी जमीन से बेदखल किया जाता है और फिर खनन माफियाओं से गठजोड़ कर लाखों रुपए की अवैध कमाई की जाती है। दबंगों की पकड़ और प्रशासनिक पहुंच के चलते शिकायतें फाइलों में ही दबकर रह जाती हैं। भय के कारण कई किसान शिकायत तक दर्ज कराने से कतराते हैं। अवैध खनन से न केवल किसानों की उपजाऊ जमीन नष्ट हो रही है, बल्कि पर्यावरण को भी गंभीर क्षति पहुंच रही है।

विदेश से लौटे तेजस्वी, बदले जा सकते हैं प्रदेश अध्यक्ष

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव यूरोप में छुट्टी मनाकर लौट आए हैं। इस सप्ताह से वो एक्टिव होंगे। प्रदेश अध्यक्ष और सीनियर नेताओं के साथ आगे की रणनीति तय करेंगे। 50 जिला अध्यक्षों और 265 प्रखंड अध्यक्षों की नियुक्ति करेंगे। तेजस्वी संगठन में बड़े बदलाव कर सकते हैं। राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल को बदला जा सकता है। मकर संक्रांति के बाद वह यात्रा पर निकलने वाले हैं। राजद ने भीतरघातियों की पहचान कर ली है, अब बारी कार्रवाई की है। सामने बड़ा टारगेट पंचायत चुनाव है।तेजस्वी यादव छुट्टी मनाकर यूरोप से लौट आए हैं। जल्द पटना में प्रदेश अध्यक्ष और पार्टी के सीनियर नेताओं के साथ बैठक करने वाले हैं। इसमें आने वाले दिनों में पार्टी के लिए रणनीति तय होगी। समीक्षा बैठक की जानी है।अब तक हुई जिला और प्रमंडल स्तरीय बैठकों में विधानसभा चुनाव में जिला-प्रखंड कमेटियों के सक्रिय नहीं होने और चुनाव में संगठन की जगह बाहरी एजेंसियों पर आश्रित होना हार का बड़ा कारण बताया गया है। तेजस्वी यादव के नेतृत्व में होने वाली बैठक में संगठन को मजबूत करने की रणनीति बनेगी। सितंबर 2025 में मंगनी लाल मंडल प्रदेश अध्यक्ष बने थे। विधानसभा चुनाव सिर पर देखते हुए प्रदेश और जिला कमेटियां नहीं बन पाई। प्रखंड अध्यक्ष भी आधे प्रखंड में ही बनाए जा सके। तेजस्वी इस कमियों को जल्द दूर करेंगे। 315 नए पदाधिकारियों की नियुक्ति करेंगे तेजस्वी नए 50 जिलाध्यक्षों और करीब 265 प्रखंड अध्यक्षों की नियुक्ति करेंगे। यह काम 1 महीने में किया जाना है। 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर राबड़ी आवास 10 सर्कुलर रोड में चूड़ा दही भोज का आयोजन किया जाए या नहीं, इस पर फैसला लेंगे। मकर संक्रांति के दिन लालू-राबड़ी आवास पर पूरे प्रदेश से राजद के नेता-कार्यकर्ता जुटते हैं। लालू प्रसाद अभी आंख के ऑपरेशन के बाद दिल्ली में स्वास्थ्य लाभ

ले रहे हैं। मकर संक्रांति पर उनके पटना लौटने की संभावना है। उनकी बड़ी बेटी डॉ. मीसा भारती भी पटना आएंगी।

बदले जा सकते हैं प्रदेश अध्यक्ष

राजद के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल को बदला जा सकता है। विधानसभा चुनाव से पहले मंगनी लाल को बड़ी जिम्मेदारी दी गई थी। उम्मीद थी कि वह OBC समाज के गैर यादव वोट बैंक को राजद की ओर आकर्षित करेंगे। हालांकि चुनाव परिणाम में ऐसा कुछ नहीं दिखा। मंगनी लाल उम्रदराज हैं। उनके प्रदेश अध्यक्ष रहने के दौरान कई राजद नेताओं में अनुशासन की कमी देखी गई। टिकट नहीं मिलने पर बागी बन गए। कई राजद नेताओं का कहना है कि वे पूर्व अध्यक्ष जगदानंद की तरह पार्टी चला नहीं पाए। राजद में कई स्तर पर 400 से अधिक भीतरघातियों की पहचान की गई है। इसके लिए पार्टी ने पंचायत स्तर के कार्यकताओं से लेकर प्रखंड और जिला स्तर के नेताओं से फीड बैक मंगवाया। जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों से रिपोर्ट ली। इस बात की जांच हो रही है कि किन नेताओं ने पार्टी को नुकसान पहुंचाया। राजद सूत्रों के अनुसार तेजस्वी पार्टी के खिलाफ काम करने वाले नेताओं-कार्यकताओं को बाहर निकालेंगे। मकर संक्रांति के बाद यात्रा पर निकलेंगे तेजस्वी तेजस्वी यादव मकर संक्रांति के बाद बिहार में यात्रा पर निकलेंगे। अभी ठंड अधिक है। यात्रा की तारीख मौसम की स्थिति को देखते हुए तय किए जाने पर विचार चल रहा है। तेजस्वी यात्रा पर निकलेंगे और जनता को बताएंगे कि कैसे अदृश्य शक्ति ने चुनाव हरा दिया। वह पहले भी चुनाव हारने के लिए अदृश्य शक्ति को जिम्मेदार बता चुके हैं। 2020 में जब तेजस्वी यादव सरकार नहीं बना पाए थे, तब धन्यवाद यात्रा की थी। इस बार भी तेजस्वी यादव के सामने संघर्ष का ही रास्ता है। वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी ने तेजस्वी के विदेश जाने पर नसीहत दी थी कि उन्हें संघर्ष करना चाहिए। जनता के बीच जाना चाहिए। तेजस्वी का अगला टारगेट पंचायत चुनाव इसी साल बिहार में पंचायत चुनाव होने हैं। यहां पंचायत चुनाव दलीय आधार पर नहीं होते, लेकिन पार्टियों की कोशिश अपने कैडर को जिताना है। निचले स्तर पर आरजेडी को मजबूत करने के लिए पंचायत चुनाव तेजस्वी यादव का अगला टारगेट है। केंद्र और राज्य में एनडीए की सरकार है। बीजेपी चाहती है कि पंचायत चुनाव में अधिक से अधिक उसके कार्यकताओं की जीत हो। तेजस्वी पंचायत चुनाव में ताकत नहीं दिखा पाते हैं तो उनके लिए प्रदेश की राजनीति और कठिन हो जाएगी। राज्य में 8000 से अधिक पंचायतें हैं। छह पदों (मुखिया, वार्ड सदस्य, सरपंच, पंच, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य) के लिए चुनाव होंगे। विधानसभा चुनाव में जहां ठऊअ ने 202 सीटें (कुल सीट 243) जीत ली। वहीं, महागठबंधन 35 से आगे नहीं बढ़ सका। राजद को सिर्फ 25 सीट मिले। रिजल्ट आने के बाद तेजस्वी यादव ने हार पर मंथन के लिए विधायकों, सांसदों और उम्मीदवारों की बैठक बुलाई थी। बैठक में बनी रणनीति के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने निचले स्तर से जानकारी जुटाकर 400 से अधिक भीतरघातियों की पहचान की।

बगावत करने वालों को हटाया

राजद ने बागी प्रत्याशी बनकर चुनाव लड़ने वालों को हटाया है। परिहार से राजद ने रितु जायसवाल की जगह रामचंद्र पूर्वे की बहू स्मिता पूर्वे को टिकट दिया। रितु ने बगावत कर दी। निर्दलीय चुनाव लड़ी। पार्टी ने रितु जायसवाल सहित परिहार प्रखंड के युवा अध्यक्ष अजहरूल हैदरी, प्रखंड अध्यक्ष कैलाश यादव, राज्य परिषद सदस्य अशफान आलम अंसारी और सोनबरसा प्रखंड अध्यक्ष अनिल कुमार चक्रेश को 6 साल के लिए बाहर कर दिया।

संक्षिप्त डायरी

गया में दो मामलों में दो बदमाश गिरफ्तार

गया। में अपराध नियंत्रण के उद्देश्य से पुलिस ने रविवार को दो अलग-अलग मामलों में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। कोतवाली और रामपुर थाना पुलिस ने यह कार्रवाई करते हुए आर्म्स एक्ट के एक आरोपी और जेल से वीडियो वायरल करने के मामले में एक अन्य आरोपी को पकड़ा है। कोतवाली थाना पुलिस ने आर्म्स एक्ट से जुड़े एक मामले में अभियुक्त आकाश पासवान को गिरफ्तार किया। पुलिस को लंबे समय से आकाश की तलाश थी। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर उसे पकड़ा गया। आकाश पासवान के खिलाफ पहले से ही आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है और वह फरार चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ की जा रही है और न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी है। कैदियों ने बनाया था वीडियो दूसरी ओर, रामपुर थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो मामले में अमरजीत उर्फ टाइगर नाम के बदमाश को गिरफ्तार किया है। यह मामला तब सामने आया था जब कारा में बंद कुछ कैदियों ने मोबाइल फोन का उपयोग कर वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। इस घटना ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों के निर्देश पर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान रामपुर थाना पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और अन्य तथ्यों के आधार पर अमरजीत उर्फ टाइगर की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अमरजीत उर्फ टाइगर रोहतास जिले का निवासी बताया जा रहा है।पुलिस उससे पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वायरल वीडियो के पीछे कौन-कौन लोग शामिल थे और मोबाइल फोन कैदियों तक कैसे पहुंचा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों ही मामलों में कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जा रही है और जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपराधियों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

मोतिहारी में अलाव व्यवस्था की खुली पोल

मोतिहारी। में कड़ाके की ठंड के बावजूद नगर निगम और जिला प्रशासन के अलाव व्यवस्था के दावों की पोल खुल गई है। दैनिक भास्कर की टीम ने रात 9 बजे से 12 बजे तक शहर के प्रमुख चौक-चौराहों का रियलिटी चेक किया, जिसमें दावों और जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर सामने आया।टीम ने शहर के उन सात प्रमुख स्थानों को चुना, जहां हर साल नगर निगम की ओर से नियमित रूप से अलाव की व्यवस्था की जाती रही है। लेकिन इन सात जगहों में से सिर्फ एक स्थान पर ही निगम द्वारा जलता हुआ अलाव देखने को मिला। बाकी सभी जगहों पर लोग या तो खुद जुगाड़ कर आग जलाते नजर आए या फिर ठंड में ठिठुरते हुए किसी तरह रात काटने को मजबूर थे।रियलिटी चेक की शुरूआत कचहरी चौक से की गई। यहां एक वृद्ध महिला गायत्री देवी मिली, जो उसी चौक पर सब्जी बेचती हैं और अपना ठेला ही उनका सहारा है। गायत्री देवी ने बताया कि नगर निगम की गाड़ी शाम के वक्त आती है और चार-पांच लकड़ियां गिराकर चली जाती है, जो आधे घंटे में ही खत्म हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि इतनी ठंड में अगर हम खुद से आग की व्यवस्था न करें तो जान पर बन आए। उनके मुताबिक, सर्द हवा इतनी तेज होती है कि बिना अलाव के रहना मुश्किल है। इसके बाद टीम बलुआ चौक पहुंची। यहां टेम्पो चालक, यात्री और राहगीर कूड़ा-कचरा इकट्ठा कर आग जलाते नजर आए। लोगों ने बताया कि हर साल निगम की ओर से लकड़ी डाली जाती थी, लेकिन इस साल न तो ढंग से लकड़ी दी जा रही है और न ही कंबल का वितरण हो रहा है। पास के दुकानदार मोहन जी ने बताया कि दो दिन पहले पांच-सात लकड़ियां डाली गई थीं, लेकिन वह भी कब खत्म हो गईं, पता ही नहीं चला। पिछले चार-पांच दिनों से कोई व्यवस्था नजर नहीं आई, इसलिए मजबूरी में खुद लकड़ी खरीदकर या कूड़ा जलाकर आग तापनी पड़ रही है। इसके बाद टीम जिले के सबसे बड़े अस्पताल, सदर अस्पताल पहुंची। अस्पताल गेट पर चाय की दुकान के पास बड़ी संख्या में लोग ठंड से बचने के लिए जमा थे। जब उनसे अलाव व्यवस्था के बारे में पूछा गया तो लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने कहा कि नगर निगम केवल कागजों में ही दावे करता है। हर साल यहां लकड़ी के बड़े-बड़े बोटे गिराए जाते थे, जिससे मरीजों के परिजन और यात्री रात गुजार लेते थे। इस साल कई दिनों बाद सिर्फ चार-पांच किलो लकड़ी रखी गई, जो आधे घंटे में ही जलकर खत्म हो गई। मरीजों के परिजन अब ठंड में खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। इसके बाद टीम बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन पहुंची। स्टेशन के बाहर अंडा दुकानदार अमित कुमार ने बताया कि दुकान के पास जो आग जल रही है, वह उनकी खुद की व्यवस्था है। नगर निगम की ओर से इस साल कहीं भी अलाव की समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। यात्रियों और दुकानदारों को अपनी जेब से खर्च कर ठंड से बचने की कोशिश करनी पड़ रही है। टीम इसके बाद जानपुल चौक पहुंची, जहां उमा शंकर प्रसाद अपनी दुकान के सामने कुछ लोगों के साथ आग तापते मिले। उन्होंने बताया कि आज ही नगर निगम की ओर से कुछ लकड़ियां डाली गई थीं, उसी से आग जलाई गई है। लेकिन यह व्यवस्था भी अस्थायी और नाकाफी है।

भोजपुर में सड़क हादसे में घायल मजदूर की मौत

भोजपुर। में सड़क हादसे में घायल मजदूर की मौत हो गई। इलाज के दौरान हादसे के चौथे दिन दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान लोदीपुर हाता निवासी शारदा राम(60) के तौर पर हुई है। घटना सहार थाना क्षेत्र के बड़की खड़ाव स्थित ब्रह्म बाबा के पास की है। परिजन संजय राम ने बताया कि 1 जनवरी की सुबह सिर पर धान का बोझा लेकर रोड क्रॉस कर रहे थे। इस दौरान विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में रेफरल अस्पताल लेकर गए। वहां से अरवल सदर अस्पताल लाया। हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने पटना पीएमसीएच भेज दिया। वहां से शनिवार को घर लौट रहे थे। रास्ते में उनकी मौत हो गई।सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आरा सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक दो भाइयों में सबसे बड़ा था। परिवार में पत्नी सविता देवी, दो पुत्र चंदन कुमार, अविनाश कुमार और एक पुत्री वंदना कुमारी है। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

किचन चिमनी की चिकनाई पल भर में गायब

बिना जाली निकाले चमकाएं नई जैसी

खाना पकाने के दौरान निकलने वाली चिकनाई, तेल और धुएं की वजह से चिमनी के अंदर और फिल्टर के आसपास एक चिपचिपी और मोटी काली परत जम जाती है। इस कारण चिमनी गंदी हो जाती है। जिसे साफ करना काफी ज्यादा मेहनत भरा काम होता है।

अधिकतर लोग तेल और मसाले के धुएं से बचने के लिए किचन में चिमनी लगाते हैं। लेकिन अगर सप्ताह में या महीने में चिमनी की सफाई न की जाए, तो खाना पकाने के दौरान निकलने वाली चिकनाई, तेल और धुएं की वजह से चिमनी के अंदर और फिल्टर के आसपास एक चिपचिपी और मोटी काली परत जम जाती है। इस कारण चिमनी गंदी हो जाती है। जब इस चिमनी को साफ करने की बात आती है, तो अक्सर चिमनी की जाली को निकालना और फिर इसको घंटों तक डिटर्जेंट और गरम पानी में भिगोना पड़ता है, जोकि काफी ज्यादा मेहनत भरा काम होता है।

ऐसे में अगर आपके घर में भी चिमनी लगी है और वह गंदी हो गई है। तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको असरदार और कमाल का क्लीनिंग हैक बताने जा रहे हैं। जिसकी सहायता से बिना जाली निकाले आप मिनटों में चिमनी को नए जैसा चमका सकती हैं।

जरूरी सामान

बेकिंग सोडा
सिरका
लिक्विड डिश वॉश सोप

ऐसे बनाएं घोल

सबसे पहले एक सफेद स्प्रे बोतल ले लें।

अब इसमें बराबर मात्रा में बेकिंग सोडा, सफेद सिरका और लिक्विड डिशवॉशिंग सोप डालें।

फिर करीब 1/4 कप गुनगुना पानी डालकर बोतल को बंद करके अच्छे से हिलाएं, जिससे कि सभी चीजें मिक्स हो जाएं।

ऐसे करें इस्तेमाल

बता दें कि इस घोल का इस्तेमाल करने से पहले चिमनी की सतह पर अखबार या कपड़ा बिछाएं और गैस स्टोव के बर्नर को ढक दें। वहीं यह तरीका चिमकी के ठंडा होने पर अपनाएं।

चिमनी के अंदरूनी हिस्से और जाली के बाहर की ओर जहां-जहां पर चिकनाई दिख रही है, वहां पर इस घोल को स्प्रे करें।

इस घोल को करीब 15-20 मिनट तक के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

वहीं समय पूरा होने के बाद इसको साफ कपड़े से धीरे-धीरे पोछें।

जब सारी गंदगी साफ हो जाए, तो माइक्रोफाइबर कपड़े से चिमनी को पोछें।

सर्दी की सुबह को बनाएं लाजवाब : मूली-चावल की पूड़ी का अनोखा स्वाद

सर्दियों में हर एक घर में सबसे ज्यादा गरमा-गरम पूड़ियां और पराठे खूब खाएं जाते हैं। इस मौसम में पूडी-कचौड़ी खाने का एक अलग ही मजा आता है। वैसे तो लोग गेहूं की पूड़ियां खाई जाती हैं, लेकिन क्या आप कभी मूली और चावल के आटे की पूड़ी ट्राई की है। यदि नहीं, तो इस बार आप घर पर ही मूली और चावल की पूड़ी बनाकर जरुर देखें। इसका स्वाद भी लाजवाब होता है और यह काफी कुरकुरी पौष्टिक लगती हैं। आइए आपको बताते हैं कैसे बनाएं मूली और चावल की पूड़ी को कैसे बनाएं।

मूली और चावल की पूड़ी कैसे बनाएं?

- इसके लिए आप मूली को अच्छे से धोकर छील लें और इसे बारीक वाले कद्दूकस से कस लें। अब एक बड़े बर्तन में चावल का आटा लें।
- फिर इसमें कद्दूकस की हुई मूली, बारीक कटा हरा धनिया, अदरक-मिर्च का पेस्ट, अजवाइन, थोड़ी सी हल्दी, लाल मिर्च और नमक डालें।
- इसके बाद इसमें एक छोटा चम्मच तेल डालकर अच्छे से मिक्स कर आटे को गूंथने के बाद 5-10 मिनट के लिए ढककर रख दें।
- छोटी-छोटी लोइयां तोड़कर चकले पर थोड़ा सा तेल लगाकर हल्के हाथों से छोटी-छोटी पूड़ियां बेल लें।
- यदि पूड़ियां किनारे से फट रही हैं, तो आप किसी कटोरी की मदद से उन्हें गोल काट सकते हैं।
- तेल गर्म होने के बाद, इसमें पूड़ी डालकर लो फ्लमे पर दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक तल लें।
- इसके बाद गरमा-गरम मूली और चावल की पूड़ियों को हरी धनिये की चटनी, आम के अचार या दही के साथ सर्व करें।

इन बातों का रखें ख्याल

- मूली कद्दूकस करने के बाद काफी पानी को छोड़ती है, इसलिए आटे में पानी डालने से पहले मूली और मसालों को अच्छी तरह मिला लें।
- आटा हमेशा हल्के गरम पानी से गूंथे।
- जब आप पूड़ियों को बेलें तो इसे गेहूं की पूड़ियों की तरह जोर बिल्कुल भी न लगाएं।
- जब आप पूड़ी को फ्राई करें, तो तेल अच्छी से गर्म होना चाहिए।

आयरन का पावरहाउस है काला चना

आजकल एनर्जी ड्रिंक्स और सप्लीमेंट्स के दौर में हम एक ऐसे सुपरफूड को भूलते जा रहे हैं, जो हमारी दादी-नानी की रसोई में रोज की शान हुआ करते थे। काला चना करी इसी तरह की एक रेसिपी है, जिसमें आसान चीजों को धीरे-धीरे पकाया जाता है ताकि ठंडे महीनों में शरीर को पोषण मिल सके। काला चना सदियों से भारतीय रसोई में इस्तेमाल होता आ रहा है। दादी-नानी इस पर एक भरोसेमंद सामग्री के तौर पर निर्भर रहती थीं, जो आसानी से स्टोर हो जाता थी और ताकत देती थी खासकर सर्दियों में जब शरीर को लगातार एनर्जी की ज़रूरत होती थी।

यह लोग जरूर खाएं ये डिश

एनर्जी और ग्रोथ के लिए इसे बच्चों को जरूर दें। आयरन की कमी से बचाव के लिए महिलाएं इसे अपने डाइट में जरूर शामिल करें। कमजोरी और पाचन के लिए बुजुर्गों को भी इसे जरूर खाना चाहिए। ध्यान रखें कि अगर ज्यादा गैस की समस्या हो तो हींग और जीरा डालें। रात में भारी मात्रा में न खाएं और डायबिटीज वाले पोर्शन कंट्रोल रखें। काले चने की करी सिर्फ एक सब्ज़ी नहीं, बल्कि दादी-नानी की समझदारी से मिली सेहत की विरासत है। अगर आप नेचुरल तरीके से एनर्जी, आयरन और प्रोटीन बढ़ाना चाहते हैं, तो इस भूले-बिसरे सुपरफूड को अपनी थाली में जरूर शामिल करें।

आयरन का पावरहाउस है काला चना

काले चने में मौजूद आयरन शरीर में खून की कमी (एनीमिया) से बचाता है। कमजोरी और थकान दूर करता है। महिलाओं के लिए यह खासतौर पर फायदेमंद होता है। प्रोटीन से भरपूर काले चने की करी, मसल्स को मजबूत बनाती है। इसे खाने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है। शाकाहारियों के लिए यह बेहतरीन प्रोटीन विकल्प है

एनर्जी बढ़ाने में कारगर

दादी-नानी का मानना है कि काला चना धीरे-धीरे ऊर्जा देता है, ब्लड शुगर को संतुलित रखता है और दिनभर एक्टिव बनाए रखता है। फाइबर से भरपूर होने के कारण यह कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में मदद करता है। यह दिल की सेहत के लिए भी बुहत अच्छा है।

काले चने की करी बनाने का आसान तरीका

-रात भर काले चने भिगो दें
-सुबह प्रेशर कुकर में उबाल लें
-प्याज, टमाटर, अदरक-लहसुन और देसी मसालों में पकाएं
-अंत में थोड़ा घी डालें — स्वाद और पोषण दोनों बढ़ेगा

नहीं खराब होगी कटी हुई सब्जियां

किचन में इन तरीकों से कर लें स्टोर

वर्किंग महिलाओं के लिए किचन और बाहर के काम संभालना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वह किचन के काम को आसान बनाने के लिए कुछ स्मार्ट हैक्स का इस्तेमाल करती हैं। सब्जियां बनाने के लिए महिलाएं पहले से ही काटकर रख लेती हैं लेकिन ज्यादा समय तक किचन में सब्जियां पड़ी रहने के कारण खराब होने लगती हैं। आपको बताते हैं कुछ ऐसे स्मार्ट ट्रिक्स जिनका इस्तेमाल करके आप सब्जियों को स्टोर कर सकते हैं। चलिए जानते हैं इनके बारे में...

कटे हुए आलू का इस तरह करें स्टोर

कटे हुए आलू यदि लंबे समय तक बाहर पड़े रहें तो उनका रंग काला पड़ने लगता है। ऐसे में आप कटे हुए आलू को ठंडे पानी में स्टोर कर लें। इससे वह खराब नहीं होंगे और न ही काले पड़ेंगे।

केले स्टोर करने का तरीका

केले भी बाहर पड़े रहने के कारण खराब होने लगते हैं ऐसे में आप केले के गुच्छे के सीरे को प्लास्टिक या फिर अल्यूमिनियम पेपर से रेप करके रख दें। इससे केले लंबे समय तक चलेंगे और फ्रेश भी रहेंगे।

कटे हुए फल स्टोर करने का हैक्स

कटे हुए फलों का आप स्टोर करने के लिए उन पर नींबू का रस लगा लें। नींबू के अलावा आप फलों पर शहद भी लगा सकते हैं। शहद का पानी लगाने से भी फल जल्दी काले नहीं होंगे। साथ ही इस तरीके से फल लंबे समय तक फ्रेश भी रहेंगे।

ब्राउन शुगर रहेगी फ्रेश

ब्राउन शुगर को यदि आप लंबे समय तक फ्रेश रखना चाहते हैं तो इसे जिस भी कंटेनर में रख रहें हैं इसमें एक सेब का टुकड़ा डाल दें। इससे वह जल्दी खराब नहीं होगी और लंबे समय तक फ्रेश भी रहेगी।

शावर कैप आएगी काम

खाना बनाने के बाद आप उन्हें हवा के कणों से बचाने के लिए आप शावर कैप का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह बालों के अलावा खाने को भी साफ-सुथरा रखने में मदद करेगी। इस बात का ध्यान रखें कि शावर कैप एकदम फ्रेश हो।

हर्ब्स को हफ्तों तक ताजा रखने के आसान घरेलू तरीके

खाने के अगर फ्रेश हर्ब्स का इस्तेमाल किया जाए तो इससे टेस्ट पूरी तरह से बदल सकता है। करीपत्ते से लेकर धनिया व पुदीना खाने के टेस्ट को नेक्स्ट लेवल पर ले जाते हैं। अमूमन हम मार्केट से इन हर्ब्स का एक बड़ा गुच्छा खरीदते हैं, लेकिन एक बार में इन्हें थोड़ा सा ही इस्तेमाल किया जाता है और फिर बाकी कुछ ही दिनों में फ्रिज में खराब हो जाता है। ऐसे में पैसे यू ही वेस्ट हो जाते हैं। हम सभी के साथ अक्सर ऐसा होता है।

हालांकि, ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपको शायद पता ना हो, लेकिन अगर आप थोड़ा स्मार्ट तरीका अपनाते हैं तो ऐसे में इन हर्ब्स को महीनों तक भी आसानी से स्टोर किया जा सकता है। इससे आप उन्हें लंबे समय तक बिना किसी परेशानी के आसानी से इस्तेमाल कर पाएंगे। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

ठीक से धोएं और सुखाएं

अगर आप हर्ब्स को स्टोर करना चाहते हैं तो पहले उन्हें अच्छी तरह धोकर सुखाएं। इसके लिए आप हर्ब्स को ठंडे पानी में धीरे से धोएं। फिर एक्स्ट्रा पानी झाड़कर उन्हें एक साफ तौलिए पर फैलाएं। अब इन हर्ब्स को पूरी तरह से सूखने दें। ध्यान रखें कि अगर इनमें नमी रह जाती है, तो हर्ब्स जल्दी खराब हो जाती हैं।

आजमाएं पेपर टॉवल रैप तरीका

अगर आप धनिया, पुदीना, अजमोद, डिल जैसी हर्ब्स को स्टोर करना चाहती हैं तो ऐसे में पेपर टॉवल रैप तरीके को आजमाएं। इसके लिए आप हर्ब्स को सूखे पेपर टॉवल पर रखें, फिर धीरे से रोल करें। अब इसे एयरटाइट बॉक्स में रखें। इस तरह हर्ब्स 1-2 हफ्ते तक खराब नहीं होती हैं। आप हर दिन कुछ मात्रा में इन हर्ब्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।

करें फ्रीज

अगर आप हर्ब्स को महीनों तक स्टोर करना चाहते हैं तो ऐसे में उन्हें फ्रीज करना सबसे अच्छा रहता है। इसके लिए आप साबुत पत्तियों को धोकर सुखा लें। अब इन्हें जिप बैग में स्टोर करें और फ्रीज करें। इसके अलावा हर्ब्स से आइस क्यूब भी बनाए जा सकते हैं। इसके लिए आप हर्ब्स को काटें और आइस ट्रे में डालें। इसे पानी या जैतून के तेल से भरकर फ्रीज करें। सूप, दाल, ग्रेवी के लिए यह बहुत बढ़िया ऑप्शन है। इस तरह आपकी हर्ब्स 3-6 महीने तक आसानी से चल जाती हैं।

दिग्गज ऑलराउंडर ने भारत की अगली कप्तान की भविष्यवाणी की, मंधाना की जगह इस पर दिखाया भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ऐतिहासिक महिला विश्व कप 2025 जीत के बाद अब चर्चा का केंद्र टीम का भविष्य और नेतृत्व है। मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत कौर 36 वर्ष की हो चुकी हैं और उनके शानदार करियर के अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही उत्तराधिकारी की खोज तेज हो गई है। जहां स्मृति मंधाना को लंबे समय से अगला कप्तान माना जा रहा था, वहीं दक्षिण अफ्रीका की दिग्गज ऑलराउंडर मैरिज़ेन कैप ने एक अलग नाम आगे बढ़ाकर बहस को नया मोड़ दे दिया है। उनका मानना है कि भारत को ऐसा लीडर चाहिए जो टीम को जोड़कर रख सके।

हरमनप्रीत कौर के बाद कौन? लीडरशिप पर नई बहस

विश्व कप जीत के बाद भारतीय महिला टीम स्थिरता और निरंतरता के दौर में है, लेकिन कप्तानी का सवाल अब टाला नहीं जा सकता। हरमनप्रीत ने कई सालों तक टीम का नेतृत्व किया है, पर उम्र और भविष्य की योजना को देखते हुए बीसीसीआई को दीर्घकालिक विकल्प की ज़रूरत है। ऐसे में लीडरशिप सिर्फ रणनीति तक सीमित नहीं, बल्कि खिलाड़ियों को साथ लेकर चलने की क्षमता भी अहम बन गई है।

मैरिजेन कैप का चौंकाने वाला समर्थन

5 जनवरी 2026 को दिए एक इंटरव्यू में मैरिज़ेन कैप ने जेमिमा रोड्रिग्स को भारत की अगली कप्तान के रूप में देखने की इच्छा जताई। कैप के अनुसार, जेमिमा में वर्षों से लीडरशिप के गुण दिखाई देते रहे हैं। उन्होंने कहा कि कप्तानी केवल फील्ड सेटिंग और फैसलों तक सीमित नहीं होती, बल्कि टीम के भीतर विश्वास और एकता बनाना भी उतना ही जरूरी है—और जेमिमा इसमें स्वाभाविक रूप से आगे हैं।

पर्सनैलिटी और परफॉर्मेंस का सही संतुलन

कैप ने ज़ोर देकर कहा कि जेमिमा की सबसे बड़ी ताकत उनकी पर्सनैलिटी है। वह खिलाड़ियों को जोड़ती हैं, माहौल को सकारात्मक रखती हैं और हर खिलाड़ी की परवाह करती हैं। हाल ही में विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ खेली गई उनकी नाबाद 127 रनों की पारी ने यह भी साबित किया कि वह बड़े मंच और दबाव को संभाल सकती हैं। 25 साल की उम्र में इस तरह की परिपक्वता उन्हें नेतृत्व के लिए तैयार बनाती है।

WPL 2026: जेमिमा के लिए लीडरशिप की अग्निपरीक्षा

जेमिमा रोड्रिग्स को WPL 2026 सीज़न के लिए दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी सौंपे जाने के साथ ही यह चर्चा और मजबूत हो गई है। वह अनुभवी मेग लैनिंग की जगह ले रही हैं, जो अब क्वॉरियर्ज का नेतृत्व करेंगी। इस बदलाव को भारतीय क्रिकेट में एक रणनीतिक प्रयोग के

तौर पर देखा जा रहा है, जहां जेमिमा की कप्तानी को हाई-प्रेशर लीग में परखा जाएगा।

दिल्ली कैपिटल्स और भविष्य की राह

दिल्ली कैपिटल्स के को-ओनर पार्थ जिंदल ने जेमिमा पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि टीम की पहली पिक से कप्तान बनने तक का उनका सफ़र प्रेरणादायक है। जब DC 10 जनवरी को मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी, तो सभी की निगाहें जेमिमा पर होंगी। अगर वह टीम को पहला WPL खिताब दिलाने में सफल रहती हैं, तो भारत की अगली महिला कप्तान के रूप में उनका दावा और भी मजबूत हो जाएगा।

ह्यूबर्ट हुरकाज ने यूनाइटेड कप में ज्वेरेव को हराया, चोट के बाद दमदार वापसी

सिडनी (एजेंसी)। पोलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी ह्यूबर्ट हरकाज ने चोट से उबरने के बाद शानदार वापसी करते हुए यूनाइटेड कप में बड़ा उलटफेर किया है। करीब सात महीने बाद प्रतिस्पर्धी टेनिस में लौटे हरकाज ने सोमवार को विश्व नंबर तीन अलेक्जेंडर ज्वेरेव को सीधे सेटों में हराकर अपने इरादे साफ कर दिए।

यह मुकाबला सिडनी में खेला गया, जहां हरकाज ने जर्मनी के दिग्गज खिलाड़ी ज्वेरेव को 6-3, 6-4 से मात दी। पूरे मैच के दौरान हरकाज ने दमदार सर्विस, सटीक ग्राउंडस्ट्रोक और बेहतरीन मूवमेंट का प्रदर्शन किया। खास बात यह रही कि उन्होंने दबाव के क्षणों में भी संयम बनाए रखा और ज्वेरेव को लय में आने का मौका नहीं दिया।

चोट के बाद मानसिक और शारीरिक परीक्षा

मैच के बाद हरकाज ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा, 'काफी समय हो गया था जब मैंने किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। लगभग सात महीने तक मैं कोर्ट से दूर रहा। यह दौर मेरे लिए और टीम के लिए काफी मुश्किल था, लेकिन सभी ने मेरा पूरा समर्थन किया।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम लंबे समय तक यह भी नहीं जानते थे कि मैं दोबारा कब कोर्ट पर लौट पाऊंगा। आज मैं बस हर पल का आनंद लेने की कोशिश कर रहा था।'

आत्मविश्वास की वापसी का संकेत

हरकाज की यह जीत न केवल पोलैंड के लिए यूनाइटेड कप में अहम साबित हुई, बल्कि यह भी दिखाती है कि चोट के बाद वह धीरे-धीरे अपनी पुरानी लय और आत्मविश्वास हासिल कर रहे हैं। ज्वेरेव जैसे शीर्ष खिलाड़ी को हराना आने वाले बड़े टूर्नामेंटों से पहले हरकाज के लिए मनोबल बढ़ाने वाला कदम माना जा रहा है।

यूनाइटेड कप जैसे मिश्रित टीम टूर्नामेंट में इस तरह की जीत से पोलैंड की टीम को भी मजबूती मिली है और हरकाज ने यह साफ कर दिया है कि वह पूरी तरह फिट होकर फिर से शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी : वापसी की चर्चा के बीच विराट कोहली दिल्ली के लिए नहीं खेलेंगे अगला मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली रेलवे के खिलाफ होने वाला विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 का मैच नहीं खेलेंगे। दोनों राज्य एसोसिएशन BCCI के प्रमुख 50 ओवर के टूर्नामेंट के पांचवें राउंड में 6 जनवरी को आमने-सामने होने वाले थे। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि विराट KSCA क्रिकेट ग्राउंड पर रेलवे के खिलाफ दिल्ली के विजय हजारे ट्रॉफी मैच के लिए सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। रिपोर्ट में विराट की गैरमौजूदगी का कारण नहीं बताया गया है।

खास बात यह है कि इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने दिल्ली के लिए पहले दो मैच खेले और एक शतक और एक अर्धशतक लगाया। हालांकि वह अपने परिवार के पास लौट गए और पिछले दो विजय हजारे ट्रॉफी मैच नहीं खेले। 37 साल के यह खिलाड़ी न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल होने से पहले एक और VHT मैच खेलने वाले थे। हालांकि अब यह भारतीय स्टार 11 जनवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में सीधे न्यूजीलैंड के खिलाफ एक्शन में दिखेंगे।

विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 से पहले बोर्ड ने भारत के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों को निर्देश दिया था कि अगर उन्हें वनडे के लिए टीम में बने रहना है तो उन्हें कम से कम दो विजय हजारे ट्रॉफी मैच खेलने होंगे। इसलिए रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पांड्या और सभी बड़े खिलाड़ियों ने इस दिसंबर विंडो में अपने राज्य एसोसिएशन की जर्सी पहनी।

दिल्ली के लिए विराट कोहली के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने सबसे पहले आंध्र प्रदेश के खिलाफ मैच खेला और शानदार 131 (101) रन बनाए जिसमें 14 चौके और तीन छक्के शामिल थे। इसके बाद उन्होंने गुजरात का सामना किया और 77 (61) रन बनाए। अगर विराट अब आने वाला विजय हजारे ट्रॉफी मैच नहीं भी खेलते हैं, तो BCCI की तरफ से कोई दबाव नहीं होगा, क्योंकि उन्होंने पहले ही उनकी बात मान ली है।

दक्षिण अफ्रीका में भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की दहाड़, सिर्फ 24 गेंदों में ठोके 68 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंडर-19 टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज के दूसरे मैच में उसी टीम का सामना किया। दोनों टीमें 5 जनवरी को बेनोनी के विलोमूर पार्क में आमने-सामने थीं। मैच की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका के पहले बल्लेबाजी करने से हुई। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 245 रन बनाए और जैसे ही रन चेज़ शुरू हुआ, भारतीय कप्तान वैभव सूर्यवंशी ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इस युवा खिलाड़ी ने भारतीय टीम के लिए पारी की शुरुआत की और विरोधी टीम के बल्लेबाजों की जमकर धुनाई की।

सूर्यवंशी ने मात्र 24 गेंदों में 68 रन बनाए, जिसमें 10 छक्के और एक चौका शामिल था। उनकी तेज शुरुआत ने भारतीय अंडर-19 टीम को मैच में वह शानदार शुरुआत दिलाई जिसकी उन्हें जरूरत थी।

उन्होंने आरोन जॉर्ज के साथ पारी की शुरुआत की, जो रन चेज़ के शुरुआती चरण में ही 20 रन बनाकर आउट हो गए। मैच की बात करें तो, दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 ने पहले बल्लेबाजी की। जोरिच वैन शाल्कविक और अदनान लगडियन ने क्रमशः 10 और 25 रन बनाकर पारी की शुरुआत की। कप्तान मोहम्मद बुलबुलिया भी मात्र 14 रन बनाकर आउट हो गए।

जेसन रोल्स की शानदार पारी ने दक्षिण अफ्रीका को अपनी पारी को संभालने में मदद की। इस स्टार बल्लेबाज ने 113 गेंदों में 114 रन बनाए, जबकि डेनियल बोसमैन ने 63 गेंदों में 31 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 245 रनों पर सिमट गई, और इसका श्रेय किशन सिंह की गेंदबाजी को जाता है। पहली पारी में 8.3 ओवर गेंदबाजी करते हुए किशन सिंह ने चार विकेट लिए और 46 रन दिए। इसके अलावा, आरएस अंबरीश ने दो विकेट लिए, वहीं दीपेश देवेंद्रन, कनिष्क चौहान और खिलन पटेल ने एक-एक विकेट लिया।

गिल के टीम से बाहर होने पर हैरान रिकी पोंटिंग... लेकिन भारतीय क्रिकेट की इस बात से खुश

नई दिल्ली ।टी-20 वर्ल्डकप 2026 के लिए भारत की टीम में शुभमन गिल को जगह नहीं मिली, जो सितंबर 2025 में एशिया कप से पहले टी20 टीम के आधिकारिक तौर पर उपकप्तान थे । खराब फॉर्म की वजह से चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम से बाहर रखा है । हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर रिकी पोंटिंग चयनकर्ताओं के फैसले से हैरान हैं । हालांकि, उन्होंने भारतीय क्रिकेट की तारीफ की । उनका कहना है कि जब आप गिल जैसे खिलाड़ी को बाहर करते हैं, तब पता चलता है कि आपके पास टैलेंट की कमी नहीं है । आईसीसी रिव्यू में पोंटिंग ने गिल को ड्रॉप करने को लेकर कहा, ऽमुझे यकीन नहीं हुआ । मेरा मतलब है, मुझे पता है कि व्हाइट-बॉल क्रिकेट में उनका हालिया फॉर्म बहुत अच्छा नहीं रहा है । लेकिन पिछली बार जब मैंने उन्हें सच में अच्छा खेलते देखा था, तब वह यूके में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज थी, जहां उन्होंने इतनी अच्छी बैटिंग की जितनी मैंने कभी किसी को करते नहीं देखा । मुझे लगता है, पहली बात यह कि मैं हैरान हूं, लेकिन दूसरी बात यह कि, यह इंडियन क्रिकेट की डेप्थ को दिखाता है । उन्होंने कहा, अगर आप सोच सकते हैं कि गिल जैसे अच्छे खिलाड़ी को वर्ल्ड कप टीम में नहीं चुना गया, तब इससे पता चलता है कि भारत के पास कितने अच्छे खिलाड़ी हैं । मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम का ऐलान कर गिल को लेकर कहा था, ऽहम जानते हैं कि वह कितना अच्छा खिलाड़ी है, लेकिन शायद इस समय वह थोड़े रन नहीं बना पाया है । पिछले वर्ल्ड कप में भी बाहर रहना दुर्भाग्यपूर्ण था, क्योंकि हम अलग-अलग कॉम्बिनेशन के साथ गए थे, लेकिन यह किसी भी चीज से ज्यादा कॉम्बिनेशन की बात हैज्जब आप 15 खिलाड़ी चुनते हैं तब किसी को बाहर रहना ही पड़ता है और दुर्भाग्य से, इस समय गिल हैं । हम कॉम्बिनेशन देख रहे हैं ।

शार्दुल और सरफराज के चोटिल होने से मुम्बई की मुश्किलें बढ़ीं, मंगलवार को हिमाचल के खिलाफ मैच में इन दोनो के बिना ही उतरना होगा

मुम्बई ।कप्तान शार्दुल टाकुर और बल्लेबाज सरफराज खान के चोटिल होने की विजय हजारे ट्रॉफी खेल रही मुंबई टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं । मुंबई की टीम ने ग्रुप सी में

अब तक अच्छा प्रदर्शन करते हुए अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया है। मुम्बई ने अपने 5 मैचों में से 4 जीते है जबकि एक में उसे हार का सामना करना पड़ा है। उसे अभी दो लीग चरण के मैच खेलने हैं। ऐसे में अब नॉकआउट मैचों में प्रवेश के लिए मुंबई को कम से कम एक मुकाबला जीतना होगा और नेट रन रेट को भी बेहतर बनाये रखना होगा । एक रिपोर्ट के अनुसार शार्दुल ठाकुर पूरे टूर्नामेंट से भी बाहर हो सकते हैं । जयपुर में महाराष्ट्र के खिलाफ मैच में वह पूरे ओवर भी नहीं फेंक पाये थे। मुंबई की टीम को अपना अगला मैच 6 जनवरी को हिमाचल प्रदेश से खेलना है । शार्दुल अगर अगले मैचों के लिए बाहर हुए तो ये मुंबई के लिए करारा झटका होगा । उनके अलावा बल्लेबाज सरफराज का खेलना भी मुश्किल है। ऐसे में दो अनुभवी खिलाड़ियों की कमी पूरी करना मुम्बई के लिए कठिन होगा। राहत की बात है कि बल्लेबाज श्रेयस अय्यर टीम से जुड़ रहे हैं ।

बांग्लादेश के टी20 विश्वकप मैचों को कोलंबो स्थानांतरित कर सकता है आईसीसी

दुबई ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अगले माह शुरु हो रहे टी20 विश्वकप में बांग्लादेश के सभी मैच श्रीलंका में स्थानांतरित कर सकता है। इसका कारण है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि सुरक्षा कारणों से वह अपनी टीम भारत नहीं भेजे सकता है । इसी को देखते हुए बांग्लादेश ने आईसीसी से अपने ग्रुप स्तर के मैचों को दूसरे स्थलों पर अन्य देश में कराने को कहा है। वहीं रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान हालातों को देखते हुए आईसीसी इस अनुरोध पर विचार कर रही है और माना जा रहा है कि इस मैच में शीघ्र ही कोई फैसला आ सकता है। वहीं इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर कर दिया । बीसीसीआई के इस फैसले के बाद बीसीबी ने कहा था कि ये कदम सुरक्षा कारणों से भारतीय बोर्ड ने उठाया है । ऐसे में हमारी टीम की सुरक्षा भी वहां खतरे में पड़ जाएगी । इसलिए टीम को भारत नहीं भेजा जा सकता है । तय कार्यक्रम के अनुसार विशकप के मैच 7 फरवरी से 8 मार्च 2026 तक भारत और श्रीलंका में खेले जाने हैं । वर्तमान कार्यक्रम के तहत बांग्लादेश को अपने चार ग्रुप मैचों में से तीन मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज, इटली और इंग्लैंड के खिलाफ खेलने हैं, जबकि एक मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में नेपाल से खेलना है । अब ये सभी मैच सहमेजबान श्रीलंका को स्थानांतरित किये जा सकते हैं। अगर आईसीसी बांग्लादेश के मैचों को श्रीलंका में आयोजित करता है तो श्रीलंका में मैचों के कार्यक्रम में बदलाव करना होगा । इसके अलावा टीमों के रहने और अन्य सुविधाओं की भी व्यवस्था करना होगा ।

हॉकी लीग के जरिये फिर खुद को साबित करना चाहते हैं 'पोस्टर ब्वॉय' रहे हरजीत सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। जूनियर विश्व कप 2016 जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ सोते हुए कप्तान हरजीत सिंह की तस्वीरें जब वायरल हुई तो उन्हें भारतीय हॉकी का अगला 'सुपरस्टार' कहा जाने लगा लेकिन फिर अचानक उनका नेपथ्य में चले जाना हॉकीप्रेमियों के लिये ही नही, ख्रुद उनके लिये भी हैरानी का सबब रहा। हॉकी इंडिया लीग में जेएसडब्ल्यू सूरमा के लिए खेल रहे हरजीत ने भाषा से खास बातचीत में कहा, 'हर खिलाड़ी का सपना होता है कि जूनियर के बाद सीनियर टीम से जुड़े और ओलंपिक खेले। लेकिन अचानक जो कुछ हुआ, मुझे समझ ही नहीं आया कि क्या करूं।'

न्यूजीलैंड के खिलाफ 2018 में आखिरी बार भारत के लिए खेलने वाले हरजीत की कप्तानी में भारतीय जूनियर टीम ने लखनऊ में 2016 विश्व कप में अपराजित रहकर पंद्रह साल बाद खिताब जीता था। हर अखबार में और सोशल मीडिया पर हरजीत की ट्रॉफी के साथ सोते हुए तस्वीर सुर्खियों में थी। उनकी कामयाबी पर पंजाबी में 'हरजीता' फिल्म भी बनी। हरजीत 2016 में लंदन में चैम्पियंस ट्रॉफी में रजत पदक जीतने वाली सीनियर टीम और 2015 जूनियर एशिया कप स्वर्ण जीतने वाली टीम का भी हिस्सा

थे।

जूनियर विश्व कप 2016 की टीम से भारत के मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत सिंह, फॉरवर्ड मनदीप सिंह, गोलकीपर कृशन पाठक जैसे कई खिलाड़ी निकले जो सीनियर स्तर पर कामयाब रहे। हरजीत ने कहा, 'मेरे साथ के सभी खिलाड़ी आज अच्छा खेल रहे हैं और मुझे भी कसक महसूस होती है।' 29 वर्ष के इस मिडफील्डर को बखूबी पता है कि राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह अब मुश्किल है लेकिन अपने प्रदर्शन के दम पर वह यह साबित करना चाहते हैं कि उन्हें बाहर करने का फैसला गलत था।

भारत के लिए करीब 50 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके इस खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे आज तक यह सवाल चुभता है कि 2019 में राष्ट्रीय शिविर में वापसी के बाद दो ढाई साल तक सीनियर टीम के साथ रहने के बाद मुझे बाहर क्यों किया गया। मैने कइयों से पूछा लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया।' उन्होंने कहा, 'हॉकी इंडिया लीग में अच्छे प्रदर्शन से राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का दावा मजबूत कर सकते हैं लेकिन मुझे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके दिखाना है कि मुझे बाहर करने का फैसला गलत था ।मुझसे आखिर क्या ऐसी गलती हुई थी जिसकी इतनी बड़ी सजा मिली।'

उनकी तुलना अक्सर जूनियर विश्व कप विजेता क्रिकेट कप्तान उन्मुक्त चंद से की जाती है जो जूनियर स्तर की सफलता को सीनियर टीम के साथ दोहरा नहीं सके और अचानक परिदृश्य से गायब हो गए। भारत पेट्रोलियम के लिए विभागीय हॉकी खेलने के अलावा हरजीत ने नीदरलैंड में डच लीग में एचजीसी और ब्रिटेन में इंडियन जिमखाना के लिए खेला। पंजाब के मोहाली के कुराली गांव से निकले इस खिलाड़ी ने कहा, 'मैं काफी समय इन चीजों से बाहर नहीं निकल सका। पिंड गया तो वहां भी सभी पूछते थे कि वापिस कब खेलेगा तो मेरा वहां भी रहने का मन नहीं करता था। धीरे धीरे मैने विभागीय हॉकी और दूसरे देशों में लीग खेलनी शुरू की।'

उन्होंने कहा, 'यह मेरे जीवन का सबसे कठिन दौर था मानो सभी के पास मेरे लिये एक ही सवाल था कि मैं कब दोबारा भारत के लिये खेलूंगा । मैं अपनी ओर से पॉजीटिव रहने की पूरी कोशिश करता था। खेलों की बायोपिक देखकर प्रेरणा लेता था।' हॉकी इंडिया लीग में हरमनप्रीत की कप्तानी वाली जेएसडब्ल्यू सूरमा टीम के लिये खेल रहे हरजीत ने कहा, 'मैं दिल से सूरमा (योद्धा) हूं और टीम का काफी सहयोग मिला है चूंकि इसमें जूनियर सीनियर का कोई भेद नहीं है।%

उन्होंने कहा, 'जूनियर विश्व कप के साथी हरमनप्रीत, आकाशदीप, गुरजंत, विवेक सागर प्रसाद टीम में हैं जो अच्छी बात है। हरमनप्रीत टीम को साथ में लेकर चलता है और ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी अच्छा रहता है।' हॉकी किट और अच्छी खुराक के लालच में खेलना शुरू करने वाले हरजीत 2007 में जालंधर की सुरजीत अकादमी चले गए और 2011 में भारतीय टीम के शिविर में चयन हुआ था।

सविता पूनिया की नजरें एशियाई खेल स्वर्ण के जरिए ओलंपिक क्वालीफिकेशन पर

नई दिल्ली ।भारत की पूर्व कप्तान और अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया की नजरें खेल को अलविदा कहने से पहले इस साल एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालीफाई करने पर लगी हैं । सविता ने कहा कि वह फिलहाल लॉस एंजिलिस ओलंपिक से आगे नहीं सोच रही हैं । राष्ट्रमंडल खेल कांस्य पदक विजेता और तीन बार एशियाई खेलों में पदक जीत चुकी सविता ने कहा, 'मुझे लगने लगा है कि अब परिवार के साथ और समय बिताना है। सभी को कभी न कभी रिटायर होना है लेकिन मैं अच्छे समय पर यह फैसला लेना चाहती हूं । एशियाई खेल हो या 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक ।' उन्होंने कहा, 'अभी ओलंपिक में समय है तो मैं कुछ कह नहीं सकती । मेरा फोकस एशियाई खेलों पर है और उससे आगे के बारे में नहीं सोच रही । मैं एशियाई खेलों के बाद संन्यास का फैसला लूंगी । अगर हम वहीं से ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करते हैं तो बहुत अच्छा होगा ताकि क्वालीफायर का दबाव नहीं झेलना पड़े ।' हॉकी इंडिया लीग में सूरमा हॉकी क्लब के लिये खेल रही सविता ने कहा कि वह एशियाई खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की कोशिश करेंगी । उन्होंने कहा, 'मेरा अगला लक्ष्य एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है । मैं हमेशा लक्ष्य लेकर चलती हूं और एक समय में एक ही लक्ष्य जेहन में होता है । हमारी टीम काफी सक्षम है और मैं सीनियर खिलाड़ी होने के नाते हमेशा खिलाड़ियों का मनोबल बढाने के लिये हूं ।' सविता ने कहा, 'विश्व कप क्वालीफायर भी काफी अहम है और उसके बाद नेशंस कप भी है । यह पूरा साल काफी अहम होने वाला है ।'

मलेशिया ओपन: लक्ष्य सेन के साथ इन भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

कुआलालंपुर (एजेंसी)। नए सत्र की शुरुआत के साथ ही भारतीय बैडमिंटन की निगाहें मलेशिया ओपन सुपर 1000 पर टिक गई हैं, जहां लक्ष्य सेन के साथ पी.वी. सिंधु, सात्विक-चिराग और कई युवा खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। 14.5 लाख डॉलर इनामी इस बड़े टूर्नामेंट में भारतीय शटलर्स न सिर्फ 2025 की निराशाओं को पीछे छोड़ना चाहेंगे, बल्कि दमदार प्रदर्शन के जरिए नए साल का सकारात्मक आगाज करने के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगे।

पिछले साल की निराशा, अब नए साल से उम्मीदें

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए 2025 का साल खास नहीं रहा, जहां कई शीर्ष खिलाड़ी चोटों और खराब फॉर्म से जूझते नजर आए। ऐसे में मलेशिया ओपन को खिलाड़ी न सिर्फ वापसी का मंच मान रहे हैं, बल्कि अगले सप्ताह दिल्ली में होने वाले इंडिया ओपन सुपर 750 की तैयारी के लिहाज से भी इसे अहम मान रहे हैं।

लय में लौटे लक्ष्य सेन

पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान के बाद खराब दौर से गुजर रहे विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 जीतकर लय हासिल की है। 24 वर्षीय अल्मोड़ा के खिलाड़ी हांगकांग ओपन के फाइनल में भी पहुंचे थे। लक्ष्य पहले दौर में सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह के खिलाफ उसी फॉर्म को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे।

आयुष शेट्टी के सामने बड़ी चुनौती

यूएस ओपन सुपर 300 चैंपियन युवा आयुष शेट्टी का पहले दौर में सामना पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मलेशिया के ली जी जिया से होगा, जो उनके लिए कड़ी परीक्षा साबित हो सकती है।

चोट से वापसी कर रहीं पी.वी. सिंधु

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन पी.वी. सिंधु के लिए पिछला साल निराशाजनक रहा। पैर की चोट के कारण वह अक्टूबर के बाद से कोर्ट से दूर थीं। सिंधु पहले दौर में चीनी ताइपै की सुंग शुओ युन से भिड़ेंगी।

युवा और वापसी कर रहे खिलाड़ियों पर नजर

दूसरी बार ओडिशा ओपन खिताब जीतने वाली उन्नति हुड्डा का सामना पहले दौर में टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और चौथी वरीयता प्राप्त चीन की चेन यू फेई से होगा। वहीं, बाएं घुटने की चोट के कारण छह महीने बाद वापसी कर रहीं मालविका बंसोड की टक्कर पूर्व विश्व चैंपियन थाईलैंड की रेचानोक इंतानोन से होगी।

सात्विक-चिराग से बड़ी उम्मीदें

तीसरी वरीयता प्राप्त सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने पिछले साल हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई थी और विश्व चैंपियनशिप में दूसरी बार कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेल चैंपियन यह जोड़ी पहले दौर में चीनी ताइपे के ली झे हुइ और यांग पो सुआन से

भिड़ेगी। भारत की ही जोड़ी एम.आर. अर्जुन और हरिहरन अम्साकरूनन का सामना जापान के हिरोकी मिदोरिकावा और के. यामाशिता से होगा।

महिला युगल में भी चुनौतीपूर्ण शुरुआत

महिला युगल में गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली की जोड़ी पहले दौर में इंडोनेशिया की फेब्रियाना डी कुसुमा और मेलिसा त्रियास पुष्पितासरी से मुकाबला करेगी। नए साल की इस पहली बड़ी परीक्षा में भारतीय खिलाड़ियों से मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद होगी, ताकि आने वाले टूर्नामेंटों के लिए आत्मविश्वास हासिल किया जा सके।

ब्रिटेन की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राडुकानू ने ओसाका के खिलाफ यूनाइटेड कप मुकाबले से वापस लिया नाम

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) । ग्रेट ब्रिटेन की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी एम्मा राडुकानू ने यूनाइटेड कप में नाओमी ओसाका के खिलाफ अपने मैच से नाम वापस ले लिया । राडुकानू की गैरमौजूदगी में ग्रेट ब्रिटेन ने ऑस्ट्रेलिया में जापान के खिलाफ 2-1 से

ग्रुप-स्टेज जीत के साथ अपने यूनाइटेड कप अभियान की शुरुआत की। ब्रिटिश नंबर वन खिलाड़ी ने अक्टूबर से कोई मैच नहीं खेला है और दिसंबर में पैर में मामूली चोट के कारण अमेरिका में दो प्रदर्शनी मैचों से नाम वापस ले लिया था। ग्रेट ब्रिटेन की टीम के कप्तान टिम हेनमैन ने मैच से पहले ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टर नाइन से कहा, 'मुझे ईमानदार होना होगा, वह बहुत करीब थी। यह आसान फैसला नहीं था। वह तैयारी कर रही थी और बहुत अच्छी तरह से अभ्यास कर रही थी। लेकिन हमें आज सुबह लगा कि यह थोड़ा जल्दी है।'

उनकी असली जीत हार में है, क्योंकि हार ने उन्हें सिखाया और जीवन की दिशा दी : स्मृति ईरानी

जयपुर (एजेंसी)। सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 में सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने महिला नेतृत्व और सार्वजनिक सेवा पर खुलकर अपनी बात रखी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ईरानी ने बताया कि उनकी असली जीत हार में है, क्योंकि हार ने उन्हें सिखाया और जीवन की दिशा दी। सत्र में उन्होंने महिलाओं की तकनीक, नीति, स्टार्टअप और सार्वजनिक क्षेत्रों में बढ़ती भागीदारी पर जोर दिया। मल्टीटास्किंग और दृढ़ता को अपने करियर की कुंजी बताते हुए उन्होंने चुनाव हारने के अनुभवों से मिली सीखों का उल्लेख किया। उन्होंने महिला उद्यमियों के सामने आने वाली वास्तविक चुनौतियों, अवसरों और मेंटरशिप की आवश्यकता पर भी चर्चा की। ईरानी ने 9 करोड़ स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को नए भारत की उजली तस्वीर बताते हुए अपनी पहलें साझा कीं–1 लाख महिलाओं को सशक्त बनाना, 300 स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना और 100 मिलियन डॉलर से अधिक का फंड जुटाना। उन्होंने कहा कि ये कदम महिलाओं के उद्यमिता इकोसिस्टम को मजबूत करने, अवसर और पूंजी तक पहुंच सुनिश्चित करने की लंबी अवधि की प्रतिबद्धता दर्शाते हैं।

टाटा हॉस्पिटल को बम से उड़ाने की धमकी; हॉस्पिटल खाली कराया गया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के परेल इलाके में स्थित टाटा मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल को बम से उड़ाने की एक अनजान धमकी मिलने के बाद सोमवार को हड़कंप मच गया। इस धमकी के बाद पुलिस विभाग और हॉस्पिटल प्रशासन तुरंत अलर्ट हो गए हैं और एहतियात के तौर पर हॉस्पिटल कैंपस खाली करा लिया गया है। धमकी भरा कॉल या मैसेज मिलते ही मुंबई पुलिस तुरंत हॉस्पिटल पहुंची। फिलहाल, बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीडीएस) मौके पर पहुंच गया और डॉग स्क्वॉड की मदद से हॉस्पिटल के हर फ्लोर और कोने की अच्छी तरह से जांच की गई। पुलिस उपायुक्त समेत वरिष्ठ अधिकारी हालात पर नजर रखे हुए हैं। चूंकि टाटा हॉस्पिटल देश में कैंसर के इलाज का सबसे बड़ा सेंटर है, इसलिए यहां हर दिन हजारों मरीज और उनके रिश्तेदार आते हैं। बम की खबर फैलते ही इलाके में डर का माहौल बन गया। सुरक्षा कारणों से अस्पताल प्रशासन ने मरीजों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट करना शुरू कर दिया और ओपीडी एवं दूसरी भीड़भाड़ वाली जगहों को खाली करा दिया गया। इस दौरान वहां अफरातफरी का माहौल तो रहा ही मरीजों तथा उनके रिश्तेदारों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ी। फ़िलहाल पुलिस जांच कर रही है कि यह सिर्फ़ अफ़वाह है या हमले की कोशिश। धमकी किस नंबर या माध्यम से आई, इसकी तकनीकि जांच की जा रही है। अस्पताल प्रशासन ने अपील की है, लोगों को घबराना नहीं चाहिए, पुलिस पूरी जांच कर रही है।

झारखंड में दो घटनाओं में जंगली हाथियों ने महिला व युवक को कुचलकर मार डाला

रांची (एजेंसी)। झारखंड में अलग-अलग घटनाओं में जंगली हाथियों के हमले से दो लोगों की मौत हो गई। वन अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान पश्चिम सिंहभूम जिले के कितापी गांव की चंपा कुई (47) और लातेहार जिले के मतनाग गांव के वीरेंद्र कोरवा के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक चंपा कुई रविवार तड़के करीब साढ़े चार बजे अपने घर से बाहर निकली थीं, तभी एक हाथी जो झुंड से भटक गया था, गांव में आ गया और उसने चंपा को कुचल दिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विभाग की टीम मौके पर पहुंची और परिवार को अंतरिम राहत के रूप में 20,000 रुपए की सहायता राशि दी। विभाग ने परिजनों को औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद सरकारी प्रावधानों के मुताबिक मुआवजा प्रदान करने का आश्वासन दिया। लातेहार जिले में चिपदोहार पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मतनाग गांव में शाम करीब चार बजे एक हाथी ने कोरवा को कुचलकर मार डाला। कोरवा चौक बाजार से घर जा रहा था तभी हाथियों के एक झुंड ने उसे घेर लिया और मार डाला। घटना की सूचना मिलते ही रेंजर और वनपाल समेत वन विभाग की एक टीम घटना की जांच के लिए मौके पर पहुंची।

सेल ने दर्ज की दिसंबर महीने की अब तक की सबसे अधिक बिक्री

नई दिल्ली : देश की महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम और देश के अग्रणी इस्पात उत्पादकों में से एक, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने दिसंबर 2025 के दौरान 2.1 मिलियन टन की विक्रय दर्ज करके एक और उपलब्धि हासिल की है। यह दिसंबर 2024 में हासिल की गई 1.5 मिलियन टन की बिक्री की तुलना में लगभग 37% की भारी वृद्धि है। यह दिसंबर महीने के लिए कंपनी का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस दौरान कंपनी ने विभिन्न उत्पाद श्रेणियों और बिक्रय माध्यमों में नए कीर्तिमान स्थापित किए, साथ ही इन्वेंट्री में भी महत्वपूर्ण कमी आई है। यह प्रदर्शन सेल द्वारा ग्राहकों को समय पर डिलीवरी देने पर फोकस करने की वजह से रहा। सेल हाल के दिनों में नए उत्साह के साथ ब्रांडिंग पहलों पर भी जोर दे रहा है। दिसंबर महीने के दौरान इस शानदार प्रदर्शन ने सेल को वित्तीय वर्ष 2025-26 में अपनी विकास गति को बनाए रखने में मदद की है। अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान कुल बिक्री मात्रा 14.7 मिलियन टन (अनंतिम) तक पहुंच गई है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की 12.6 मिलियन टन की तुलना में लगभग 17% की वृद्धि है। घरेलू बाजार में बनाए गए रिकॉर्ड के अतिरिक्त, निर्यात मात्रा में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो वैश्विक स्तर पर सेल की बढ़ती उपस्थिति को रेखांकित करती है।

2027 में सत्ता में लौटाने के लिए आतुर अखिलेश ने तैयार किया चुनावी मिशन 84

अखिलेश की रणनीति से बसपा और बीजेपी को लग सकता है झटका

लखनऊ (एजेंसी)। वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) ने अभी से कमर कस ली है। 10 साल बाद सत्ता में वापसी के लक्ष्य के साथ सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने ऐसी रणनीति तैयार की है, जिससे प्रदेश की जातीय राजनीति में बड़ा बदलाव आ सकता है। अखिलेश की इस रणनीति के केंद्र में राज्य की वे 84 विधानसभा सीटें हैं, जो अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित हैं, साथ ही कई सामान्य सीटें भी हैं, जहां दलित वोट निर्णायक भूमिका में रहते हैं। अखिलेश की इस सक्रियता से न सिर्फ बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की टेंशन बढ़ी है, बल्कि सत्तारूढ़ भाजपा कर दिया है।

दरअसल, उत्तर प्रदेश की राजनीति में दलित वोट बैंक लंबे समय से बसपा की ताकत रहा है। लेकिन बीते कुछ चुनावों में बसपा के कमजोर प्रदर्शन और संगठनात्मक ढील के कारण यह वोट बैंक बिखरता दिखा है। इस मौके के फायदा उठाकर अखिलेश ने दलित समुदाय को सपा से जोड़ने की कवायद तेज कर दी है। पार्टी का मानना है कि अगर बसपा के कोर वोट बैंक में सेंध लगाने में सफलता मिलती है, तब 2027 में भाजपा को सत्ता से बाहर करना आसान होगा।

दरअसल अखिलेश यादव की यह चुनावी रणनीति उनके 'पीडीए' फॉर्मूले पर आधारित है, जिसमें पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग को एकजुट करने का लक्ष्य रखा गया है। सपा नेतृत्व का मानना है कि यही सामाजिक गठजोड़ यूपी की राजनीति का भविष्य तय करेगा। इसी सोच के तहत पार्टी ने फैसला किया है कि वह केवल आरक्षित सीटों तक सीमित न रहकर सामान्य सीटों पर भी बड़ी संख्या में दलित उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी। इससे दलित समाज में यह संदेश जाएगा कि सपा उन्हें सिर्फ वोट बैंक नहीं, बल्कि नेतृत्व का मौका देना चाहती है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, सपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों से अहम सबक लिया है। उस चुनाव में दलित वोटों का एक हिस्सा सपा के पक्ष में आया था, जिसने पार्टी के प्रदर्शन को मजबूती दी। अब सपा चाहती है कि विधानसभा चुनाव में समर्थन को और व्यापक रूप दिया जाए। इसी उद्देश्य से 2025 से ही 'पीडीए चर्चा' कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, जो प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चलाए जा रहे हैं।

हालांकि, राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि सपा का यह दांव पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। सामान्य सीटों पर दलित उम्मीदवार उतारने से

सवर्ण और अन्य वर्गों के कुछ वोट खिसकने का खतरा भी है। बावजूद इसके, सपा नेतृत्व का भरोसा है कि व्यापक सामाजिक गठबंधन इस नुकसान की भरपाई कर सकता है। अखिलेश यादव खुद कई मौकों पर कह चुके हैं कि 'पीडीए ही यूपी का भविष्य है।'

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, जनता के आशीर्वाद से देवराज उर्स का रिकॉर्ड टूट जाएगा

बेंगलुरु । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से पूर्व मुख्यमंत्री देवराज उर्स का रिकॉर्ड टूट जाएगा। उन्होंने बताया कि देवराज उर्स भी मैसूरु जिले के निवासी थे और उनका रिकॉर्ड भविष्य में कोई भी तोड़ सकता है। सिद्धारमैया ने 1983 के विधानसभा चुनावों का जिक्र कर कहा कि उस समय लोग वोट और धन से समर्थन देते थे, जबकि अब परिस्थितियां अलग हैं। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि जैसे क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड विराट कोहली ने तोड़ा, वैसे ही भविष्य में कोई मुख्यमंत्री उनसे अधिक समय तक पद संभाल सकता है या अधिक बजट पेश कर सकता है। प्रस्तावित उपकरण सम्मेलन

पर उन्होंने कहा कि अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और कार्यक्रम का आयोजन कृष्णा भैरेगौड़ा करेंगे। कैबिनेट फेरबदल पर उन्होंने कहा कि इस बारे में राहुल गांधी से चर्चा करुंगा और जनवरी में फोन आने पर वे जाएंगे। बल्लारी मामले पर सीएम ने कहा कि भाजपा मौजूदा न्यायाधीश द्वारा जांच की मांग कर रही है, जबकि पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले रिपोर्ट आने दी जाए, फिर जांच तय होगी। वीबीजी राम की गारंटी आलोचना पर प्रतिक्रिया देकर सिद्धारमैया ने कहा कि 3,000 करोड़ रुपये का 40 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार पर बोझ डालेगा। सिद्धारमैया का बयान साफ करता है कि राजनीतिक रिकॉर्ड समय के साथ टूटते हैं और भविष्य में किसी भी नेता के लिए नए कीर्तिमान स्थापित करना संभव है।

तेलंगाना की जनता को धोखा देने के लिए राहुल गांधी और सीएम रेड्डी को फांसी देना चाहिए: रामाराव

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को तेलंगाना की जनता को धोखा देने के लिए कई बार फांसी देना चाहिए। बीआरएस नेता रामाराव का यह बयान मुख्यमंत्री रेड्डी की पिछली टिप्पणियों के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की कड़ी आलोचना कर नदी जल बंटवारे में तेलंगाना के हितों को कथित तौर पर नुकसान पहुंचाने और सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से अवैध रूप से धन कमाने के लिए उन्हें मृत्युदंड देने की मांग की थी।

मुख्यमंत्री की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया देकर केटीआर ने कहा कि अगर टूटे वादों को भी ध्यान में रखा जाए, तब यह हिसाब लगाना मुश्किल है कि कांग्रेस नेताओं को कितनी बार फांसी दी जाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा अशोक नगर अड्डा में दो लाख नौकरियों का वादा पूरा न करने, वारंगल में कृषि ऋण माफी योजना लागू न करने और कामारेड्डी में बीसी समुदाय के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण के वादे से मुकरने के लिए कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ जनता को अपना फैसला सुनाना चाहिए। उन्होंने आलोचना कर कहा कि 420 वादों को तोड़ने के लिए कांग्रेस जनता द्वारा 420 बार दंडित किए जाने की पात्र है।

पार्टी के बयान के अनुसार, केटीआर ने कहा कि सीएम रेड्डी को केवल गाली देना आता है, जबकि बीआरएस जरूरत पड़ने पर तीन-चार भाषाओं में जवाब देने की ताकत रखती है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति आईआईटी और आईआईआईटी के बीच या बाचावत ट्रिब्यूनल और बृजेश कुमार ट्रिब्यूनल के बीच अंतर नहीं जानता, उसके लिए तेलंगाना के भविष्य के बारे में बात करना हास्यास्पद है।

ट्रंप ने फिर दी टैरिफ बढ़ने की धमकी... कांग्रेस का हमला नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी काम नहीं आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नकांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भारत के प्रति अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैये की आलोचना कर कहा कि दोनों नेताओं के बीच बार-बार सौहार्दपूर्ण व्यवहार दिखाने के बावजूद वाशिंगटन लगातार कभी गर्म, कभी ठंडा रुख दिखा रहा है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने फिर भारत से आयात पर उच्च शुल्क लगाने की धमकी दी है। उन्होंने टिप्पणी की कि नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी जैसे सार्वजनिक कार्यक्रमों, बार-बार दिखाई गई व्यक्तिगत गर्मजोशी और सोशल मीडिया पर प्रशंसा से भारत को कुछ खास लाभ नहीं हुआ है।

कांग्रेस सांसद रमेश सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री के अच्छे दोस्त भारत के प्रति अपना कभी गर्म, कभी ठंडा रवैया दिखा रहे हैं। उन्होंने फिर धमकी दी है कि अगर भारत रूस से तेल

खरीदना बंद नहीं करता है, तब वे भारत से आयात होने वाले अमेरिकी उत्पादों पर उच्च शुल्क लगाएंगे। वे सभी नमस्ते ट्रंप, हाउडी मोदी कार्यक्रम, वे सभी (जबरदस्ती के) गले मिलना और अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रशंसा करने वाले वे सभी सोशल मीडिया पोस्ट बहुत कम लाभ पहुंचा रहे हैं।

वहीं कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनाते ने केंद्र पर भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा करने में कमजोर और असमर्थ होने का आरोप लगाया। कांग्रेस प्रवक्ता ने पोस्ट किया, 'ट्रम्प वहाँ खड़े होकर भारत का मजाक उड़ा रहे हैं। ट्रम्प के बगल में खड़े अमेरिकी सीनेटर का दावा है कि भारतीय राजदूत राष्ट्रपति को खुश रखने के लिए उनसे विनती कर रहे हैं। ट्रंप का कहना है कि मोदी ने उन्हें खुश करने के लिए अमेरिका के दबाव में रूसी तेल का आयात कम किया है। इसतरह के बेशर्म गुंडे मेरे देश का मज़ाक उड़ा रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की ओर से एक शब्द भी नहीं। मोदी एक आपदा हैं, एक कमजोर, कायर व्यक्ति जो भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा करने वाले गुंडों के सामने खड़े नहीं हो सकते।'

यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा रूसी तेल के आयात जारी रहने पर टैरिफ बढ़ाने की भारत को नई चेतावनी देने के बाद सामने आई है, जिसमें उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर उनकी नाराजगी से अवगत हैं। ट्रंप ने कहा कि रूसी तेल आयात के मुद्दे पर भारत का उन्हें खुश रखना महत्वपूर्ण था। ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बहुत अच्छे इंसान हैं। वे नेक दिल हैं। उन्हें पता था कि मैं खुश नहीं हूं। मुझे खुश रखना उनके लिए ज़रूरी था। वे व्यापार करते हैं, और हम उन पर बहुत जल्दी टैरिफ बढ़ा सकते हैं।

एनसीसी कैडेट्स को संबोधित कर उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने ऑपरेशन सिंदूर से सीखने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने एनसीसी के रिपब्लिक डे कैंप 2026 में कैडेट्स को संबोधित कर ऑपरेशन सिंदूर और विभिन्न आपदा राहत अभियानों में उनकी सराहनीय सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि एनसीसी शिविर केवल प्रशिक्षण केंद्र नहीं, बल्कि भारत की विविधता में एकता, संवैधानिक मूल्यों और भविष्य के नेतृत्व की झलक प्रस्तुत करता है। उपराष्ट्रपति ने एनसीसी के महत्व और उसके 'एकता और अनुशासन' के ध्येय वाक्य का उल्लेख कर कहा कि यह युवाओं को आत्मविश्वासी, जिम्मेदार और सेवा-भावी नागरिक बनाने में योगदान देता है। कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति का स्वागत गार्ड ऑफ ऑनर से किया गया और उन्होंने हॉल ऑफ फेम का दौरा कर एनसीसी की गौरवपूर्ण विरासत, उपलब्धियों और विकास यात्रा की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विभिन्न प्रदर्शनी स्टॉल्स, जैसे युवा आपदा मित्र योजना, ड्रोन प्रशिक्षण और नई तकनीकों के उपयोग की पहल, का निरीक्षण किया। उपराष्ट्रपति ने आपदा प्रबंधन की तैयारी और उभरती तकनीकों को अपनाने में एनसीसी की भूमिका की सराहना की। कैंप में कैडेट्स के लिए बेस्ट कैडेट, स्मॉल आर्म्स फायरिंग, मार्चिंग कंटिजेंट और फ्लैग एरिया डिजाइनिंग जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इस साल 28 राज्यों और 8 केंद्रशासित प्रदेशों से कुल 2,406 कैडेट्स, जिनमें 898 बालिका कैडेट शामिल हैं, भाग ले रहे हैं। इसके अलावा 25 मित्र देशों के युवा कैडेट और अधिकारी यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत इस कैंप में शामिल हैं। उपराष्ट्रपति ने कैडेट्स के अनुशासन, उत्साह और राष्ट्रीय गौरव की भावना की विशेष सराहना की।

केरल प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर ने वेल्लापल्ली नटेसन से की मुलाकात... सियासी गलियारों में चर्चा तेज

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में भाजपा ने विधानसभा चुनाव से पहले महत्वपूर्ण राजनीतिक कदम उठाया है। पार्टी के केरल प्रभारी और वरिष्ठ नेता प्रकाश जावड़ेकर ने एसएनडीपी योगम के जनरल सेक्रेटरी वेल्लापल्ली नटेसन से उनके आवास पर मुलाकात की। यह बैठक तब हुई जब नटेसन द्वारा पत्रकार को आतंकवादी कहने वाले बयान ने विवाद पैदा किया था। मुलाकात के बाद बीजेपी नेता जावड़ेकर ने मैत्रीपूर्ण दौरा बताकर कहा कि उन्हें नटेसन से मिलकर हमेशा खुशी होती है। उन्होंने नटेसन के प्रारंभिक दिनों में एसएनडीपी योगम की स्थापना और उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनकी बातचीत हमेशा सुखद और सकारात्मक रही है, इसलिए इसमें कोई राजनीतिक पहलू नहीं है। भाजपा के इस कदम को इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि नटेसन के हाल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के करीब आने की खबरें आई थीं। जावड़ेकर ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की जीत का उल्लेख करते हुए गुजरात के अहमदाबाद जैसी

उपलब्धि बताया। नटेसन ने हाल ही में मुस्लिम बहुल मलप्पुरम जिले में एसएनडीपी के शैक्षणिक संस्थान खोलने की अनुमति नहीं मिलने पर टिप्पणी की थी, साथ ही एक पत्रकार को चरमपंथी बताने वाले बयान ने विवाद बढ़ाया। संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी, जबकि माकपा और भाजपा ने कोई निंदा नहीं की। नटेसन के बेटे टी. वेल्लापल्ली भारत धर्म जन सेना (बीडीजेएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, जो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से जुड़ी है। इस बैठक का राजनीतिक महत्व इसलिए भी है क्योंकि विधानसभा चुनाव के पूर्व केरल में विभिन्न दल अपनी सक्रियता बढ़ा रहे हैं और भाजपा के लिए यह कदम समुदायों के बीच अपनी स्थिति मजबूत करने का संकेत माना जा रहा है।

सीएम सरमा ने असम में शुरू किया बीजेपी का वॉल पेंटिंग अभियान

कांग्रेस टिकट के लिए 3 से 5 करोड़ रुपये तक वसूल रही

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दीवार चित्रकला (वॉल पेंटिंग) अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि यह अभियान निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा और पार्टी चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने दावा किया कि असम में भाजपा की स्थिति बेहद मजबूत है और पार्टी के पास करीब 50 प्रतिशत विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवार तैयार हैं। सरमा ने कहा कि यदि पार्टी नेतृत्व आज ही 50 सीटों के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी करने को कहे, तब यह संभव है। वहीं सीएम सरमा ने स्पष्ट किया कि भाजपा उम्मीदवारों से किसी तरह का आवेदन शुल्क नहीं लेगी। उम्मीदवारों के नाम जनता और पार्टी कार्यकर्ता सुझाएंगे और टिकट के लिए 25,000 या 50,000 रुपये जैसी कोई राशि नहीं ली जाएगी। इसके उल्ट उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी टिकट के इच्छुक उम्मीदवारों से 3 से 5 करोड़ रुपये तक वसूल रही है और यह प्रक्रिया 22-23 सीटों पर चल रही है।

भूमि अतिक्रमण के मुद्दे पर सरमा ने कहा कि तेजपुर में करीब 5,000 बीघा अतिक्रमित भूमि से अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरु होगा। उन्होंने इस अभियान को सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल बताकर कहा कि अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही उन्होंने मिया समुदाय का उल्लेख करते हुए कांग्रेस पर उन्हें निराश करने का आरोप लगाया। गठबंधन की राजनीति पर मुख्यमंत्री ने

बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया असम गण परिषद (एजीपी) के साथ सीट बंटवारे को लेकर बातचीत कर रहे हैं। भाजपा का यह दीवार चित्रकला अभियान 2026 के चुनावों के लिए एक प्रारंभिक जनसंपर्क पहल माना जा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कामरूप जिले के चांगसारी में आयोजित कार्यक्रम में बेजेरा और सुआलकुची के 1,534 छात्रों को 2025 की एचएसएलसी और एचएस परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया।

अग्निवीरों को सेना में परमानेंट होना है तो शादी करने से मना करना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना की अग्निवीर योजना एक बार फिर चर्चा में है क्योंकि साल 2022 में शुरू हुए इस कार्यक्रम का पहला बैच अब अपनी चार साल की सेवा पूरी करने के करीब है। जून और जुलाई के महीनों में लगभग 20 हजार से अधिक अग्निवीरों को उनकी सेवा अवधि समाप्त होने के बाद डिस्चार्ज किया जाएगा। इस मोड़ पर हजारों युवाओं के भविष्य को लेकर उठ रहे सवालों के बीच सेना ने स्थायी होने की प्रक्रिया और उससे जुड़े कड़े नियमों को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है। इसमें कहा गया है कि अग्निवीरों को सेना में परमानेंट होना है तो शादी करने से मना करना होगा।

सेना ने स्पष्ट किया है कि अग्निवीर अपने चार साल के कार्यकाल के दौरान विवाह नहीं कर सकते। नियमों की गंभीरता यहीं खत्म नहीं होती, सेवा से डिस्चार्ज होने के तुरंत बाद भी उन्हें शादी करने की अनुमति नहीं होगी। स्थायी सैनिक बनने की चयन प्रक्रिया, जो लगभग 4 से 6 महीने तक चल सकती है, के दौरान भी उम्मीदवारों का अविवाहित रहना अनिवार्य है। अंतिम परिणाम घोषित होने और आधिकारिक रूप से स्थायी कमीशन मिलने तक यह नियम लागू रहेगा। सेना के नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, चार साल की सेवा पूरी करने वाले अग्निवीरों में से केवल 25 प्रतिशत को ही स्थायी सैनिक के रूप में दोबारा नियुक्त किया जाएगा। यह चयन पूरी तरह से उनके पिछले प्रदर्शन, शारीरिक दक्षता और लिखित परीक्षा के अंकों पर आधारित होगा। हालांकि, योग्यता के साथ-साथ अनुशासन को सबसे ऊपर रखा गया है, जिसमें वैवाहिक स्थिति को लेकर बेहद सख्त नियम बनाए गए हैं। अनुशासन पर जोर देते हुए सेना ने चेतावनी दी है कि यदि कोई अग्निवीर इस निर्धारित अवधि के दौरान शादी करता है, तो उसे स्थायी नौकरी के लिए अयोग्य मान लिया जाएगा। भले ही उस उम्मीदवार का पेशेवर रिकॉर्ड और शारीरिक प्रदर्शन कितना भी उत्कृष्ट क्यों न हो, नियम उल्लंघन की स्थिति में उसे चयन प्रक्रिया से तुरंत बाहर कर दिया जाएगा। आमतौर पर अग्निवीरों की भर्ती 21 वर्ष तक की आयु में होती है और वे लगभग 25 वर्ष की आयु में सेवामुक्त होते हैं। सेना का मानना है कि इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर नियमों का पालन करना न केवल सैन्य अनुशासन के लिए आवश्यक है, बल्कि यह एक सैनिक की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। केवल वही अग्निवीर स्थायी कमीशन के पात्र होंगे जिन्होंने अपना कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा किया हो, जिनका रिकॉर्ड बेदाग हो और जिन्होंने सेवा की पूरी अवधि में ब्रह्मचर्य और अविवाहित रहने के मानदंडों का पालन किया हो।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**